सोमवार
22 अप्रैल 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



रोहिणी ने सुंदर कांड की पंक्तियों को बदल नीतीश पर साधा निशाना 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

लालू प्रसाद ने बिहार में जंगलराज ला दिया था, आपको याद है न उनका शासनः अमित शाह

- केंद्रीय गृहमंत्री ने कटिहार में जदयू के प्रत्याशी दुलार चंद गोस्वामी के पक्ष में की चुनावी सभा
- पिछड़ों के विरोधी कांग्रेस की गोद में लालू यादव और उनके बेटे बैठे हैं

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कटिहार लोकसभा क्षेत्र में चुनावी सभा को संबोधित किया। इसमें उन्होंने जदयू उम्मीदवार दुलाल चंद्र गोस्वामी को वोट देने की अपील की। गृह मंत्री ने राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। अमित शाह ने कहा कि मोदी जी ने इस देश में जातिवाद और तुष्टिकरण को समाप्त करने का काम किया। इतने सालों से कांग्रेस और लालू जी कहते थे गरीबी हटाओ। लेकिन, गरीबी नहीं हटी थी। 10 साल में ही मोदी जी ने देश की जनता को मुफ्त में पांच किलो अनाज देने का काम किया। 12 करोड़ शौचालय और चार करोड़ घर देने का काम किया। 10 करोड़ से ज्यादा माताओं को उज्ज्वला गैस देने का काम किया। पिछले 10 साल के अंदर पीएम मोदी ने गरीबों के जीवन में परिवर्तन में लाने का काम किया।



बिहार को लालटेन युग में ले जाना चाहते हैं इंडी गठबंधन वाले

गृह मंत्री ने बिहार और सीमांचल में कई विकास योजनाओं का जिक्र किया। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा इंडी गठबंधन वाले बिहार को लालटेन युग में ले जाना चाहते हैं। नीतीश बाबू ने बिहार के घर-घर में बिजली पहुंचाई है। लेकिन, कांग्रेस और लालू प्रसाद फिर से पिछड़ों पर अत्याचार करना चाहती है। मैं लालू जी और कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि 10 साल तक आपकी सरकार थी, लेकिन बिहार को क्या दिया? मोदी जी ने 10 साल में काफी कुछ दिया। मोदी ने कांग्रेस के दो लाख 80 हजार करोड़ के बदले नौ हजार 23 हजार करोड़ रुपया बिहार के विकास के लिए दिया। चार लाख करोड़ सड़क और पुल के लिए, एक लाख करोड़ रेलवे के उत्थान के लिए दिया है।

अमित शाह ने कहा कि लालू और कांग्रेस एक होकर भाजपा और जदयू के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। आप लोगों को लालू-राबड़ी का शासन याद है न? बिहार को जंगलराज में बदलकर लालू प्रसाद यादव ने रख दिया था। गरीब, पिछड़ा और दलित पर अत्याचार होते थे। जब से एनडीए की सरकार आई तो गरीबों पर अत्याचार खत्म हो गया। आज लालू यादव कांग्रेस पार्टी के साथ बैठे हैं। मैं लालू यादव को कहना चाहता हूं कि इसी कांग्रेस पार्टी ने पिछड़ा समाज का विरोध किया। काका साहेब कालेलकर कमीशन की रिपोर्ट को दबाकर रख दिया। मंडल कमीशन का विरोध किया। पिछड़ों के विरोधी कांग्रेस पार्टी की गोद में लालू यादव और उनके बेटे बैठे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने सबसे पहला अति पिछड़ा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बनाने का काम किया।

कांग्रेस की सरकार में आए दिन होते थे देश में धमाके

गृह मंत्री ने कहा कि खरगे जी कहते हैं बिहार और राजस्थान को कश्मीर से क्या लेना देना। धारा 370 को लालू और कांग्रेस पार्टी पिछले 70 साल बचाकर बैठी थी। मोदी जी ने धारा 370 को समाप्त कर दिया। मोदी जी ने नक्सलवाद समाप्त किया और आतंकवाद पर नकेल कसी। कांग्रेस की सरकार में आतंकवादी आए दिन बम धमाके करते थे, अशांति फैलाते थे लेकिन कोई कुछ नहीं करता था। आए दिन धमाकों के कारण देशवासियों में दहशत का माहौल था। मोदी जी आए तो उरी और पुलवाला में हमला हुआ। इन दोनों हमले के 10 दिन के अंदर सर्जिकल और एयर स्ट्राइक किया गया और पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकियों का सफाया करने काम किया।

खगड़िया में बोले सम्राट चौधरी...बिहार से जल्द ही जमीन व शराब माफिया का राज समाप्त होगा

खगड़िया। खगड़िया लोकसभा सीट से एनडीए के लोजपा (रामविलास) प्रत्याशी राजेश वर्मा के समर्थन में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व विजय सिन्हा ने चुनाव प्रचार किया। अपने भाषण में सम्राट चौधरी ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राजद सुप्रीमो ने अपने साथ के सभी लोगों को बर्बाद कर दिया। उन्होंने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने साथ हाथ मिलाने वाले का पूरा सम्मान करती है। बिहार में लालू यादव के राज में जंगलराज था। सभी समाज के लोग परेशान थे। अब हर जगह खुशहाली है। बिहार के लोग सम्मान व सुरक्षा के साथ जीवन जी रहे हैं, क्यों कि बिहार में डबल इंजन की सरकार है। कहा कि बिहार से जल्द ही जमीन माफिया ,शराब माफिया का राज समाप्त होगा और जो लोग इसमें संलिप्त है वो जेल की हवा खाएंगे। वहीं चुनावी सभा को डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने भी संबोधित किया और कहा कि मजबूत और विकसित भारत के लिए आपलोग एनडीए प्रत्याशी राजेश वर्मा को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर खगड़िया से राजेश वर्मा जीतकर जाते हैं तो पीएम नरेंद्र मोदी का हाथ मजबूत होगा।

राजस्थान में आयोजित चुनावी सभा में गरजे पीएम मोदी

कांग्रेस की दुकान में हमेशा भय भूख और भ्रष्टाचार ही बिकता है

एजेंसी/नई दिल्ली

राजस्थान में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के मोहब्बत की दुकान वाले दावे पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस की दुकान में हमेशा भय, भूख और भ्रष्टाचार ही बिकता है। पीएम मोदी ने कहा कि पहले चरण के मतदान में आधे राजस्थान ने कांग्रेस को बराबर की सजा दी है। राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत राजस्थान ये जानता है कि कांग्रेस कभी भी मजबूत भारत बना ही नहीं सकती। देश को ऐसी कांग्रेस सरकार नहीं चाहिए. देश को 2014 के पहले जो हालात थे, वो हालात दोबारा नहीं चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की कमजोर सरकार को आते-जाते लोग भी धमकाते थे, हर कोई देश को लूटने में जुटा था। प्रधानमंत्री को तो कोई पूछता ही नहीं था, सरकार रिमोट कंट्रोल से चला करती थी। कैबिनेट से पास हुए अध्यादेश को उनकी पार्टी के ही एक नेता मीडिया की मीटिंग बुला कर फाड़ कर फेंक देते हैं। अस्थिरता की प्रतीक कांग्रेस पार्टी और उनका कुनबा, देश को चला सकता है क्या?

पीएम ने कहा कि जिस पार्टी के कभी 400 सांसद जीते थे, आज वो 300 सीट पर चुनाव नही लड़ पा रही है। आज कांग्रेस की हालत ये है कि उन्हें उम्मीदवार नहीं मिल पा रहे हैं। इन्होंने अवसरवादी इंडी अलायंस बना लिया है, जिसकी पतंग उड़ने से पहले ही कट गई है। पीएम मोदी ने कहा कि देश को ऐसी सरकार की जरूरत है जो महिला, किसान, गरीब, दलित, वंचित, जनजातीय और पिछड़ा वर्ग... समाज के इन सभी वर्गों को सम्मान और समृद्धि की तरफ ले जा सके। एक ऐसी सरकार... जो युवाओं के सपनों को समझे और उनके लिए नीतियां बनाए। हमारा 10 साल का ट्रैक रिकॉर्ड गवाह है- ये काम सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही कर सकती है। पीएम ने कहा कि गैस और नल से जल देने के साथ-साथ मैंने गरीबों को मुफ्त राशन दिया। मैंने पक्का किया कि गरीब के घर में चूल्हा जलता रहना चाहिए, गरीब का बच्चा भूखा नहीं सोने दिया।



मोदी सरकार फिर से आयी, तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा: खड़गे

सतना। 'मोदी-शाह सरकार' फिर से सत्ता में आयी, तो देश में लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को मध्य प्रदेश के सतना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए दावा किया कि वे डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को भी खत्म कर देंगे। दरअसल, राहुल गांधी की सतना में चुनावी सभा थी, लेकिन उनकी तबियत खराब होने की वजह से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोर्चा संभाला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर जमकर बरसे। खड़गे ने सभा में कहा कि यदि आप संविधान, महिलाओं, मजदूरों और किसानों के वोट के अधिकार को बरकरार रखना चाहते हैं, तो कांग्रेस और उसके निशान हाथ के पंजे पर वोट दें।

खड़गे ने सतना में कांग्रेस उम्मीदवार सिद्धार्थ कुशवाहा के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते नरेंद्र मोदी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि मोदी-शाह की सरकार फिर से सत्ता में आयी, तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। खड़गे ने कहा कि मोदी तो अपनी पार्टी तक अपनी पार्टी तक का नाम नहीं लेते, कहते हैं- ये मोदी की देन है, ये मोदी की गारंटी, सब मोदी-मोदी है। मैं आप लोगों से पूछता हूं, मोदी ने 15 लाख रुपये देने का वादा किया था, मिले क्या? हर साल 2 करोड़ नौकरी देने का वादा किया था, 10 साल में 20 करोड़ नौकरियां मिलीं क्या? किसानों से वादा किया था, उनकी आमदनी डबल हुई क्या? मोदी खूब झूठ बोलते हैं, जहां भी जाते हैं वहां झूठ बोलकर आते हैं। इसलिए मैं उन्हें झूठों का सरदार कहता हूं। मोदी कहते हैं- भाइयों और बहनों, मैं 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रहा। अरे, हमने खाद्य सुरक्षा कानून बनाया था, इसी कानून के तहत हम पहले से राशन देते थे। आपने इसमें 5 किलो जोड़ दिया और कह रहे हैं कि मैं मुफ्त दे रहा। हमारी सरकार में जो कानून बना इसे मोदी भी नहीं बदल सकते। खड़गे ने कहा कि मोदी कहते हैं कि डॉ. आंबेडकर भी ऊपर से नीचे आ जाएं तो भी संविधान नहीं बदलेगा। ये उनके अल्फाज हैं। आपने खबरों में पढ़ा और सुना होगा। अगर, यह सच है तो आपके सांसद, मोहन भागवत और एमएलए क्यों कहते हैं कि हमे टू थर्ड मेजोरिटी दो, हम संविधान बदलेंगे। क्या ऐसे इंसान के नेतृत्व को आप लोग वोट देंगे।

खड़गे ने कहा कि दो आदमी देश का सामान बेच रहे हैं। एयरपोर्ट, रोड, रेलवे सब बेच रहे है। अडाणी और अंबानी लेने वाले हैं, मोदी और शाह बेचने वाले हैं। इन्होंने बैंक बर्बाद कर दिए। अमीरों का 16 लाख करोड़ रुपये कर्ज माफ कर दिया, लेकिन गरीब और किसानों का कर्जा माफ नहीं किया।

बीपीएससी पेपरलीक मामले में उज्जैन से पांच लोग गिरफ्तार

उज्जैन। बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने मध्य प्रदेश के उज्जैन से एक युवती और चार युवक समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी पहचान बदलकर उज्जैन में छिपे थे। ईओयू की टीम को इनकी जानकारी मिली तो फौरन मध्य प्रदेश पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद स्थानीय पुलिस के सहयोग से छापेमारी कर पांचों को गिरफ्तार कर लिया। ईओयू के डीआईजी मानवजीत सिंह ढिल्लो ने कहा कि तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक केस में पांच आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह सभी एक गिरोह के सदस्य हैं। इन्हें वापस पटना लाने के लिए ट्रांजिट रिमांड प्राप्त किया गया है।

आर्थिक अपराध इकाई के अनुसार, इन पांचों आरोपियों के पास से कई महत्वपूर्ण सबूत एकत्र किए गए हैं और उन्हें सोमवार को पटना की अदालत में पेश किया जाएगा। बता दें कि तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा 15 मार्च को 415 केंद्रों पर आयोजित की गई थी। परीक्षा में लगभग 3.75 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। इसके बाद पेपर लीक की बात सामने आई। आर्थिक अपराध इकाई ने बिहार लोक सेवा आयोग को एक रिपोर्ट सौंपी। इसमें कहा कि परीक्षा से एक दिन पहले ही तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा का पेपर लीक हो गया था। शिक्षक भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों को परीक्षा से पूर्व प्रश्न पत्र एवं उत्तर मुहैया कराने के एवज में दस-दस लाख रुपये सॉल्वर गैंग ने लिया था। आर्थिक अपराधी इकाई की टीम ने हजारीबाग और पटना के करबिगहिया में छापेमारी कर कुल सॉल्वर गैंग के सदस्य और अभ्यर्थी समेत 313 लोगों को हिरासत में लिया। इनमें से 266 को जेल गया। इसके लिए शनिवार देर रात को ही सिविल कोर्ट में इनकी पेशी हुई।

यमुना एक्सप्रेस वे चलती कार का टायर फटा, हादसे में पांच की मौत

एजेंसी/आगरा

दक्षिणी दिल्ली के तिगड़ी से देवरिया जा रहे 5 बारातियों की सडक हादसे में मौत हो गई। 3 लोग घायल हो गए हैं। जिनका उपचार चल रहा है। बाराती अर्टिगा कार में सवार थे। शनिवार रात 1.30 बजे कार का टायर फट गया और गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसा एत्मादपुर कुबेरपुर के पास यमुना एक्सप्रेस वे पर हुआ है। जिसमें 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक का रविवार सुबह उपचार के दौरान निधन हो गया। इस भीषण सडक हादसे में शादी की खुशियां मातम में बदल गईं।

शनिवार शाम को दक्षिण दिल्ली के तिगड़ी क्षेत्र से देवरिया के लिए एक बाराती रवाना हुई थी। बारात में शामिल रहे ब्रजेश कुमार ने बताया कि दिल्ली से शाम को सभी लोग रवाना हुए थे। अर्टिगा कार में 8 लोग सवार थे। दिल्ली से 3 टोल पार कर चुके थे। कुबेरपुर कट पर अचानक कार का टायर फट गया। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई। कार डिवाइडर में घुसकर कई पलटा खा गई। हादसे में 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी 4 को अस्पताल में भर्ती कराया। जिनमें से सुबह उपचार के दौरान एक और युवक की मौत हो गई। 3 अन्य का इलाज चल रहा है।

एत्मादपुर सर्किल की एसीपी सुकन्या शर्मा ने बताया कि यमुना एक्सप्रेस वे कुबेरपुर इंटरचेंज के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस सडक हादसे में नोयडा निवासी चंदन कुमार 32, बिहार के सुदेश कुमार 38, संजीव शर्मा 30, प्रवीन 30 वर्ष और पटना के निवासी गौतम 25 की मौत हो गई। जबकि नोएडा के कुलदीप, राहुल और गाजियाबाद के अजय घायल हैं। तीनों की हालत नाजुक बनी हुई है।

मणिपुर लोकसभा सीट के 11 मतदान केंद्रों पर आज होगा पुनर्मतदान

इंफाल। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के समापन के बाद, मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने घोषणा की कि आंतरिक मणिपुर लोकसभा सीट के 11 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराया जाएगा। मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक, इन स्टेशनों पर 22 अप्रैल को दोबारा मतदान होगा। दरअसल, लोकसभा चुनाव के दौरान यहां से गोलीबारी, झड़प की खबरें सामने आई थी। इसे लेकर चुनाव आयोग ने फिर से मतदान कराए जाने के आदेश दिए हैं। सीईओ के आदेश के अनुसार, भारत निर्वाचन आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 58(2) और 58ए(2) के तहत निर्देश दिया है कि 19 अप्रैल (शुक्रवार) को 11 मतदान केंद्रों में 22 अप्रैल को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान का समय निर्धारित किया जाएगा।



देशभर में बढ़ती गर्मी और लू से लोगों का जीना मुहाल, मौसम विभाग ने बंगाल में जारी किया रेड अलर्ट

आने वाले पांच दिनों तक बिहार में लू से नहीं मिलनेवाली राहत

एजेंसी/नई दिल्ली

देशभर में बढ़ती गर्मी और लू से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। लू को लेकर मौसम विभाग ने बंगाल में रेड अलर्ट जारी किया है। जबकि ओडिशा और बिहार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले चार पांच दिनों तक गर्म हवाओं का प्रकोप रहेगा। बढ़ती गर्मी और हीटवेव को लेकर भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के वरिष्ठ वैज्ञानिक नरेश कुमार ने कहा, 'इस समय पूर्वी भारत में लू चल रही है। आने वाले चार-पांच दिनों तक ऐसा ही मौसम रहेगा। हीटवेव को देखते हुए पश्चिम बंगाल में रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहां का तापमान सामान्य से पांच-छह डिग्री अधिक है। पश्चिम बंगाल में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक है। अनुमान है कि सोमवार से तापमान में गिरावट हो सकती है। उसके बाद चार दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट दिया गया है।'



उन्होंने कहा कि ओडिशा में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बिहार में आने वाले पांच दिनों में लू का प्रकोप रह सकता है, जिसके लिए हमने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। झारखंड में भी हीटवेव की संभावना है। कुमार ने कहा, 'ओडिशा के लिए दो दिन का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके बाद अनुमान है कि तापमान में थोड़ी गिरावट हो सकती है। दो दिन के कमी के बाद फिर ओडिशा में गर्मी की स्थिति होगी। बिहार में आने वाले पांच दिनों में लू की स्थिति बने रहने की उम्मीद है। हमने पांच दिनों के लिए अलर्ट जारी किया है। रात और सुबह का तापमान सामान्य से अधिक है। झारखंड में भी गर्मी की कुछ संभावना है। अगर दक्षिण प्रायद्वीपीय की बात करें तो वहां लू का कोई अनुमान नहीं है, लेकिन हमारे द्वारा दी गई चेतावनी 'गर्म और आर्द्र' के लिए है और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक है। केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के लिए हमने अगले चार-पांच दिनों के लिए 'गर्म एवं आर्द्र' चेतावनी जारी की है।

आईएमडी दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक ने राजधानी के मौसम के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'दिल्ली में हमारा अनुमान है कि आने वाले दो-तीन दिनों में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। इसके बाद इसमें धीरे-धीरे एक-दो डिग्री की वृद्धि हो सकती है और इसके साथ ही कल हल्की बारिश की संभावना है। फिलहाल पूर्वी भारत की बात करें तो एक-दो स्टेशनों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। अगले चार-पांच दिनों में, पूर्वी भारत में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है और उत्तर-पश्चिम भारत में इसके 40 या 41 डिग्री सेल्सियस से अधिक होने की कोई उम्मीद नहीं है।

सारण लोकसभा क्षेत्र से पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी के खिलाफ उतरीं रोहिणी आचार्य

लालू यादव की बेटी रोहिणी ने सुंदर कांड की पंक्तियों को बदल नीतीश पर साधा निशाना

केटी न्यूज/पटना

रामचरितमानस की पंक्तियों पर पिछले साल तत्कालीन महागठबंधन सरकार में राष्ट्रीय जनता दल कोटे के शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर लगातार आपत्तियां कर रहे थे। अब राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की बेटी ने उसी रामचरितमानस की पंक्तियों का इस्तेमाल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जवाब देने के लिए किया है। सारण लोकसभा क्षेत्र से पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी के खिलाफ उतरीं रोहिणी आचार्य ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निजी हमले के लिए मानस के सुंदर कांड की पंक्तियों को बदल डाला है। उन्होंने पंक्तियां बदलते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और पत्नी पर निशाना साधा है। रोहिणी आचार्य के सोशल मीडिया पोस्ट की इन पंक्तियों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उस बयान का जवाब माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने लालू प्रसाद यादव को बहुत सारे बच्चे जन्म देने



और पत्नी-बच्चों को कुर्सी सौंपने पर आपत्ति जताई थी। लालू प्रसाद यादव को अपनी किडनी दान कर उन्हें जीवनदान देने वाली बेटी रोहिणी आचार्य अब औपचारिक तौर पर राजनीति में कूद गई हैं। वह राजनीति में नहीं थीं, तब भी लालू के विरोधियों पर हमले के लिए जानी जाती थीं। बिहार में चल रही महागठबंधन सरकार के गिरने की आशंका भी रोहिणी के सोशल मीडिया पोस्ट से ही सही हुई थी, जब उन्होंने सीधे सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला था। इस बार चुनाव में उतरीं रोहिणी ने कुछ देर पहले सोशल मीडिया पर लिखा है- जहां सुमति तहां पूत - यश और कर्म गुणवाना। जहां कुमति तहां पूत-परिवार पर विपत्ति निधाना। रोहिणी ने चूंकि रामचरितमानस के सुंदर कांड के दोहे को बदल डाला है, इसलिए इसका सीधा अर्थ किसी किताब में नहीं मिल सकता है। जहां तक भाव का सवाल है तो कर्मकांड के जानकार पंडित कहते हैं कि शायद उनका आशय यह होगा- सद्बुद्धि के कारण पूत (पुत्र), यश (धन-वैभव-पहचान), कर्म (सुखी संपन्न परिवार) और गुण (प्रगति के पथ पर अग्रसर) लालू परिवार को मिला है। दूसरी ओर चूंकि कुमति के कारण पूत, परिवार पर विपत्ति है। संभवतः नीतीश कुमार के बेटे और मृत पत्नी को लेकर यह बातें कही गई हैं, जब नीतीश एनडीए में थे तो लालू परिवार से ऐसी बात सामने आयी थी।

मुझे देखकर एनडीए प्रत्याशी को वोट करिए :संजय सिंह

बांका। बांका के रजौन प्रखंड में बिहार प्रदेश जदयू उपाध्यक्ष सह एमएलसी संजय सिंह ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तेजस्वी कहता है कि हमने 5 लाख नौकरी दी है। वह 9 वीं पास है उसको बुझाता नहीं है कुछ। इतना दिन माता-पिता का शासन था तो काहें न नौकरी दे दिए। अरे समझिए तो हमलोगों ने 17 महीना उसको नौकरी दे दिए थे। फिर नौकरी से निकाल दिए जाओ, हेलीकॉप्टर पर घूमो। उन्होंने राजपूत समाज के साथ बैठक कर जंगल राज को याद दिलाया। उन्होंने कहा जब हम लोगों को आरक्षण मिला तो राजद का सबसे ज्यादा छाती फटने लगा। उस समय यही जयप्रकाश नारायण यादव ने आरक्षण का विरोध किया था। राजपूत समाज को गोलबंद करने करने को लेकर प्रखंड अंतर्गत सैदपुर सिंगरपुर गांव में राजपूत समाज के साथ बैठक की। इसके पूर्व राजपूत समाज द्वारा संजय सिंह का फूलमाला पहनाकर और बुके देकर खूब स्वागत किया।

बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह की तबीयत बिगड़ी, बेऊर जेल प्रशासन ने आईजीआईएमएस में करवाया भर्ती

केटी न्यूज/दरभंगा

पूर्व विधायक और बाहुबली अनंत सिंह की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बेऊर जेल के डॉक्टरों की सलाह पर उन्होंने आईजीआईएमएस में भर्ती करवाया गया है। पुलिस अभिरक्षा में अनंत सिंह का इलाज चल रहा है। दरअसल, पूर्व विधायक की जेल में अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें पेट में काफी दर्द हो रहा था। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जांच में पेट से जुड़ी कुछ बीमारी की बात सामने आई है। आईजीआईएमएस के डॉक्टरों की टीम पूर्व विधायक का इलाज कर रही है। जेल प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, अनंत सिंह को पहले से बीपी और डायबिटीज है। कुछ दिन पहले उन्हें तेज बुखार भी हुआ था। पेट से जुड़ी समस्या की शिकायत उन्होंने जेल प्रशासन से की। इसके बाद उन्हें जेल अस्पताल में भर्ती करवाया। जांच के बाद जेल अस्पताल के डॉक्टरों बेहतर इलाज के लिए पटना के आईजीआईएमएस में भर्ती करवाया। कड़ी सुरक्षा में बीच आईजीआईएमएस में अनंत सिंह का इलाज चल रहा है। विदित हो कि छापेमारी के दौरान बाहुबली नेता के आवास से एके-47 और हैंड ग्रेनेड सहित कई आपत्ति जनक सामग्री मिली थी। इसी



मामले में अनंत सिंह को दस साल की सजा हुई है। साथ ही अनंत सिंह के नौकर को भी दस साल की सजा सुनाई गई है। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष जज त्रिलोकी नाथ दुबे की अदालत ने विधायक और एक अन्य अभियुक्त को 10-10 साल की सजा सुनाई है। वहीं दूसरी ओर विधानसभा से लेकर लोकसभा के चुनावों में अनंत सिंह की अहम भूमिका मानी जाती है। उनका अपने क्षेत्र सहित जाति विशेष पर अपनी मजबूत पकड़ है। वह किसी भी प्रत्याशी के समीकरण को आसानी से बिगाड़ सकते है।

सड़क हादसे में एक्टर पंकज त्रिपाठी के बहनोई की मौत

गोपालगंज। सड़क हादसे में बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी के बहनोई राजेश तिवारी की मौत हो गई है। जबकि उनकी बहन गंभीर रूप से जख्मी हो गई है। उनकी हालत चिंताजनक बतायी जा रही है। पंकज त्रिपाठी के बहन-बहनोई की स्विफ्ट कार से निरसा (धनबाद) में भीषण दुर्घटना की शिकार हो गई थी। हादसे में पंकज त्रिपाठी के बहनोई राजेश तिवारी की मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल बहन सरिता तिवारी को सर्जिकल आईसीयू में भर्ती कराया गया। सरिता तिवारी की कमर और सिर में गंभीर चोटें लगी हैं। इन्हें कोलकाता रेफर कर दिया गया है। राजेश खुद कार चला रहे थे, जबकि सरिता अगली सीट पर बैठी थी। इसी दौरान एक महिला जीटी रोड को पार करने की कोशिश में थी। उसी महिला को बचाने के क्रम में राजेश तिवारी कार से नियंत्रण खो बैठे। नतीजा, तेज रफ्तार कार डिवाइडर पर जा चढ़ी और हादसा हो गया। बरौली थाना क्षेत्र के कमालपुर गांव निवासी राजेश तिवारी इकलौती संतान थे। जो पेशे से चित्तरंजन रेलवे स्टेशन पर ग्रुप डी में कार्यरत थे। उनके मां और पिता गोपालगंज स्थित आवास पर ही रहते हैं। जबकि पत्नी सरिता तिवारी वेस्ट बंगाल के दुर्गापुर में सरकारी शिक्षिका है। एक बेटी और एक बेटा है। बेटा दीपतांशु तिवारी बीटेक कर चुका है। वर्तमान में गायकी के क्षेत्र में है। राजेश तिवारी की दोनों संतान अपने मामा पंकज त्रिपाठी के पास रहते हैं। राजेश अक्सर परिवार के साथ गोपालगंज अपने पैतृक आवास पर पहुंचते थे।

अगलगी की घटना में 17 घर जलकर राख

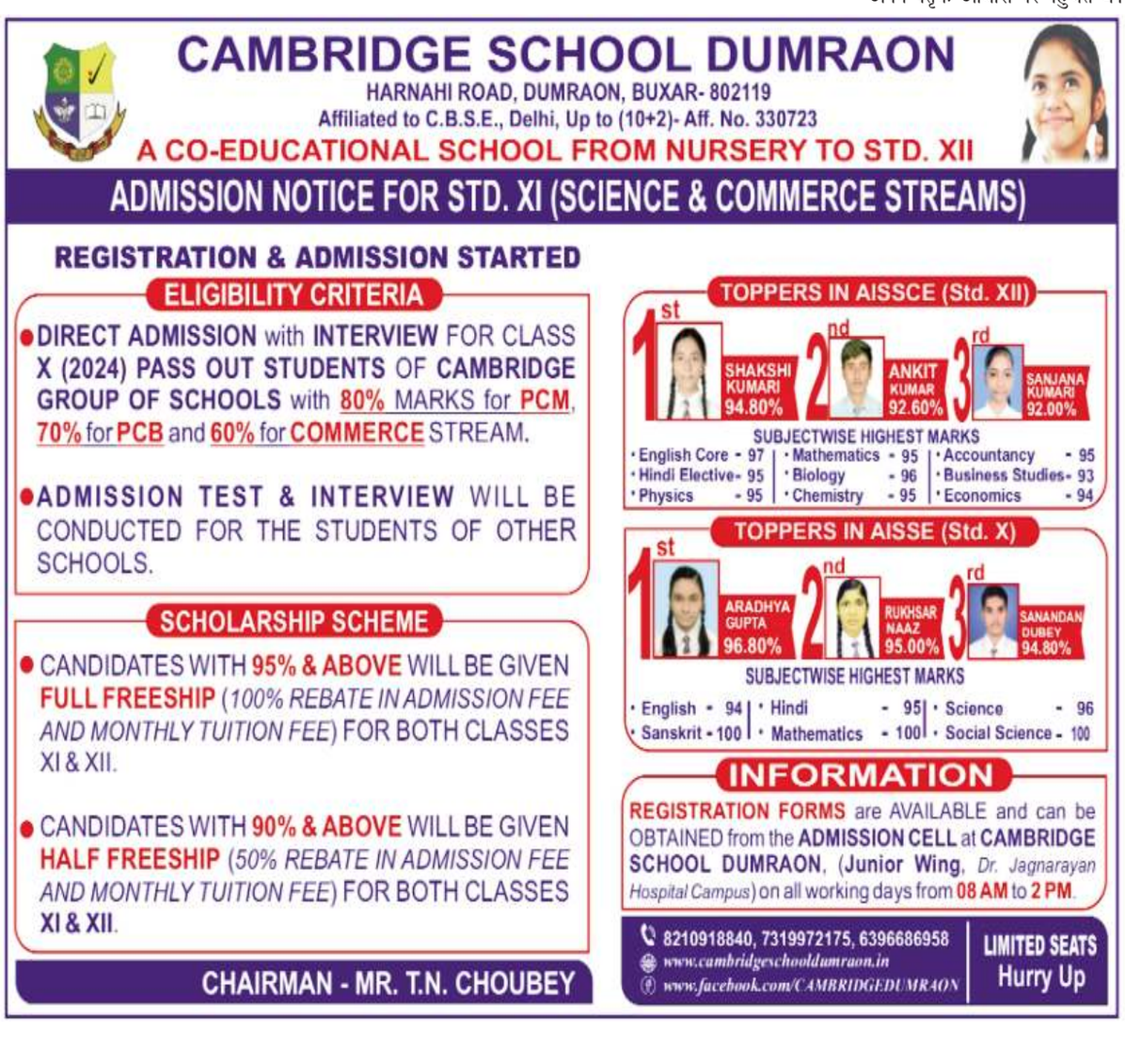
सुपौल। सुपौल के मरौना अंचल क्षेत्र के सरोजाबेला पंचायत के वार्ड 5 स्थित बेलहा गांव में भीषण आग लगी की घटना में एक दर्जन से अधिक परिवारों के 17 घर सहित लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई है। सरोजाबेला पंचायत के मुखिया अशोक यादव ने बताया कि अग्निपीड़ित में शामिल बाबूलाल यादव के घर से आज उनके बेटे की शादी के लिए बारात जाने की तैयारी चल रही थी। वही इस घटना में शादी के लिए खरीदे गए सारा सामान भी जलकर राख हो गए। लोग घटनास्थल के पास सैकड़ों लोग बाल्टी व अन्य बर्तन लेकर पहुंचे।











डीएम एसपी को ईवीएम, वीवीपैट, बज्रगृह आदि के संबंध में दिया महत्वपूर्ण निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल व एसपी मनीष कुमार के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग कर लोक सभा आम चुनाव 2024 की तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला पदाधिकारी तथा एसपी से इलेक्ट्रॉल रोल, रेंडमाइजेशन, पोस्टल बैलट, इवीएम प्रशिक्षण, इवीएम बज्रगृह, मतदान केंद्र पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं (एएमएफ), आदर्श आचार संहिता (एमसीसी), अभ्यर्थी व्यय अनुश्रवण, अर्धसैनिक बलों की तैनाती, शिकायत निवारण सहित अन्य बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने डीएम एसपी से लोकसभा चुनाव से संबंधित किए गए अबतक के कार्यों की विस्तार से जानकारी ली तथा संतोष जताया। डीएम ने बताया कि चुनाव संबंधित सभी तैयारियां पूरी की जा रही है। बूथों का भौतिक सत्यापन, कर्मियों का प्रशिक्षण, सभी विधानसभा क्षेत्रों में डिस्पैच सेंटर का चयन, बूथों तथा डिस्पैच सेंटरों पर मुलभूत सुविधाओं की बहाली आदि युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा है। वही मतदाता जागरूकता अभियान भी कई स्तरों पर चलाया जा रहा है। डीएम ने बताया कि जिले में आदर्श आचार



संहिता का सख्ती से पालन कराया जा रहा है तथा हर दिन विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान के अलावे रैंडम जांच, छापेमारी आदि की जा रही है। एसपी ने भी पुलिस की तैयारियों तथा कवायदों से राज्य निर्वाचन पदाधिकारी को अवगत कराते हुए कहा कि सभी थानों को लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अलर्ट किया गया है। इसके अलावे यूपी से सटे सीमा वाले थानाध्यक्षों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। सीमावर्ती इलाकों में यूपी पुलिस के साथ मिलकर अपराधियों की गिरफ्तारी, शराब तस्करी पर लगाम लगाने तथा नोटों के ले जाने व ले आने पर रोक लगाने व अन्य मॉदक पदार्थों की तस्करी रोकने का काम किया जा रहा है। वही सभी थाना क्षेत्रों में हर दिन वाहन चेकिंग अभियान शराब व मॉदक पदार्थों के साथ ही नोटों की ढुलाई की पड़ताल की जा रही है। अबतक पुलिस को इस मामले में बड़ी सफलताएं भी मिली है। जबकि फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। फरार वार्रटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। आदर्श आचार संहिता का पालन कराने में भी पुलिस तत्पर है। इसके अलावे विभिन्न थाना क्षेत्रों में फ्लैग मार्च कर लोगों को भयमुक्त माहौल में मतदान करने की अपील की जा रही है। वीडियों कांफ्रेंसिंग में राज्य निवार्ची पदाधिकारी ने कई बिंदुओं पर डीएम-एसपी का ध्यान आकृष्ट कराया।

एक नजर

स्कार्पियो के धक्के से बाइक सवार जख्मी

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के एनएच 922 पर नुआंव गांव के समीप बाइक सवार युवक को तेज गति से आ रही स्कार्पियों ने टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक गम्भीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के बाद ग्रामीणों के सहयोग से जख्मी युवक को स्थानीय बाजार के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मिली जानकारी के अनुसार औद्योगिक थाना क्षेत्र के बरुना गांव निवासी राज कुमार पासवान के 28 वर्षीय पिंटू कुमार ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के कुआंवन गांव से बाइक पर सवार होकर एनएच 922 के रास्ते अपने गांव बरुना जा रहा था कि नुआंव गांव के समीप पीछे से तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार युवक जख्मी हो गया। घटना की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उसे बेहतर इलाज के लिए लेकर हायर सेंटर चले गए है। इधर दुर्घटना को अंजाम दें स्कार्पियो चालक अपना वाहन लेकर फरार हो गया है। क्षतिग्रस्त बाइक को पुलिस ने जप्त कर लिया है। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन का पता लगाया जा रहा है। गौरतलब है कि एनएच 922 पर आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही है।

परशुराम जन्मोत्सव पर निकलेगी शोभायात्रा



बक्सर। भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सनातन सेवा संस्थान द्वारा 10 मई को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। रविवार को कार्यक्रम निर्धारण के लिए शहर के एक निजी होटल में समस्त सनातनियों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्व सम्मति से व्यवसायी सह समाजसेवी प्रकाश पाण्डेय को कार्यक्रम का अध्यक्ष चुना गया और कार्यक्रम के रूपरेखा पर विचार किया गया। प्रारंभिक तौर पर यह तय हुआ की भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर बाईक एवं पैदल शोभायात्रा सह नगर भ्रमण किया जाएगा। यह आयोजन शाम चार बजे रामलीला मंच किला मैदान से प्रारंभ होगी। शोभायात्रा रामरेखा घाट होते हुए मुनीम चौक, यमुना चौक, ठठेरी बाजार, सत्यदेवगंज होते हुए पुनः किला मैदान रामलीला मंच पहुंच संपन्न होगी। शोभा यात्रा में हजारों लोगों को शामिल करने पर सहमति बनी। तय किया गया कि भगवान परशुराम की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की समाप्ति के बाद रामलीला मंच पर ही श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद बांटा जाएगा। इससे पहले रविवार 28 अप्रैल को भी एक बैठक का आयोजन किया जाएगा। जिसमें अंतिम रूप से तैयारी तथा इसे अमलीजामा पहनाने की रूपरेखा बनाई जाएगी। बैठक में उपेन्द्रनाथ पाण्डेय, राजेश चौरसिया, इंद्रजीत चौबे, प्रकाश पाण्डेय, राघव कुमार पाण्डेय, कृष्णदेव सिंह, पंकज उपाध्याय, राजेश कुमार, रितेश रंजन उपाध्याय, प्रह्लाद मिश्र, मुकुंद सनातन, अरुण उपाध्याय, पप्पू पाण्डेय, संतोष उपाध्याय, ओमप्रकाश ओझा, सरोज तिवारी, बसंत चौबे, तपेश्वरनाथ चौबे इत्यादि लोग शामिल थे।

कर्तव्य का करें पालन: श्रीनिवासजी महाराज

केसठ। प्रखंड के दंगौली गांव स्थित राम जानकी मंदिर के 71 वें वार्षिकोत्सव के दुसरे दिन के कार्यक्रम में श्री निवास जी महाराज ने कहा कि भगवान राम का जन्म राक्षसों के संहार के लिए हुआ है। मानस में राम जन्म के पांच मूल आधारों की गोस्वामी तुलसीदास जी ने चर्चा की है। श्री श्रीनिवास जी महाराज ने कहा कि हमें अच्छी संगति करनी चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि मानव को अपने जीवन में कर्तव्य का पालन करना चाहिए और समस्त कार्य मयार्दा के साथ एवं नियमपूर्वक करना चाहिए। ताकि परिवार व समाज संस्कारित हो सके। भगवान राम का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि मयार्दा की रक्षा करने के लिए राम ने वनवास स्वीकारा। उन्होंने ने कई प्रसंगों के जरिये लोगों को अपनी कथा का मर्म समझाने का प्रयास किया। वहीं व्यवस्थापक रामकिंकर सिंह उर्फ भिखारी सिंह के नेतृत्व में तीन दिनों तक चलने वाला वार्षिकोत्सव छठियार के रूप में रविवार को दुसरा दिन रहा। उन्होंने बताया कि सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चारण व हवन पूजन और भंडारा के साथ संपन्न होने जा रहा है।

खबरें फटाफट

राज्यस्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता आज से

चौसा। चौसा में सोमवार से दो दिवसीय राज्य स्तरीय महिला व पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता शुरू हो रही है। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। यह प्रतियोगिता चौसा यादव मोड़ स्थित माता इंद्राणी कॉलेज परिसर में आयोजित हो रहा है। दो दिवसीय राज्य स्तरीय सिनि यर फेडरेशन चौम्पियनशिप एवं सब जूनियर बिहार राज्य स्तरीय महिला एवं पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता के तहत राज्य के विभिन्न जिलों के करीब 500 महिला व पुरूष पहलवान इस राज्यस्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में दांव पेंच आजमाएंगे। इसको लेकर बक्सर कुश्ती संघ के सचिव व कुश्ती के अंतरर्राष्ट्रीय खिलाड़ी विकास राज ने बताया कि इस प्रतियोगिता की तैयारी पूरी कर ली गई हैं। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले पहलवानों के ठहरने तथा उनके भोजन पानी की अच्छी व्यवस्था की गई है। वहीं दूसरी ओर इस प्रतियोगिता आये पहलवानों का दांव पेंच देखने के लिए स्थानीय लोग भी इंतजार में है। उन्होंने बताया कि चौसा में राज्य कुश्ती प्रतियोगिता एक ऐतिहासिक खेल कार्यक्रम होगा तथा इसमें होनहार कुश्ती के खिलाड़ियों को अपने दम खम व कौशल के प्रदर्शन का बेहतरीन मंच मिलेगा।

तीन ओवरलोडिंग ट्रकों को पुलिस ने पकड़ा

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग 120 स्थित थाना गेट के समीप रविवार की रात ओवरलोडिंग ट्रकों के खिलाफ अभियान चलाया। इस अभियान में तीन ओवरलोडेड ट्रकों को पुलिस ने पकड़ा। इसकी पुष्टि प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष अनीशा राणा ने किया। उन्होंने बताया कि पकड़े गये ट्रकों की सूचना संबंधित अधिकारी को दी गयी हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से बालू लदें ट्रक के चालकों के बीच हड़कंप मच गया।

नामजद ने विवाद में की युवक की पिटाई

डुमरांव। थाना क्षेत्र के नंदन गांव में एक नामजद द्वारा विवाद को लेकर एक युवक की पिटाई करने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में पीड़ित नंदन गांव निवासी विश्वामित्र महतो ने अपने ही गांव के परमेश्वर यादव के खिलाफ मारपीट कर जख्मी किये जाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया हैं। पुलिस मामले को दर्ज कर जांच-पड़ताल में जुट गयी है। वहीं इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है।

विकराल हुआ मौसम, लू के चपेट में आकर बीमार पड़ रहे लोग

लू का कहर, एक दर्जन मरीज अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती

- लू लगने सबसे अधिक बीमार पड़ रहे बच्चें और महिलाएं

केटी न्यूज/डुमरांव

भीषण गर्मी और लू से जनजीवन काफी प्रभावित हो गया है। इसकी चपेट में आने से लोग बीमार पड़ रहे हैं। मरीज के ज्यादा बीमार पड़ने पर अस्पताल में भर्ती करना पड़ रहा है। रविवार को अनुमंडलीय अस्पताल में लू से ग्रसित लगभग एक दर्जन मरीज को भर्ती किया गया था। बीमार मरीजों में अधिकांश महिलाएं और बच्चें थे। चिकित्सक द्वारा सभी को इलाज कर पानी चढ़ाया जा रहा था। बता दें की लगभग दस दिनों से लू की रफ्तार काफी तेज हो गई है। इससे जन जीवन काफी प्रभावित हो गया है। सुबह दस बजे के बाद रोड पर लोगों का आवागमन कम हो जाता हैए फिर संध्या पांच बजे के बाद लू की रफ्तार कुछ कम पड़ती है तो लोग बाहर निकलने लगते हैं। बच्चे इसकी परवाह किए बगैर बाहर निकल पड़ते हैं और लू की चपेट में आ जाते हैं। इसी तरह घर की महिलाएं भी घरेलू कार्य करने के लिए समय का इंतजार किए बगैर काम पर निकल पड़ती हैं और लू की चपेट में आ जाती हैं। रविवार को अनुमंडलीय अस्पताल में लगभग एक दर्जन मरीज लू से पीड़ित भर्ती थे। सभी लूज मोशन के शिकार थे। लूज मोशन से शरीर में



पानी की कम हो जाती है। शरीर में पानी की कमी हो जाने से उन्हें स्लाइन के माध्यम ग्लूकोज पानी चढ़ाया जा रहा था। साथ ही जरूरी दवा भी दी जा रही थी। लू के शिकार मरीज अभिभावक घबड़ाए हुए थे। सभी को स्टाफ और चिकित्सक समझा बुझाकर शांत कर रहे थे। इस संबंध में जब अनुमंडलीय अस्पताल के डीएस डाए गिरीश कुमार सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया की एक सप्ताह से लू से पीड़ित मरीज अस्पताल में पहुंच रहे हैं। कुछ को इलाज कर दवा देकर छोड़ दिया जा रहा है। जो अधिक अक्रांत मरीज होते हैं, उन्हें भर्ती किया जा रहा है। उन्होंने बताया लू लगने का मुख्य कारण खाली पेट बाहर निकलना और रहना है। इस समय काफी तेज पछुआ हवा चल रही हैए जो लू का मुख्य कारण है। सुबह 9 बजे से पहले बाहर का काम लोगों को कर लेना चाहिए।

अनुमंडलीय अस्पताल में लगा वाटर कूलर

डुमरांव। अनुमंडलीय अस्पताल में लगभग एक माह से लोग बाहर से पानी खरीद पीने पर मजबूर थे। अस्पताल में वाटर टंकी से पानी की जो आपूर्ति होती हैए वो काफी गर्म रहता है। ऐसे में कोई नल का पानी नहीं पीता था। मरीज हो या उनके अभिभावक सभी ठंढे बोतल का पानी खरीद कर पीने पर मजबूर थे। कूलर वाटर रविवार को अनुमंडल अस्पताल में लग जाने से मरीज और उनके स्टाफ में खुशी तो था ही स्टाफ भी काफी खुश थे। विदित हो क डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में प्रतिदिन लगभग तीन सौ मरीजों का ओपीडी में इलाज होता है। मरीज के साथ अभिभावक भी रहते हैं। अस्पताल में आने के बाद सभी को गर्म पानी पीने पर मजबूर होना पड़ता था। जो नहीं पीते थे वो बाहर से ठंढा बोतल का पानी खरीद कर पीते थे।



सबसे परेशानी गरीब मरीजों को थी। बेचारों के पास पैसा नहीं रहने पर ठंढे पानी के लिए भटकना पड़ रहा था। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि कूलर वाटर नल की अस्पताल में कितनी आवश्यकता थी। नल को ऐसी जगह पर लगाया गया है कि भर्ती मरीज हो या ओपीडी में इलाज के लिए आया मरीज हो सभी की निगाह वहां पड़ सकती है।

चीन में भारी बारिश की चेतावनी, सदी की सबसे बड़ी बाढ़ आने की आशंका

चीन। चीन में सोमवार (22 अप्रैल) को भारी बारिश और बाढ़ आने की संभावना है। चीन के राष्ट्रीय मौसम विभाग के मुताबिक 21 अप्रैल की शाम को साउथ चीन के तटीय क्षेत्रों से एक तूफान टकरा सकता है। इस तूफान को लेकर चेतावनी जारी कर दी गई है।मौसम विभाग को आशंका है कि इस तूफान के कारण चीन में सदी की सबसे बड़ी बाढ़ आ सकती है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बाढ़ के कारण 12 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। गुआंग्शी के हेझोउ शहर में 65 भूस्खलन की घटनाएं हो चुकी हैं। 18 अप्रैल से चीन के गुआंग्डोंग शहर में मूसलाधार बारिश हो रही है, जिससे पर्ल रिवर डेल्टा पानी से भर गया है। कई रिहायशी इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है और एक मंजिला तक घर डूब गए हैं। सरकार ने हालत ठीक होने तक समुद्री इलाकों में जाने पर रोक लगा दी है। साउथ चीन की सबसे मुख्य बेई नदी उफान पर है, यहां सोमवार तक रिहायशी इलाकों में 19 फीट ऊपर तक पानी भर सकता है।चीन के किंगयुआन शहर में शनिवार (20 अप्रैल) रात 8 बजे से लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। तूफान को देखते हुए 20,000 लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा जा चुका है। इमरजेंसी सेवाएं अलर्ट मोड़ पर हैं।यहां हर 50 साल में एक बार ऐसी बाढ़ आती है। गुआंग्डोंग में प्रशासन इमरजेंसी मोड की तैयारी में है। इसके अलावा जियांग्शी और फुजियान में भी आज भारी बारिश की संभावना है। तूफान का असर झाओकिंग, शोगुआन, किंगयुआन और जियांगमेन शहरों पर भी दिखने लगा है। यहां 12 घंटों से भारी बारिश हो रही है। झाओकिंग के पूरे शहर में बिजली गायब है।

होमियोपैथ के जनक हैनीमैन की मनाई गई जयंती, होमियोपैथ फर्स्ट एड किट का हुआ वितरण

- दिव्य भारत ट्रस्ट और डॉ एसएन सिंह द्वारा होमियोपैथ फर्स्ट एड किट हुआ वितरित

केटी न्यूज/बक्सर

नगर के बाईपास रोड स्थित मल्टी ब्रिकेट रिसोर्स के सभागार में दिव्य भारत ट्रस्ट के तत्वावधान में हैनीमैन की जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहासकार दीपक राय ने की। वहीं स्वागत भाषण ई अरूण कुमार ओझा ने दिया। जिसमें दिव्यभारत ट्रस्ट के द्वारा किये जा रहें समाजिक हित के कार्यों के बारें चर्चा किये। मंच संचालन आरा निवासी शिक्षक सह उद्घोषक मनोज सिंह ने किया। कार्यक्रम में कई विद्वानों ने अपने विचार रखे। कन्हैया मिश्रा ने अपने संबोधन में बताया कि विगत कुछ वर्षों में होमियोपैथी का चमत्कार देखने का मौका मिला। डॉ आफताब आलम ने होमियोपैथी पर बढ़ रही विश्वसनीयता को लेकर चर्चा की। वहीं इस पैथी के विस्तार हेतु सहयोग की बात कही। डॉ आशुतोष ने बताया



कि आज तक इसे टिके रहने का मतलब ही है इसकी जादुई शक्ति है। समारोह के मुख्य वक्ता होमियोपैथी के वरीय चिकित्सक डॉ. एसएन सिंह जिन्हें बक्सर कोरोना वैरियर के नाम से भी जानता है। इन्होने होमियोपैथी को एलोपैथी की कोख से पैदा हुई अत्याधुनिक पैथी बताया। श्री सिंह ने बताया कि चूंकि इस पैथी की औषधियों की प्रूविंग मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ्य मनुष्यों पर हुई।

छेरा नदी के पास मिली विक्षिप्त युवक की लाश

नावानगर। स्थानीय थाना के वैना गांव के दक्षिण बधार में गोरेया बाबा के पास छेरा नदी से एक युवक का शव बरामद हुआ है। युवक की पहचान केसठ निवासी गोपाल तिवारी के रूप में हुई है। युवक विक्षिप्त था जो इधर उधर से मांग कर खाता पिता था। वैना के ग्रामीणों ने बताया कि देर शाम पांच बजे के करीब घूमने जा रहे लोगो ने देखा.जिसकी सूचना स्थानीय थाना को दिया गया। इसकी पुष्टि करते हुए नावानगर थानाध्यक्ष ने बताया कि शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई है जिसे लाने का प्रयास किया जा रहा है पुलिस बल को घटनास्थल पर भेज दिया गया है। देखने से अनुमान लगाया जा रहा है की लू लगने से विक्षिप्त की मौत हो गई होगी।

गेहूं के डंठल में लगी आग, चारों ओर छाया धुआं-धुआं

केटी न्यूज/केसठ

रविवार को दोपहर के आसपास रामपुर स्थित ताल बाधार में गेहूं की डंठल में आग लग गई। आग विकराल रूप धारण कर लिया आग की लपटे इतनी तेज थी कि सिद्धिपुर के बाधार, खड़गपुरा गांव के बधार होते हुए बैजनाथपुर के बाधार तक पहुंच गई। कट चुके गेहूं के खेत में पड़े डंठल में आग पकड़ने के चलते एक-एक खेत से होते हुए लगभग सैकड़ो बीघे खेत के डंठल जल गया। हालांकि गेहूं कट जाने से ज्यादा अनाज का नुकसान तो नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार इस आग लगी की घटना में खेत में खड़े व खेत में रखे गेहूं की बोझ, कई लोगों का बगीचे, बोरिंग पर लगे पलानी, एग्रीकल्चर से मिला हुआ पाइप आदि आग के हवाले हो गया। पूरे इलाके में आग की दहशत फैल



गई। धुएं का गुब्बार पूरे इलाके में फैल गया। ग्रामीणों द्वारा आगलगी की सूचना प्रखंड विकास पदाधिकारी मिथिलेश बिहारी वर्मा व एसडीओ डुमरांव को दी गई। लेकिन, कई जगह आगलगी की घटना होने से समय पर आग्निशमक गाड़ी समय पर नही भेजी जा सकी। ग्रामीणों द्वारा पेड़ की डाली, झाड़ी, डंडे आदि से किसी तरह आग बुझाने का प्रयास किया गया। लेकिन ऊपर से तेज धूप पछुआ हवा के साथ आग इतना विकराल था कि पास कोई पहुंच ही नहीं पाते। काफी प्रयास व मेहनत के बाद कुछ आग पर काबू पाया गया। इधर तबतक एसडीओ द्वारा बिजली सप्लाई चालू कराकर मोटर चला ग्रामीणों से आग पर काबू पाने की अपील की गई। उसके बाद एक अग्निशमन गाड़ी पहुंची। वही सूचना के एक घंटे बाद घटना स्थल पर डंठल में लगी आग को बुझाने के लिए फायर बिग्रेड की गाड़ी व ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। इसके बाद लोगों और प्रशासन ने राहत की सांस ली।

केशव टाइम्स की खबर पर एसडीओ की जांच रिपोर्ट ने लगाई मुहर, मजदूरों को न्यूनतम भी नहीं मिलती

अनुमंडलीय अस्पताल में सफाई के नाम पर घोटाला उजागर, 22 के बदले 13 मजदूर करते है काम

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडलीय अस्पताल में सफाई के नाम पर वर्षों से मोटी रकम का घोटाला हुआ है। मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी से कम भुगतान, उनके ईपीएफ कटौती का कोई हिसाब नहीं होने तथा कागज में 22 मजदूरों के भुगतान के बावजूद मात्र 13 सफाईकर्मियों की सेवा लेने, सफाईकर्मी अर्जुन कुमार यादव से सफाई के बदले सुपरवाईजर का काम लेने तथा उसके द्वारा सफाईकर्मियों को फटकार लगाने जैसे आरोपो की पुष्टि एसडीओ राकेश कुमार के जांच में हुई है। इस मामले में डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह के जांच के बाद केशव टाइम्स ने छह फरवरी 2024 के अपने अंक में डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में 1.70 करोड़ का घोटाला शीर्षक से खबर प्रकाशित कर शासन प्रशासन का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया था। इसके बाद 16 मार्च 2024 को अपर समाहर्ता विभागीय जांच व डुमरांव एसडीओ ने इन आरोपों की संयुक्त


मंगलवार केशव टाइम्स
6 फरवरी 2024
आपकी आवाज
मरांव अनुमंडलीय अस्पताल में सफाई के नाम पर 1 करोड़ 70 लाख का घ

रूप से जांच की थी। जांच के दौरान अस्पताल के हेल्थ मैनेजर अनुपस्थित थे। वही रोस्टर के मुताबिक अस्पताल में चार डॉक्टरों की ड्यूटि थी, लेकिन इसके बदले मात्र दो डॉक्टर ही वहां मौजूद थे। वही मरीजों की लंबी लाईन लगी थी। कई मरीजों को टोकन नंबर नहीं मिला था। तब अस्पताल प्रबंधन ने बताया था कि इंटरनेट व भव्या ऐप के ठीक से काम नहीं करने के कारण मरीजों का टोकन नंबर नहीं मिल पा रहा है। जांच पदाधिकारियों ने डीएस डॉ. गिरीश कुमार सिंह से पूछा था कि जब भव्या ऐप काम नहीं करेगा तो आपके पास मरीजों के ईलाज के लिए क्या वैकल्पिक व्यवस्था है। इसका कुछ भी जबाव डीएस द्वारा नहीं दिया गया था। जाहिर है, उनके पास कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं थी। जाहिर है, ऐसे समय में यदि कोई इमरजेंसी मरीज आया होगा तो उसे समय से ईलाज नहीं मिल पाया होगा। वही सफाईकर्मियों ने बताया था कि उन्हें न तो समय से पैसा मिलता है और न ही न्यूनतम मजदूरी ही दी जाती है। किसी महीने 4500 तो किसी महीने 4700 रूपए का भुगतान होता है। जांच टीम ने सफाई एजेंसी एवेंटा ग्लोबल के खिलाफ भी अपनी रिपोर्ट दी है। अब देखना है कि जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद डीएम द्वारा इस मामले में क्या कार्रवाई की जा रही है।

चिराग की मां को गाली प्रकरण पर बरसे एनडीए प्रत्याशी, कहा...मर्यादा में रहना चाहिए

केटी न्यूज/बक्सर

लोकसभा चुनाव की तारीख जैसे - जैसे नजदीक आ रही वैसे - वैसे राजनीतिक गलियारों में तल्खियां बढ़ती जा रही हैं। प्रत्याशियों के द्वारा एक दूसरे पर वार - पलटवार का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में बक्सर लोकसभा सीट से एनडीए प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी ने तेजस्वी यादव द्वारा चिराग पासवान पर गाली देने वाले बयान पर जमकर बरसे। उन्होंने राजद पर सीधे प्रहार करते हुए कहा कि ये तो लाठी में तेल पिलाने वाले लोग हैं और ये सभी को गालियां बकते हैं ये सिर्फ मोदी जी और अमित शाह से डरते हैं। इनका बस चले तो ये किसी सिर फोड़ दें क्योंकि इनका यही स्वभाव है। उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू यादव को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वह तो सिर्फ हत्या और खून का बेहतर रिकार्ड देख टिकट का बंटवारा करते थे। मिथिलेश तिवारी ने कहा कि देश में मोदी दी और बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार में एक - एक अपराधी पर कार्यवाई हो रही है। चुनाव बीतने के बाद बक्सर में व्यवसायियों तथा महिलाओ को छेड़छाड़ करने वाले अपराधी या तो जमीन के अंदर होंगे।

धूमधाम से मनाई गई 24वें तीर्थकर भगवान महावीर की 2623वीं जयंती

♦ गाजे-बाजे के साथ निकाली गई आकर्षक शोभायात्रा

केटी न्यूज/गया

रविवार को जैन धर्म के 24वें तीर्थकर 1008 भगवान महावीर स्वामी का 2623वें जन्म कल्याण महोत्सव के अवसर पर जैन धर्मावलंबियों द्वारा धूमधाम से मनाया। महावीर जयंती के उपलक्ष्य पर पूरे शहर में गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल भक्त शोभा यात्रा में भगवान महावीर के जयकार लगाते हुए चल रहे थे। प्रभात फेरी में आगे प्रभु महावीर के अष्टधातु की प्रतिमा शोभायमान थी। पुरषों ने सफेद तो महिलाएं पीली साड़ी पहनकर शोभायात्रा में शामिल हुईं।

जैन धर्म के 24वें व अंतिम तीर्थंकर महावीर जी का जन्म चैत्र माह में शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन हुआ था। जैन संप्रदाय के लिए महावीर जयंती बहुत ही खास मानी जाती है। गया के दिगंबर जैन समाज की शोभायात्रा शहर के रमना रोड, पीर मंसूर, कलेक्ट्रेट, केदारनाथ मार्केट, जीबी रोड कोतवाली चौक, लहेरिया टोला, बजाजा रोड,शहीद रोड,टावर चौक, किरानी घाट होते हुए वापस जैन मंदिर में आकर संपन्न हुई। जैन मंदिर में परंपरानुसार भगवान



महावीर का महा मस्तकाभिषेक, शांति धारा का पाठ पूरे विधि विधान के साथ मंत्रोच्चारण पूर्वक किया गया। इस दौरान पूरे मंदिर परिसर में णमोकार महामंत्र का जाप भी किया गया। इसके बाद गुंबद शिखर पर ध्वज बंधन हुआ और सामूहिक ध्वज गीत गाया गया। जय महावीर त्रिशाला नंदन वीर के नारे से पूरा मंदिर गूंज उठा। समाज के लोगों ने भगवान महावीर के अहिंसा परमो धर्म जियो और जीने दो के बताए हुए मार्गों पर चलने का संकल्प किया। जैन समाज के बच्चों द्वारा भगवान महावीर के जीवन दर्शन पर आधारित संदेशो को पोस्टर के माध्यम से प्रसारित कर रहे थे।

इस पावन अवसर पर समाज के अध्यक्ष अजीत छाबड़ा, मंत्री हेमंत पाटनी, सहमंत्री अर्पित पाटनी, राजू गंगवाल, आशा सेठी, संतोषी गंगवाल, नीलम बड़जात्या, संध्या काला, अंजना जैन सहित बड़ी संख्या में जैन समाज मौजूद थी।

एक नजर

समाजसेवी व उद्योगपति के अनुज की श्रद्धांजली सभा आयोजित, व्यक्त की गई शोक संवेदना

नावानगर (बक्सर)। भारत प्लस एथेनॉल लिमिटेड कंपनी के सीएमडी अजय कुमार सिंह के बड़े भाई प्रगतिशील किसान शैलेश सिंह के आकस्मिक निधन को लेकर श्रद्धांजली सभा का आयोजन भोजपुर जिला के बखोरापुर गांव के निजी आवास में सम्पन्न हुआ।जहां श्रद्धांजली सभा की अध्यक्षता सीएमडी अजय कुमार सिंह ने किया।श्रद्धांजली सभा में दो मिनट का मौन रख मृतक की आत्मा की शांति की कामना की गई तो दूसरी तरफ श्रद्धांजली सभा में उपस्थित गांव के किसानों सहित सुदूर क्षेत्रों व दूसरे जिलों से आए किसानों ने किसानों के दर्द को बताया जहां वक्ताओं ने कहा कि सरकार के अड़ियल अधिकारियों की ढुलमुल नीति के कारण सरकार से किसानों को मिलने वाली सुविधाएं बीज खाद पानी में लूट खसोट व बंदर बाट पर गहरी चिंता जताते किसानों के असमायिक मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया गया। अपने प्रगतिशील किसान शैलेश सिंह की असामयिक मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते कहा कि ये मृतक किसान हमेशा सरकार के अड़ियल अधिकारियों द्वारा फसल की नकली बीज मिलने को लेकर काफी दुखी रहा करते थे और अपने खेतों को झांक काफी निराश भरी जिंदगी जीने को मजबूर हो गए थे।जिसके कारण इनकी असामयिक मृत्यु हुई है।बाद में उपस्थित किसानों सहित अन्य सभी ने शैलेश सिंह के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण करते फूल चढ़ाते उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।जहां शैलेश सिंह को आत्म बोधि किसान बताते अड़ियल अधिकारियों की इस ढुलमुल नीति पर अविलंब लगाम लगाने की मांग किसानों ने श्रद्धांजली सभा के माध्यम से कहते प्रत्येक वक्ताओं ने इस असामयिक मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया श्रद्धांजली सभा में मुख्य रूप से आरएसएस बिहार झारखंड के बौद्धिक प्रमुख राणा प्रताप सिंह, डॉ मोहन सिंह,आरा के मेयर इंदु देवी,प्रेम पंकज,भाजपा के जिलाध्यक्ष दुर्गा राज,आरा सांसद प्रतिनिधि धीरेंद्र कुमार,प्रेम रंजन चतुर्वेदी, बंटी शाही,राजद वरीय नेता सोनू राय,सुनील यादव,मनोज सिंह,बिहार पुलिस एशोसियेशन के अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह,पूर्व उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन,बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह,कंपनी के जीएम अजीत शाही, एके पाण्डेय, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।



रामचरित मानस संपूर्ण पाठ का समापन

नावानगर (बक्सर)। स्थानीय प्रखंड के पवरपुर गांव में मालती सिंह व रामदुलार सिंह की अगुवाई में चल रहे रामचरित मानस सम्पूर्ण पाठ का समापन किया गया। जहां पाठ की समाप्ति के बाद हवन पूजन भी किया गया और बड़े पैमाने पर भंडारा का आयोजन कर गांव सहित सुदूर क्षेत्रों से आए लोगों को खीर पूड़ी बुंदिया का प्रसाद खिलाया गया। इस दौरान मालती सिंह द्वारा गांव के गरीबों, असहायों सहित अन्य कुल 1हजार महिला पुरुष के बीच साड़ी, टी शर्ट और अंग वस्त्र का वितरण किया गया। जहां वितरण करते मालती सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से भक्तिमय माहौल से समाज सहित अन्य सभी वर्गों के लोगों का बौद्धिक विकास होता है आगे मालती सिंह ने कहा कि गरीबों असहायों व बुजुर्गों के बीच इस वितरण से बहुत बड़ी आत्मिक सुख मिलती है। मौके पर रामाशंकर सिंह,रामप्रवेश सिंह,सुरेंद्र सिंह,मंटू सिंह,पिंकी सिंह, लभली सिंह, पम्मी सिंह,सुजीत कुमार,संजीत कुमार,सत्यम कुमार,मनोज सिंह,बबलू सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।



खबरें फटाफट

आईएएस प्रेम कुमार चौहान को नोनिया संघ ने किया सम्मानित

नोखा (रोहतास)। नोनिया चौहान कर्मचारी संघ बिहार द्वारा



आईएएस डॉ. प्रेम कुमार चौहान को सम्मानित किया। जिन्होंने परीक्षा में सफलता प्राप्त रैक 130 रैंक लाया।

इस अवसर पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष सरयू चौधरी, संस्थापक शिवानंद चौधरी, संयोजक रामशरण चौधरी, प्रदेश महासचिव धर्मेन्द्र कुमार सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अरविंद कुमार, सचिव नन्द किशोर चौधरी, राष्ट्रीय चौहान महासंघ के प्रदेश सचिव अरूण कुमार चौहान, कोषाध्यक्ष डॉ. सरोज कुमार, औरंगाबाद जिला महासचिव रंजन कुमार चौहान सहित अन्य लोगों उन्हें सफलता पर बधाई दी।

पुलिस ने काटा 15 हजार का ऑनलाइन वाहनों से जुमार्ना

कराकाट (रोहतास)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर वरीय अधिकारियों के दिशा- निर्देश पर कछवां पुलिस लगातार वाहन चेकिंग अभियान थाना क्षेत्रों के सभी कस्बों में चला रही है । उसी क्रम में थानाध्यक्ष के नेतृत्व में थाना मोड़ के समीप पुलिस पदाधिकारी व जवान द्वारा बड़े व छोटे वाहनों की तलाशी सघन रूप से ली । उक्त थाना के पुलिस पदाधिकारी द्वारा हेलमेट , सीटबेल्ट , प्रदूषण जांच ,ड्राइविंग लाइसेंस ,ऑनर -बुक सहित अन्य विंदुओं पर बारीकी से तलाशी ली जा रही है। जांच के दौरान कुछ त्रुटियां पाए जाने वाले वाहन चालकों से पुलिस ने 15 रुपये का ऑनलाइन चालान काट सभी चालकों के वाहनों को मुक्त किया। इसकी जानकारी थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि वाहन जांच निरंतर चलते रहेगा।

पुलिस ने एक देसी कट्टा, ऑल्टो कार सहित मोबाईल को किया जब्त

गोली मार भाग रहे चार अपराधियों को ग्रामीणों ने दबोचा,दो फरार

♦ जख्मी युवक की हालत चिंताजनक, हुआ रेफर
♦ ग्रामीणों ने अपराधियों को गांव पहुंची पुलिस को सौंपा

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

एसडीपीओ बिक्रमगंज कुमार संजय ने रविवार को अपने कार्यालय कक्ष में घटना उद्भेदन को लेकर एक प्रेसवार्ता की। जिस में चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि विगत शनिवार की रात करीब 9 बजे बिक्रमगंज थाना को सूचना मिली कि मानपुर पंचायत के बलुआही गांव में कुछ अपराधी के द्वारा एक युवक को गोली मार दिया गया है। जिसमें से ग्रामीणों के द्वारा चार लोगों को पीछा कर पकड़ कर मारपीट किया जा रहा है तथा दो लोग वहां से भाग गए है । उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही बिक्रमगंज थाना की पुलिस के द्वारा ग्राम बलुआही जाकर ग्रामीणों के द्वारा पकड़े गए चारों लोगों को जख्मी हालत में अपने कब्जा में लेकर इलाज हेतु अस्पताल लाया गया। उन्होंने ने कहा कि ग्रामीणों से पता चला कि बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के मानपुर पंचायत के ग्राम बलुआही के भुअर ठाकुर उर्फ रंजन कुमार एवं उसके ममेरा भाई के



साथ आपसी विवाद था। जिसमें भुअर ठाकुर तीन लोगों को कार एवं दो लोगों को पल्सर बाइक से बुलाया था । उसी समय उमेश कुमार उम्र करीब 18 वर्ष पिता ललन साह उर्फ मंगरू साह साकिम बलुआही थाना बिक्रमगंज जिला रोहतास ऑनलाइन फॉर्म भरकर घर लौट रहा था। उसी दौरान लोगों के द्वारा गोली चलाया गया। जो गोली उमेश कुमार के दायां पंजरी एवं छाती में लग गया। जिस संदर्भ में जख्मी उमेश कुमार के भाई दिलीप कुमार पिता ललन साह ग्राम बलुआही के फर्द ब्यान पर बिक्रमगंज थाना में कांड संख्या 227/24 के आलोक में विभिन्न धाराओं में कांड दर्ज किया गया। साथ बताया फरार अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी में जुट गई है।

25 हजार के इनामी अपराधी को पुलिस ने दबोच भेजा जेल

बिक्रमगंज (रोहतास)। रविवार को बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने अपने कार्यालय कक्ष में प्रेसवार्ता करते हुए बताया कि शनिवार को थानाध्यक्ष सूर्यपुरा को सूचना मिली कि सूर्यपुरा थाना कांड संख्या 198/23 के आलोक में विभिन्न धाराओं के नामजद अभियुक्त धामा मिश्रा उर्फ प्रेमचंद्र मिश्रा उम्र करीब 40 वर्ष पिता जगदीश मिश्रा साकिम मधुकरपुर थाना दिनारा जिला रोहतास ग्राम डबरिया में आकर उक्त कांड के वादी एवं गवाह को डरा धमका रहा है। उन्होंने कहा कि उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई



हेतु सूर्यपुरा थाना के प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ज्योति कुमारी द्वारा एक टीम का गठन करते हुए ग्राम डबरिया स्थित राधे कृष्ण मंदिर के पास से नामजद अभियुक्त धामा मिश्रा उर्फ प्रेमचंद्र मिश्रा को एक देसी कट्टा एवं चार जिंदा कारतूस के साथ रंगेहाथों गिरफ्तार कर लिया गया । श्री कुमार ने कहा कि गिरफ्तार नामजद अभियुक्त के विरुद्ध दिनारा थाना में विभिन्न कांड संख्या के आलोक में विभिन्न धाराओं में कांड दर्ज था। उन्होंने कहा कि शाहाबाद डीआईजी के द्वारा 31 जनवरी 2024 को गिरफ्तार नामजद अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रुपए का इनाम प्रस्तावित की गई थी। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार नामजद अभियुक्त को मेडिकल जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

श्रेष्ठ कर्म से मनुष्यता जीवन होता है प्राप्त : जीयर स्वामी

केटी न्यूज/काराकाट

(रोहतास) काराकाट प्रखंड क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव में चल रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के दौरान प्रवचन में जीयर स्वामी जी महाराज ने अपने श्रीमुख से कहा कि मनुष्य बनने के लिए शास्त्र में बताया गया है कि केवल मनुष्य के घर जन्म ले लेने से हम मनुष्य नही हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्यता प्राप्त करने के लिए हमें अलग से शिक्षा प्रणाली पर ध्यान देना पड़ेगा। जैसे गाड़ी खरीद कर सीखा जा सकता है परंतु सीखने की व्यवस्था गाड़ी के शोरूम में नही है।

उसी प्रकार हम संसार में ऋषि संतान व मनुष्य हैं। लेकिन मनुष्य हो ऐसा करके हमारे में मनुष्यता है कि नही, इसके लिए कुछ नियमों का पालन करना पड़ता है। इसीलिए रावण ने वरदान मांगा कि नर और वानर के सिवाय किसी दूसरे से नही मरें। क्योंकि वह जानता था कि दुनिया में कोई मनुष्य हो हीं नही सकता है । श्री स्वामी जी ने कहा कि



माता-पिता को कष्ट देने वालों का कुछ काम नही बनता है । जन्म लेते ही हम तीन प्रकार के ऋण से घिर जाते हैं । जिस दिन से हम और आप जन्म लेते हैं, तीन प्रकार के ऋण हमारे ऊपर हो जाता है । माता पिता का कर्ज, ऋषि का कर्ज, देवताओं का कर्ज । इसी को हमलोग पितृ ऋण, देव ऋण, ऋषि ऋण भी कहते हैं । माता पिता के तेज से हमलोग उत्पन्न हुए हैं । तो हमलोग माता-पिता का कर्जदार हुए । माता- पिता के ऋण से उऋण होने के लिए यह बताया गया है कि कितना भी माता-पिता कड़े स्वभाव के हों बर्दाश्त कीजिए। क्योंकि आपको माता-पिता भी बर्दाश्त किए हैं। पत्नी के प्रति स्नेह रखिए, लेकिन माता-पिता नही होते तो पत्नी से स्नेह नही होता। जो व्यक्ति माता पिता को उदास, निराश, अपमान ,अवहेलना,मारा पीटा, गाली-गलौज किया चाहे वह साक्षात इन्द्र भी आकर कुछ नही कर सकते । कुछ भी काम नही बनेगा। ऐसा करने वाला नरक का भागी होता है। उन्होंने कहा कि इसलिए माता-पिता को कष्ट नही दीजिए। गृहस्थ आश्रम में माता-पिता के ऋण से उऋण होने का उपाय है कि बडे होकर शादी विवाह करके अच्छे संतान को जन्म दें। दूसरा है कि हमें ऋषि ऋण से मुक्त होने का उपाय है । पूजा-पाठ करना, हवन करना, ऋषियों को भोजन कराना आदि। मौके पर प्रवचन स्थल पर हजारों की संख्या में श्रोतागण मौजूद थे।

अनियंत्रित ट्रक पेड़ से टकराई बाल-बाल बचे चालक-खलासी

केटी न्यूज/काराकाट

थाना क्षेत्र के बरना नया पेट्रोल पंप के समीप रविवार को तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक का चालक गाड़ी से कैसे भी कुद कर जान बचाया तो वही उप चालक ट्रक के इंजन में ही बुरी तरह फस गया । मौके पर मौजूद स्थानीय पत्रकार समरेश पाण्डेय, हिमांशु सिंह व स्थानीय लोगों ने कड़ी मेहनत कर उप चालक कि जान बचा ली । घटना इतना भयावह था की ट्रक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानी लोगों ने रास्ते से जा रहे एक जरनेटर कि मदद से इंजन को गैस कटर के मदद से काट कर कड़ी मेहनत कर उप चालक को ट्रक से निकाला । जानकारी के अनुसार रविवार शाम तेज रफ़्तार खाली ट्रक बालू लेने के लिए उत्तरप्रदेश के दिलदार नगर से दाऊनगर जा रही



थी । इसी दौरान बरना नया पेट्रोल पंप के समीप चालक ने गाड़ी से अपना नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी का इंजन पूरी तरह विपरीत दिशा में घूम गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक दुर्घटना में ट्रक का चालक मंटू सिंह इंजन से कूद कर जान बचा लिया । वही उप चालक नीतीश कुमार इंजन में ही बुरी तरह फस गया।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की पंचायत स्तरीय हुई बैठक



केटी न्यूज/बिक्रमगंज

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पंचायत स्तरीय बैठक नोनहर कुसमभरा तथा खैरा भूधर के खिरोधरपुर में सम्पन्न हुई। वरिष्ठ राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता अखिलेश्वर प्रसाद सिंह ने पंचायत स्तरीय एवं बुथ स्तरीय करणीय कार्यों पर प्रकाश डाला। काराकाट लोक सभा के संयोजक नवीन चंद्र शाह ने सरकार के कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कार्यकताओं में नई जोश एवं ऊर्जा भरने का कार्य किया। बैठक में भारतीय जनता पार्टी जनता दल यू लोक जनशक्ति पार्टी तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा के पंचायत स्तर सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे उनमें वीरेंद्र कुशवाहा ,सूरज नाथ प्रसाद, बादशाह पासवान ,रवि शंकर पासवान ,राजू रंजन, मदन मौआर शर्मा ,डॉ रविंद्र सिंह ,सुशील कुमार भारती, ऋषभ राज, उपस्थित थे। साथ ही लाभार्थियों की समृद्धि मोदी की गारंटी पर भी चर्चा हुई।





खबरें फटाफट

बच्चों के खेल में लगी आग, ढाई बीघा का गेहूं जल कर राख

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के दयालपुर गांव में बच्चों के खेल में लगी आग के कारण लगभग ढाई बीघा गेहूं जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने पहुंच पर आग पर किसी प्रकार काबू पाया। क्षेत्र के दयालपुर गांव में सियाराम का खेत नंदू राम पटबंधक पर लेकर गेहूं की खेती किया था। लेकिन रविवार को खेत के पास बच्चों ने खेल-खेल में आग लगा दी। जिससे गेहूं धू धू कर जलने लगा। इसको देख ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड को सूचना देने के बाद आग पर काबू पाने के लिए अथक प्रयास किया तबतक फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचकर आग पर किसी प्रकार बुझाने में कामयाब रही। तब तक लगभग डेढ़ बीघा गेहूं चलकर राख हो गया। लगातार क्षेत्र में लग रही आग के कारण किसानों में भय की स्थिति बनी हुई है। वहीं किसानों का कहना है कि खून पसीना की कमाई आंख के सामने जलने के बाद किसान खून की आंसू रोने को विवश हैं।

खेत में पानी ले जाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, कई जख्मी

गाजीपुर। खेत की सिंचाई करने के लिए पहले पानी ले जाने को लेकर शनिवार की देर रात दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। जिसमें दोनों पक्षों से कई लोग गंभीर रूप से चुटहिल हो गए। उक्त घटना बिरनो थाना क्षेत्र की है। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। बताते चलें कि गांव के दोनों पक्षों में पहले से जमीन को लेकर रंजिश चल रही थी। खेत में पानी बहने का एक बहाना था। उलहाना देने पर एक पक्ष के लोगों ने छत पर चढ़ कर पथराव करने लगे। इससे दर्जनों लोग घायल हो गए। इसे लेकर दोनों लोगों में लाठी- डंडे चलने लगे। जिसमें दोनों पक्षों से दर्जनों लोग बुरी तरह से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही बिरनो पुलिस घटना स्थल पर जा धमकी और घायलों का समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्राथमिक उपचार कराया। इस दौरान तीन लोगों की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां तीनों घायलों का इलाज चल रहा है।

फेफना स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं तो वोट नहीं का अभियान

♦ गांव-गांव में बैठक करके लोगों को किया जा रहा जागरूक

केटी न्यूज/ फेफना

फेफना जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं तो वोट नहीं को लेकर वृहद स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। क्षेत्रीय संघर्ष समिति फेफना विगत जनवरी माह से फेफना जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित करने, फेफना-गड़वार मार्ग पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर उपरिगामी सेतु का निर्माण करने तथा वरिष्ठ नागरिकों की सुविधाएं बहाल करने की मांग को लेकर आंदोलनरत है।

उक्त बातें क्षेत्रीय संघर्ष समिति फेफना के संयोजक जनार्दन सिंह ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान व्यक्त किया। कहा कि विगत 18 मार्च से फेफना जंक्शन रेलवे स्टेशन पर धरना प्रदर्शन प्रारंभ होना था, लेकिन लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद आंदोलन की रणनीति बदल दी गई। उक्त मांगों को लेकर कई बार स्टेशन मास्टर के माध्यम से रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष को ज्ञापन दिया गया, लेकिन कोई सार्थक पहल नहीं हुई।



ऐसे में फेफना जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद करते हुए वृहद स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इसे लेकर गांव-गांव में बैठक की जा रही है। लोगों को जागरूक किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव के बाद आंदोलन को धार दिया जाएगा। कहा कि हमारे द्वारा चुने हुए नेता के ऊपर क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने की जिम्मेदारी होती है। यदि वह एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव, उपरिगामी सेतु का निर्माण एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुविधाओं जैसी हमारी छोटी मांगों के लिए भी नहीं लड़ता है तो वह हमारा जनप्रतिनिधि नहीं हो सकता। कहा कि यदि शासन प्रशासन अथवा जनप्रतिनिधि जब यह पक्का भरोसा देंगे कि रेल से संबंधित क्षेत्रीय जनता की मांगे पूरी होगी तो वोट दिया जाएगा। अन्यथा वोट का बहिष्कार होगा। इस अवसर पर हसन जावेद, शिवाजी, लल्लन, भरत, रंग बहादुर, सत्येंद्र वर्मा, संतोष सिंह आदि मौजूद रहे।

बसपा प्रमुख ने अमरोहा में की चुनावी सभा, भाजपा-कांग्रेस पर साधा निशाना

भाजपा सरकार में भी दलित-मुस्लिमों का बंद नहीं हुआ है शोषण: मायावती

एजेंसी/लखनऊ



अमरोहा में रविवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस को आधे हाथ लेते हुए तीनों ही वर्ग को जोड़ने की कोशिश की। इसके साथ ही किसानों को भी साधा। कहा कि कांग्रेस और भाजपा ने गरीब, पिछड़े, दलितों, मुस्लिम के साथ धोखा किया। उन तक योजनाएं नहीं पहुंच रही हैं। आरक्षण का कोटा भी अधूरा रखा गया है। भाजपा सरकार में भी दलितों और मुस्लिम का शोषण बंद नहीं हुआ है। गरीब लोगों की हालत ठीक नहीं है।

गलत नीतियों के चलते मध्यम वर्ग के लोग भी दुखी और परेशान हैं। देश और प्रदेश में महंगाई और भ्रष्टाचार बढ़ा है। कहा कि चार बार उत्तर प्रदेश में बसपा की सरकार के दौरान बहुत काम हुए। अगर फिर सरकार बनाने का मौका मिलेगा तो विरोधी पार्टियों की तरह हवा-हवाई काम नहीं किया जाएगा। पिछले कई सालों से भाजपा सरकार गरीब लोगों का वोट लेने के लिए फ्री में राशन देती है, लेकिन जब चुनाव होता है तो उनसे इसका कर्जा उतारने को कहते हैं। कहा कि गरीबों की राशन देना भाजपा की मेहरबानी नहीं है, आप जो टैक्स देते हैं, उससे यह खाद्य सामग्री आती है। सरकार नहीं देती। उन्होंने कहा जब-जब बसपा के नेतृत्व में यूपी में सरकार बनी है। किसान वर्गों के लोगों का विशेष ध्यान रखा गया है। अमरोहा ढोलक कारीगरी के साथ-साथ किसानी के मामले में काफी आगे है। यहां के किसानों और कारोबारियों का भाजपा ने ध्यान नहीं रखा। वर्तमान सरकार की जातिवादी सोच है। इसने गरीबों, मुस्लिम और आदिवासी लोगों पर ध्यान नहीं दिया। देश में लगातार महंगाई और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। इससे जनता परेशान है। अपनी पार्टी को गुमराह नहीं होना है। यह पार्टियां चुनाव खत्म होने के बाद वादों को अमल में नहीं लाती हैं।

हमारी पार्टी चुनाव घोषणा पत्र जारी नहीं करती है। हमारी पार्टी कार्य करने में ज्यादा विश्वास करती है। चार बार सत्ता में रही हमारी पार्टी ने बिना घोषणा पत्र जारी किए बिना ही बहुत कुछ कार्य करके दिखाए है। केंद्र में हमारी सरकार बनती है तो अब तक रही सरकारों जैसा कार्य नहीं करेगी। कुछ हटकर या जैसे यूपी में कार्य किए ऐसा काम करेगी। बसपा प्रमुख मायावती ने भाजपा सरकार को कानून और व्यवस्था पर भी घेरने की कोशिश की। कहा कि वर्तमान में काफी दहशत का माहौल है। हिंदुत्व की आड़ में हो रही राजनीति अब खत्म होने की कगार पर है। देश की सीमाएं भी आज सुरक्षित नहीं है। यह बहुत गंभीर बात है। मायावती ने कहा पश्चिमी यूपी में वैसे तो सभी समाज के लोग रहते हैं। लेकिन अपर समाज में से क्षत्रिय समाज के लोग बड़ी तादाद में रहते हैं। लेकिन दुख की बात ये है कि भाजपा और अन्य विरोधी पार्टियां जो अपने आप को क्षत्रियों की हिमायती समझती हैं। इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा और अन्य पार्टियों ने क्षत्रियों की काफी उपेक्षा की है। लेकिन, बसपा ने अन्य के साथ-साथ क्षत्रिय समाज को भी पूरा-पूरा आदर-सम्मान दिया है। पश्चिमी यूपी में सहारनपुर और मेरठ मंडल से कई टिकट क्षत्रिय समाज को दिए हैं। भाजपा ने उनको टिकट न देकर उपेक्षा की है।

भाजपा और सुभासपा की संयुक्त बैठक में प्रत्याशी को जीत दिलाने का लिया संकल्प



गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के कार्यकताओं की लोकसभा चुनाव को लेकर समन्वय बैठक सुभासपा जिलाध्यक्ष लल्लन राजभर एवं भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में केंद्रीय चुनाव कार्यालय हरिहर पैलेस हाल शास्त्री नगर गाजीपुर में संपन्न हुई?।

सभी कार्यकर्ता पदाधिकारीयों ने एक स्वर से नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने एवं लोकसभा के लोकप्रिय उम्मीदवार पारसनाथ राय को भारी मतों के अंतर से चुनाव जीताने का संकल्प लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए गाजीपुर लोकसभा के उम्मीदवार पारस राय ने कहा कि विपक्षी पार्टी के लोग अपनी हार को देखते हुए घबराए और डरे हुए हैं और इसी घबराहट में उल जलूल बयान बाजी कर लोगों में भ्रम फैलाकर चुनाव जीतना चाहते हैं। जिसे गाजीपुर की देवतुल्य जनता भली भांति समझ रही है और देश की जनता के साथ गाजीपुर की जनता भी पुनः मोदी जी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने को कृत संकल्पित है।

बैठक को मुख्य रूप से सुभासपा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सालिक यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मदेव यादव, रितेश जी (प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा), अमरावती सिंह, सोनी प्रजापति, सुदामा राजभर, जितेंद्र राजभर, पंकज दुबे, विकास राय, बृजेश सिंह काकन, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, सुरेश बिंद, जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, अच्छेलाल गुप्ता अविनाश सिंह, मयंक जायसवाल आदि लोगों ने संबोधित किया व उपस्थित रहे। संचालन सुरेंद्र राजभर जिला प्रभारी गाजीपुर ने किया।

एक नजर

आज हनुमान जयंती पर निकलेगी प्रभात फेरी, मानस पाठ बांचेंगे श्रद्धालु

पीडीडीयू नगर। पूर्व की वर्षों की भांति इस वर्ष भी नगर की पुरानी संस्था श्रीराम चरित मानस संघ की ओर से संस्था के वार्षिकोत्सव पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।बताते चलें कि श्री हनुमान जयंती के दिन उक्त संस्था का मानस प्रेमियों द्वारा लगभग पचास वर्ष पूर्व स्थापना की गयी थी जो अनवरत नगर वासियों को मानस की चौपाइयों से रससिक्त करती आ रही है। इसी कड़ी में दिनांक 22 अप्रैल दिन हसोमवार से दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जो 23 अप्रैल को विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ संपन्न होगा। संस्था के अशोक शुक्ला व मनोज जायसवाल द्वारा आयोजन की जानकारी प्रदान करते हुए बताया गया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 22 अप्रैल को प्रातः6. 30 बजे से प्रभात फेरी निकाली जाएगी जो श्री हनुमंत पालकी के साथ नगर भ्रमण करेगी । इसके अलावा प्रातः:दस बजे से नगर के नई सट्टी स्थित श्री दुर्गा हनुमान मंदिर प्रांगण में पूजनोत्सव आदि पश्चात संगीतमय श्री अखंड रामचरित मानस के पाठ का आयोजन किया जाएगा। दूसरे दिवस प्रातः दस बजे पाठ के समापन पश्चात मध्याह्न एक बजे से विभिन्न ब्राह्मणों द्वारा श्री रूद्राभिषेक व हवन कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा इसके साथ ही सायं सात बजे से श्री हनुमान जी की महाआरती व महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा जिसमे नगर व अन्य स्थानों के हजारों श्रद्धालु मौजूद रहेंगे। अंत में रात्रि आठ बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों भजन संध्या के साथ आयोजन का समापन होगा।

खड़ी रोडवेज बस में टकराई पिकअप, चालक व खलासी घायल

रसड़ा। कोतवाली क्षेत्र के पहाड़पुर (चौकारी) पास शनिवार की देर रात रोडवेज बस व पिकअप में टक्कर हो गया। जिसमें पिकअप के ड्राइवर और खलासी गम्भीर रूप से घायल हो गऐ। पिकअप का शीशा तोड़ कर ड्राइवर को बाहर निकाला गया। सूचना पर पुलिस घटना स्थल पर पहुँच जांच पड़ताल किया। मिली जानकारी के अनुसार विवेक यादव 22 वर्ष पूत्र शम्भू यादव निवासी ठोठिया थाना मेहनगर जिला आजमगढ़ तथा सुधीर यादव 28 वर्ष पुत्र प्रेमधारी यादव निवासी गम्भीरपुर सिंघडा जिला आजमगढ़ छपरा पिकअप से आलमारी देने गऐ थे। वहां से वापस लौटते समय पहाड़पुर के पास सड़क के किनारे खड़ी रोडवेज बस में टक्कर हो गई। टक्कर के आवाज से वहां के लोग पिकअप का शीशा तोड़कर बाहर निकालने के बाद घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिलकहर पर ले गए। जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद हालत गम्भीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया ।

जटाधारी इण्टर कॉलेज परिवार ने टॉप टेन में स्थान बनाने वाले छात्र को किया सम्मानित

चंदौली। चहनियां क्षेत्र के मारुफपुर स्थित जटाधारी इण्टर कालेज में पढ़ने वाले छात्र आलोक प्रजापति को चंदौली जनपद में यूपी बोर्ड हाईस्कूल की परीक्षा में टाप टेन में आठवां स्थान बनाने पर जटाधारी इण्टर कालेज परिवार ने मिठाई खिलाकर एवं प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया। विद्यालय के प्रबन्धक शिव प्रकाश सिंह ने प्रधानाचार्य सत्यनारायण यादव एवं अध्यापकों के साथ छात्र आलोक प्रजापति के घर मझिलेपुर जाकर उसे माल्यार्पण कर मिठाई खिलाया एवं प्रोत्साहन राशि देकर अगली कक्षा में निशुल्क शिक्षा का वादा किया। मझिलेपुर निवासी आलोक प्रजापति के पिता प्रहलाद प्रजापति दिल्ली में प्राइवेट जाब करते हैं। चंदौली जिले के टापटेन में आठवां स्थान प्राप्त करने वाले आलोक प्रजापति भविष्य में इंजीनियर बनने की इच्छा रखते हैं जिसके लिए वे अभी से तैयारी कर रहे हैं। इस मौके पर विद्यालय के प्रबन्धक शिव प्रकाश सिंह, प्रधानाचार्य सत्यनारायण यादव, पंचम प्रजापति, मित्र अरुण कुमार, नीरज यादव, योगेन्द्र यादव, गणेश मिश्र आदि मौजूद रहे।



खेत में खड़ी गेहूं फसल, बोझ व झोपड़ी जलकर राख

केटी न्यूज/बलिया





रतसर नगर पंचायत क्षेत्र के जिगनी मौजा में रविवार की दोपहर कतिपय कारणों से आग लग गई। आग को बुझाने के लिए ट्यूबवेल का सहारा लिया। इसके अलावा फायर बिग्रेड को सूचना दिया। फायर ब्रिगेड वाले गलत पता नोटे होने के चलते फायर गाड़ी लेकर गड़वार थाने से सटे जिगनी खास में चले गए। जिससे मौके पर गाड़ी आने में विलम्ब को गई और आग नगर के मौजा में पहुंच गयी। जिसका नतीजा रहा कि दो घन्टा काफी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया गया। इस आग की घटना में के चलते जिगनी मौजा के अशोक राम,पारस नाथ राम, पन्ना देवी,छोटे लाला राम के खेत की खड़ी फसल तथा जितन राम के खेत में रखे गए गेहूं के 35 बोझ जल कर राख हो गए। वही आग कि लपट नगर के तरफ ईश्वर के पोखरा पहुंची, जिसमें मोतीचन्द राजभर के दो रिहायसी झोपड़ी, राजेश राजभर की दो झोपड़ी, रमेश राजभर की दो झोपड़ी के साथ उस में रखे गये दैनिक उपयोगी के सारा सम्मान जल कर राख हो गए।

मौसी की गोद भराई में ननिहाल आया बालक गंगा में डूबा

केटी न्यूज/चंदौली

बलुआ थाना क्षेत्र के सराय के दुल्हिया घाट पर परिजनों संग स्नान करने आया 12 वर्षीय बालक अर्पित चौबे रविवार को गंगा में डूब गया । परिजनों के शोर मचाने पर ग्रामीण एकत्र हो गये । वह अपने ननिहाल में अपने मौसी की गोद भराई में आया था । मौके पर पुलिस व प्राइवेट गोताखोर लगे रहे । इसके अलावा एनडीआरएफ की टीम ने भी डूबे बालक की तलाश किया । बगही गांव के रहने वाले राम अवध चौबे का पुत्र अर्पित कक्षा छह में पढ़ता है । रामअवध चौबे निजी विद्यालय चलाते है जिसमे अर्पित पढ़ता है । वह बलुआ सराय गांव में अपने नाना गोपाल पाण्डेय के घर आया था । शनिवार को उसके मौसी की गोद भराई थी । रविवार को सुबह वह अपने मां, नानी व अन्य परिजनों संग सराय के दुल्हिया घाट पर स्नान करने गया था। गंगा में पांव फिसलने पर वह चिल्लाने लगा । देखते ही देखते वह गहरे पानी में चला गया । घाट पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गयी । मौके पर बलुआ पुलिस भी पहुंच गयी । प्राइवेट गोताखोर शव की तलाश में लगे रहे । जाल बिछाकर शव को तलाशते रहे । चार घण्टे बाद पहुँची एनडीआरएफ की टीम शाम तक तलाश करती रही किन्तु बालक का पता नही चल पाया । पिता रामअवध, माता अनिता देवी, बड़ा भाई किशन, बहन श्रेया, नाना, नानी व अन्य परिजनों का रोकर बुरा हाल रहा ।

दस साल पहले तत्कालीन लोनिवि मंत्री शिवपाल यादव के आगमन पर डेढ़ किमी ही बनी सड़क

सपा के शासन काल में शुरू हुआ सड़क निर्माण आज भी अधूरा

केटी न्यूज/गाजीपुर



जखनियां विकास खंड अंतर्गत निजामुद्दीनपुर हनुमान मंदिर से चुरामनपुर डीहबाबा का स्थान होते हुए संत बुला पीजी कॉलेज तक सड़क निर्माण दस साल पूर्व सपा के शासन काल में आरंभ हुआ, जो आज भी अधूरा है।

उस समय लोकनिर्माण विभाग के मंत्री रहे शिवपाल यादव की हनक पर डेढ़ किलोमीटर तक सड़क का निर्माण किसी तरह तेजी से कराया गया था। सड़क को निजामुद्दीनपुर - गाजीपुर- आजमगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग से संत बुला पीजी कॉलेज होते हुए अमारी रेलवे फाटक के पास स्थित हमीद मार्ग में मिलना था। लेकिन यह कार्य आज तक पूरा नहीं हो सका।

बता दें कि इस सड़क का निर्माण उस वक्त कराया गया, जब संत बुला पीजी कॉलेज में लोक निर्माण मंत्री शिवपाल यादव का एक जनसभा कार्यक्रम आयोजित था। उस वक्त ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि छोटू यादव की पहल पर शिवपाल यादव के आने पर सड़क का निर्माण कराया गया। जिसमें काफी खेत और किसानों द्वारा इसका विरोध किया गया। इस सड़क निर्माण में संत बुला पीजी कॉलेज के आगे किसानों के विरोध के आगे विभाग टिक नहीं सका और सड़क को आधे अधूरे पर छोड़कर चले गए।

अब सड़क पूरी तरह से उधड़ गई है। गिट्टी बिखरने से गड्ढे में तब्दील हो गई है। सड़क पर चलना लोगों के लिए काफी परेशानियों का सामना करना है। ग्रामीणों ने कहा की सड़क का निर्माण फिर से हो जाता तो आने जाने में काफी सुविधा होती तथा बच्चों के पढ़ने जाने में भी कोई जोखिम नहीं होता।

ग्रामीण इस सड़क को लेकर जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करते हुए सड़क मरम्मत की मांग कर रहे हैं। इस मौके पर पूर्व प्रधान भुवाल यादव, विनोद यादव, अजीत चौहान, मनोज मौर्य, मुन्ना राजभर, शिवा मौर्य, बोधल नट, विनेश राजभर, सोनू गुप्ता, गुड्डू अंसारी, बबलू अंसारी, लालबहादुर सहित अन्य लोगों नें सड़क मरम्मत की मांग की है।



यूपी के माफियाओं और अपराधियों का राम नाम सत्य हो गया है: योगी

एजेंसी/रायपुर

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ रविवार को छत्तीसगढ़ में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। योगी आदित्यनाथ ने राजनांदगांव और कोरबा में जनसभा की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में 2017 के पहले क्या हालात थे और अब क्या हालात हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ अयोध्या धाम में प्रभु श्रीरामलला विराजमान हो गए हैं, दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के माफियाओं और अपराधियों का राम नाम सत्य भी हो गया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा- 2017 के पहले उत्तर प्रदेश कोई नहीं जाना चाहता था। महीनों तक कर्फ्यू लगता है। अयोध्या का नाम सुनते ही लोग डरते थे। लेकिन केन्द्र और राज्य की सरकार के कारण 7 सालों में कोई दंगा नहीं हुआ। कहीं कर्फ्यू नहीं लगता है। पहले केवल चार जनपदों को पैसा भेजा जाता था लेकिन अब काशी में



विश्वनाथ कॉरीडोर बन गया। विध्यांचल में कॉरीडोर। हर तरफ विकास हो रहा है। दरअसल छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव लोकसभा सीट से बीजेपी ने मौजूदा सांसद संतोष पांडेय को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल को उम्मीदवार बनाया है। राजनांदगांव में 26 अप्रैल को वोटिंग होनी है।

योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वह घोटालों, आतंकवाद और नक्सलवाद का पर्याय है। अयोध्या में रामलला (उनकी मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा) के लिए 500 वर्षों का इंतजार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण समाप्त हुआ। उन्होंने दावा किया, कांग्रेस घोटालों, आतंकवाद और नक्सलवाद का पर्याय है। जिस उम्र में युवाओं के हाथ में पुस्तक होनी चाहिए, दुनिया को आगे बढ़ाने का जज्बा होना चाहिए, कांग्रेस ने उनके हाथ में तमंचा पकड़ा दिया। उन्हें नक्सलवाद तथा उग्रवाद के नाम पर देश के खिलाफ उकसाया गया। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लोगों ने पिछले 10 वर्षों में देश को बदलते देखा है। उन्होंने कहा, मोदी जी ने कहा है इस देश को दुनिया की एक बड़ी ताकत बनाना है। विकसित भारत बनाना है। आत्मनिर्भर भारत बनाना है जहां हर नागरिक सुरक्षित महसूस करे। बेटी हो या व्यापारी इन सब को सुरक्षा की पूरी गारंटी केवल भाजपा दे सकती है। केवल भाजपा आपकी आस्था का सम्मान कर सकती है।

कांग्रेस की सरकार में बेटियां और व्यापारी असुरक्षित थे: योगी

बिलासपुर। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने बिलासपुर में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रैली को संबोधित किया। दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष और पिछली सरकारों पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद, अपराध और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और दावा किया कि भाजपा सरकार में इन सभी चीजों पर नियंत्रण लगा है। कहा कि कांग्रेस की सरकार में लोग भूख से मरते थे और किसान आत्महत्या करता था, बेटियां और व्यापारी असुरक्षित थे। आतंकवाद के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि जब उनकी सरकार थी, तब आतंकवादी देश में कहीं भी घुसकर बम विस्फोट कर देते थे। आज मोदी ने ऐसी स्थिति बना दी है कि कहीं पटाखा भी फटता है तो पाकिस्तान सफाई देता है कि हमारा हाथ नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि पाकिस्तान को पता है कि अगर उनका नाम आया तो भारत की बहादुर सेना पाकिस्तान में घुसकर मारेगी। इससे पहले बिलासपुर में सीएम योगी के स्वागत में भाजपा कार्यकर्ता रैली स्थल पर बुलडोजर लेकर पहुंच गए थे।

एक नजर

मऊ के प्रमुख व्यापारियों ने ग्रहण की भाजपा की सदस्यता, पीएम मोदी पर जताया भरोसा



मऊ। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर जिले के कुछ प्रमुख व्यवसाइयों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया तथा पार्टी की नीतियों के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। भाजपा जिलाध्यक्ष नूपुर अग्रवाल ने बताया कि व्यापारी वर्ग भाजपा की नीतियों से पूरी तरह संतुष्ट है इसी वजह से व्यापारी वर्ग भाजपा की सदस्यता पूरे जोश खरोश से ले रहा हैं। केंद्र में मोदी और प्रदेश में योगी की सरकार बिना किसी भेदभाव के जनहितकारी योजनाओं को धरातल पर उतार रही है। व्यापारी बिना किसी भय के अपना व्यवसाय कर रहे हैं, अपराधी भाजपा सरकार में दुर्गति को प्राप्त हुए हैं। पूरे देश और प्रदेश में शांति और सुसासन का माहौल है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने गोपाल कृष्ण बरनवाल को व्यापार प्रकोष्ठ का नया जिला संयोजक घोषित किया। नवनियुक्त जिला संयोजक व्यापार मंडल गोपाल कृष्ण बरनवाल ने कहा की मेरे साथ 18 अन्य व्यापारी बंधुवों ने भाजपा की सदस्यता ली है, हम सभी मोदी जी की नीतियों से प्रभावित है देश और प्रदेश में सुशासन का राज है। इस अवसर पर अखिलेश मद्धेशिया आनंद कमलेश अंकित रवि छेतीजा नौशीन खान अतुल जैसवाल सौरभ बरनवाल राजीव गुप्ता अनुराग बरनवाल राजेश राय विजय जैन नारायण दास मगन बरनवाल पवन बंटी समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसडीएम के निर्देश के बाद भी नहीं हटा अतिक्रमण प्रशासन से बदतमीजी के आरोप में दो गिरफ्तार

गाजीपुर। भुडकुड़ा कोतवाली अंतर्गत रायपुर जाही गांव निवासी नीतू यादव पत्नी विजय बहादुर यादव की पुश्तैनी आबादी की भूमि पर 10 फरवरी 2024 की देर रात सड़क नुमा खड़ंजा बिछा दिया गया। जब विपक्षियों को रोकने के लिए महिला नीतू यादव पहुंची तो महिला की जमकर पिटाई कर दी गई थी। पीड़िता द्वारा उच्चाधिकारियों को फोन करने के बाद पुलिस ने पहुंचकर घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सदर अस्पताल भेजा गया था। इसके बाद पुलिस ने विपक्षियों पर भी कार्रवाई की थी। बताते चलें कि नीतू यादव बनाम अजय यादव का एसडीएम कोर्ट जखनियां में वाद विचाराधीन है। एसडीएम कमलेश सिंह ने 12/ 2 /2024 को भुड़कुड़ा पुलिस को बल पूर्वक खड़ंजे को एक सप्ताह में हटाकर आख्या प्रस्तुत करने का नोटिस जारी किया था। लेकिन पुलिस ने एसडीएम कोर्ट के मामले को भी नजरअंदाज करते हुए खानापूर्ति कि और एसडीएम के निदेर्शों का उल्लंघन किया था। इसके बाद पुनः रविवार की दोपहर में थाने के उपनिरीक्षक, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल सहित महिला व पुलिस कांस्टेबल को खड़ंजा हटाने के लिए भेजा गया था। पुलिस के मौके पर पहुंचते ही विपक्षी पुलिस से उलझ गए और मामले को जुबानी सही बताते हुए पुलिस के आगे आने से रोक दिया। पुलिस मौके से दो लोग अजय और विनय को अरेस्ट कर जेल भेज दी।एसडीएम कमलेश सिंह ने बताया कि खड़ंजा को हटाने का निर्देश पर लेखपाल और पुलिस बल को भेजा गया था। जिसमें पुलिस से ग्रामीण उलझ गए अतिक्रमण हटाने नहीं दिया, फिर पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार कर ले आई है। जिस पर कड़ी कार्रवाई की गई। कोतवाल तारावती नें कहा कि उपजिलाधिकारी के निर्देश पर अतिक्रमण हटाने गए राजस्व निरीक्षक और पुलिस से विपक्षी ने बदतमीजी की और अतिक्रमण हटाने से रोका दिया। जिसमें दो लोगों को उपजिलाधिकारी के निर्देश पर जेल भेजा गया है। पीड़िता वादिनी नीतू यादव ने कहा कि 10 फरवरी को ही रातों-रात खड़ंजा लगाया गया। मुख्यमंत्री से लेकर उच्चाधिकारियों के साथ ही डीएम, एसपी तथा एसडीएम तक आवेदन दी हूं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं किया गया। यहां तक की एसडीएम की निदेर्शों को भी भुडकुड़ा पुलिस नजरअंदाज कर दी। पीड़ित वादिनी नीतू यादव ने कहा कि विगत दिनों तहसील परिसर में आत्मदाह की चेतावनी दिए थे। जिसमें एसडीएम के आश्वासन पर आत्मदाह की चेतावनी को वापस लिया गया था। पुलिस प्रशासन अगर न्याय नहीं दिलाता है, तो हम आगे कुछ भी करने के लिए बाध्य होंगी।

बलिया लोकसभा: ब्राह्मण, राजपूत-यादव बहुल सीट पर 1 जून को मतदान

ऐन वक्त पर रुक जाती है विकास की गाड़ी, दौड़ती है सिर्फ बिरादरी एक्सप्रेस

- भाजपा ने जातियों का गणित सेट करते हुए नीरज शेखर को बनाया है उम्मीदवार
- सपा ने अभी तक नहीं घोषित किए अपने उम्मीदवार
- बसपा लल्लन यादव को टिकट देने के बाद भी असमंजस में है

तिलक कुमार/बलिया

बलिया लोकसभा क्षेत्र पूर्वी उत्तर प्रदेश में बिहार से सटा हुआ जिला है। बलिया को बागी बलिया के नाम से भी जाना जाता है। यहां कई ऋषि महात्माओं का आश्रम हुआ करता था। इसके अलावा यह जिला पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के लिए याद किया जाता है। बलिया लोकसभा सीट पर सातवें व अंतिम में चरण में यानी 1 जून को मतदान होगा। इसके लिए 7 मई को इलेक्शन की अधिसूचना जारी होगी।

इस लोकसभा में सबसे बड़ी आबादी ब्राह्मणों की है। इसके बाद यादव, राजपूत और दलित वोट। वहीं अगर जातीय लिहाज से देखें तो इस लोकसभा सीट का जातीय समीकरण काफी उलझा हुआ है। बलिया में राजनीतिक दलों के दावे भले ही विकास के हों, लेकिन चुनाव आते-आते लड़ाई जाति-बिरादरी तक सिमट कर रह जाती है। चुनावी रण में उतरी पार्टियां जातिगत आंकड़ों की बिसात



बिछाने में जुटी हैं। इसी चक्कर में अब तक सपा ने अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। वहीं बसपा भी लल्लन यादव को टिकट देने के बाद भी असमंजस में है। जबकि भारतीय जनता पार्टी ने जातियों का गणित सेट करते हुए नीरज शेखर को उम्मीदवार बनाया है। बलिया संसदीय सीट पर छिड़े चुनावी संग्राम में कहीं जाति व धर्म की बात की जा रही है, तो कहीं धनबल व बाहुबल के आधार पर मत बंटोरने की कवायद चल रही है। सभी दल इसके लिए गांव-गांव में सियासी गोटी बिछाने में जुटे हैं। जातीय लिहाज से देखें तो बलिया लोकसभा सीट का जातीय समीकरण काफी उलझा हुआ है। इस कारण इस सीट पर चुनावी मुकाबला काफी अलग प्रकार का होता है। बलिया लोकसभा सीट पर सबसे बड़ी आबादी ब्राह्मणों की है। यहां करीब तीन लाख ब्राह्मण हैं। इसके बाद यादव, राजपूत और दलित वोट हैं। तीनों वर्ग की आबादी करीब ढाई-ढाई लाख है। मुस्लिम वोट बैंक भी इस क्षेत्र में करीब एक लाख है। बलिया के द्वाबा और नगर विधानसभा में ब्राह्मण सबसे अधिक हैं। ऐसे में अब जबकि भाजपा ने राजपूत बिरादरी के नीरज शेखर को टिकट थमा दिया है तो यह देखना दिलचस्प है कि विपक्ष की ओर से इस बार के चुनाव में किस बिरादरी के उम्मीदवार का चयन होता है।

जातीय समीकरण

जाति	जनसंख्या प्रतिशत में
ब्राह्मण	15 प्रतिशत
राजपूत	13 प्रतिशत
यादव	12 प्रतिशत
भूमिहार	8 प्रतिशत
बौद्ध	0.07 प्रतिशत
ईसाई	0.14 प्रतिशत
जैन	0.01 प्रतिशत
मुसलमान	8.03 प्रतिशत
अनु. जाति	15.5 प्रतिशत
अनु. जनजाति	2.6 प्रतिशत
सिख	0.03 प्रतिशत
अन्य	18 प्रतिशत

इस सीट पर चंद्रशेखर फैमिली का दबदबा...

बलिया लोकसभा सीट पर चंद्रशेखर फैमिली का दबदबा रहा है. इस सीट से पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर 8 बार सांसद रहे थे। पहले साल 1977 आम चुनाव में वो जनता पार्टी के टिकट पर सांसद चुने गए। इसके बाद साल 2004 तक वो सांसद चुने गए। हालांकि इस बीच सिर्फ एक बार साल 1984 आम चुनाव में चंद्रशेखर को हार का सामना करना पड़ा था। कांग्रेस के जगन्नाथ चौधरी ने चंद्रशेखर को हराया था। चंद्रशेखर ने साल 1997 आम चुनाव, साल 1980, साल 1989, साल 1991 आम चुनाव, साल 1996, साल 1999 और साल 2004 में जीत दर्ज की। चंद्रशेखर ने साल 2004 चुनाव का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए। उनका निधन हो गया। उसके बाद साल 2008 उपचुनाव में उनके बेटे नीरज शेखर ने जीत हासिल की। इसके बाद साल 2009 आम चुनाव में नीरज शेखर समाजवादी पार्टी के टिकट पर सांसद चुने गए।

2019 में भाजपा और सपा के बीच था मुकाबला

साल 2019 आम चुनाव में बीजेपी और समाजवादी पार्टी के बीच के मुकाबला था। बीजेपी उम्मीदवार वीरेंद्र सिंह मस्त ने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार सनातन पांडे को 15 हजार 519 वोटों से हराया था। वीरेंद्र सिंह को 4 लाख 69 हजार 114 वोट मिले थे, जबकि सनातन पांडे को 4 लाख 53 हजार 595 वोट हासिल हुए थे। जबकि ओमप्रकाश राजभर की पार्टी एसबीएसपी के उम्मीदवार विनोद को 35 हजार 900 वोट मिले थे।

5 विधानसभा सीटों का समझें गणित

बलिया लोकसभा सीट गाजीपुर और बलिया जिले में है। इस लोकसभा सीट के तहत गाजीपुर की दो विधानसभाएं और बलिया की 3 विधानसभाएं आती हैं। गाजीपुर की मोहम्मादबाद और जहूराबाद के साथ बलिया की फेफना, बलिया नगर और बैरिया विधानसभाएं शामिल हैं। साल 2022 विधानसभा चुनाव में बीजेपी को सिर्फ एक सीट बलिया नगर में जीत मिली थी। जबकि तीन सीटों बैरिया, फेफना और मोहम्मदाबाद पर समाजवादी पार्टी को जीत मिली थी। जहूराबाद सीट एसबीएसपी के खाते में गई थी। फेफना से संग्राम सिंह यादव, बलिया नगर से दयाशंकर सिंह, बैरिया से जयप्रकाश अंचल, जहूराबाद से ओम प्रकाश राजभर और मोहम्मदाबाद से मुन्नू अंसारी विधायक चुने गए।

लू प्रकोप को कक्षा 1 से 12 तक के स्कूल समय में बदलाव



मऊ। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने अत्यधिक तापमान वृद्धि एवं लू प्रकोप के दृष्टिगत जनपद में संचालित कक्षा 1 से 12 तक के समस्त परिषदीय/राजकीय/ मान्यता प्राप्त/सहायता प्राप्त विद्यालयों में संचालन दिनांक 22 अप्रैल 2024 से अग्रिम आदेश तक प्रातः 7:30 बजे से मध्याह्न 12:30 बजे तक निर्धारित किया है। उन्होंने समस्त विद्यालयों में शुद्ध पेयजल, ओआरएस के पैकेट के साथ ही आवश्यक दवाओं की तत्काल उपलब्धता भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा समस्त आउटडोर गतिविधियों पर भी रोक लगाने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। विद्यालयों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को लू से बचाव हेतु जागरूक करने के साथ ही जिलाधिकारी ने जागरूकता संदेशों आदि को विद्यालय की सूचना बोर्ड पर ही चस्पा करने को कहा। उन्होंने आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए।

नकली नोट के साथ गिरोह के तीन गिरफ्तार

केटी न्यूज/गाजीपुर

गाजीपुर पुलिस ने नोट बनाने की प्रिंटर मशीन, नकली नोट बनाने में इस्तेमाल किए जाने वाले पेपर और 99 हजार 200 रुपये नकली नोट के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसपी ओमवीर सिंह के मुताबिक स्वाट/ सर्विलांस व थाना खानपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की है। एसपी के मुताबिक, नकली नोट बनाने व नोटों को बाजार में सप्लाई करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 500 की 30, 200 की 276 व 100 के कुल 290 नकली नोट (कुल 99,200 रुपये नकली) बरामद किया गया है। पूछताछ में अभियुक्त विजय भारती ने बताया कि मेरा जनपद आजमगढ़ के मेहनाजपुर में डालिम्स सनबीम मेहनाजपुर नाम से स्कूल है। उसी स्कूल के एक कमरे में प्रिंटर मशीन के माध्यम



से नकली नोट तैयार किया जाता है। जिसे तैयार करने के बाद विशेन यादव और अमित यादव उर्फ मोनू पुत्र राजेंद्र यादव के माध्यम से अगलझबगल के जिलों तथा राज्यों (बिहार, झारखण्ड, राजस्थान व दिल्ली आदि) में सप्लाई करता था। लगभग करोड़ों रुपयों के नकली नोट बाजार में खपाया जा चुका है।

मिजार्पुर में मैजिक ने मां-बेटे को रौंदा, अस्पताल में दोनों की मौत

मिजार्पुर। मिजार्पुर जिले के कछवां थाना क्षेत्र के नारायणपुर के पास झाड़- फूंक कराकर पैदल घर जा रहे मां-बेटे को मैजिक ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन घायलों को अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने मां-बेटे को मृत घोषित कर दिया। दो लोगों की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। जानकारी के अनुसर कछवां क्षेत्र अंतर्गत नारायणपुर निवासी सीता देवी (35) अपने पति बनारसी व पुत्र शशिकांत के साथ गौरही गांव में झाड़- फूंक कराने गई थी। सीता देवी अपने पति व पुत्र के साथ झाड़-फूंक कराकर पैदल अपने घर जा रही थी कि ग्राम नारायणपुर के पास मैजिक ने टक्कर मार दी। जिससे सीता देवी व उसके पुत्र शशिकांत को गंभीर चोटें आईं। सूचना पर चौकी प्रभारी जमुआ व प्रभारी थाना कछवां मौके पर पहुंचकर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। जहां चिकित्सकों द्वारा सीता देवी व शशिकांत को मृत घोषित कर दिया गया।

लू को देखते हुए चंदौली के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा.आरके सिंह ने जारी किया निर्देश

गर्मी के मौसम में पशुओं को धूप वाले स्थान में न रखें पशुपालक

केटी न्यूज/चंदौली

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा.आरके सिंह ने पशु पालकों को लू (हीट-स्ट्रोक) के पशुधन पर पड़ने वाले प्रभाव के न्यूनीकरण के लिए सुझाव व निर्देश रविवार को जारी किया। कहा कि पशुओं को सीधे धूप वाले स्थान में न रखें। पशुओं को चरायी हेतु प्रातः एवं सायं काल ही भेजें। पशुओं को ऊपर से ढके हुए छप्पर, टीन शेड वाले स्थानों में रखे तथा यह विशेष ध्यान रखें कि रोशनदान, दरवाजों, एवं खिड़कियों को टाट/बोरे से ढक दें, जिससे सीधी हवा का झोंका पशुओं तक न पहुंच सके तथा टाट व बोरे पर पानी का छिड़काव करते रहें। इस दौरान उन्होंने कहा कि पशुओं को छाया में बाधें



और उन्हे पर्याप्त मात्रा में पानी व तरल पदार्थ पिलायें।कंन्सर्ट संतुलित आहार पशुओं को दें तथा खली, दाना, चोकर की मात्रा को बढा दें साथ ही नमक एवं गुड़ का प्रयोग करें। धूप में ज्यादा देर तक रखा गरम पानी पशुओं को न पिलायें। स्वच्छ ताजा पानी हैण्डपम्प या कुओं से ही पिलायें। साथ ही पोखरों का ही पानी पिलायें। पशु बाड़े में गोबर एवं मूत्र निकास की उचित व्यवस्था करें।विशेष तौर पर प्रातः दस से अपरान्ह चार बजे के बीच सूर्य की ताप से पशुओं को बचायें, उन्हें खुले स्थान पर धूप में न खड़ा करें। स्थानीय मौसम के पूवार्नुमान को रेडियो व टीवी पर सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सतर्क रहें।

लू से प्रभावित पशु के शरीर में बुखार के लक्षण होते है, तत्काल निकटवर्ती पशु चिकित्सक को दिखाये। उनसे प्राप्त परामर्श का पूर्ण रूपेण पालन करें। पशुओं को दिन में एक बार अवश्य नहलायें।सक्षम पशुपालक पशुशाला में स्पिंकलर के द्वारा जल का छिड़काव करें, एवं पंखों का उपयोग करें, तभी समुचित उत्पादन प्राप्त किया जा सकेगा। मुर्गी फार्म में पर्याप्त मात्रा में जल एवं राशन की मात्रा रखें। पशु पक्षी लू लगने पर यदि तेज बुखार एवं अन्य लक्षण प्रदर्शित कर रहे हैं तो तत्काल जल पिलायें तथा निकटवर्ती पशुचिकित्सक से सम्पर्क करें। कहा कि घर के बाहर छायादार स्थानों पर कटोरे में पानी भरकर रख दें, जिससे कि अन्य पक्षी भी पानी पी सके। पशु की स्थिति असामान्य दिखने पर नजदीकी पशुचिकित्सक से सम्पर्क करें या गम्भीर स्थिति उत्पन्न होने पर हेल्पलाइन नं0 1962 पर सम्पर्क करे। उपरोक्त विन्दुओं को अपनाकर पशु-पक्षियों की रक्षा करें तथा उन्नत जर्म प्लाज्मा को संरक्षित करें।



सुभाषितम्

हमारे अंदर अंधकार और रोशनी दोनों है, यह हमें चुनना है कि इनमें से हम किस को महत्व देते है। - जे. के. रालिंग

वर्तमान संदर्भ में भगवान महावीर का अनेकांत सिद्धांत

भगवान महावीर का आज जन्म दिवस है। 2623 वर्ष उनका जन्म कल्याणक हुआ था। उन्होंने अपने जीवन में अनेकांत का सिद्धांत प्रतिपादित कर मानव जीवन और प्रकृति को संरक्षित किया था। इस सिद्धांत में उन्होंने भाव हिंसा को सबसे बड़ी हिंसा बताया था। मन में जो भाव आते हैं, वहीं से क्रिया शुरू हो जाती है। अतः उन्होंने मन की सोच को नियंत्रित रखने के लिए, अहिंसा, सत्य, अचोर्य (त्याग) ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह के पांच सिद्धांत को मानव जीवन शैली के लिए जरूरी बताया। जीवन शैली की सोच को बदलकर, मन-विचार और शरीर को उन्नत अवस्था में ले जाकर मनुष्य जीवन और प्रकृति को सुरक्षित एवं सुखी बनाने का मार्ग सभी को बताया था। जब महावीर का जन्म हुआ था, उस समय सारी पृथ्वी में हिंसा फैली हुई थी। उस हिंसा को रोकने के लिए भगवान महावीर ने मन को नियंत्रित रखने के लिए प्रेम और वात्सल्य को महत्वपूर्ण बताया। वात्सलय एक ऐसी अवस्था होती है, जिसमें हर प्राणी के मन में एक दूसरे के प्रति मैत्री भाव उत्पन्न होता है। वात्सल्य अवस्था में ही शरीर स्वस्थ रहता है। क्रोध से मुक्ति मिलती है। बीमारियों से बचाव होता है। सत्य से भरा हुआ जीवन भय को दूर करता है। भय के कारण ही मानसिक शारीरिक और आर्थिक संकट पैदा होते हैं। जिसका प्रभाव मन मस्तिष्क पर पड़ता है। जिसके कारण मस्तिष्क और शरीर की ऊर्जा धीरे-धीरे नष्ट होने लगती है। तीसरा उन्होंने अचोर्य का सिद्धांत प्रतिपादित किया। इस सिद्धांत में चोरी करना अथवा जरूरत से ज्यादा चीजों को एकत्रित करने के लिए दूसरों के साथ ठगी करना, मन को विकृत करता है। चोरी नहीं करने और त्याग करने से मन और बुद्धि निर्मल होती है। चौथा सिद्धांत ब्रह्मचर्य का दिया। अपनी आत्मा में लीन होना ही ब्रह्मचर्य है। ब्रह्मचर्य का मतलब है अपने आप में लीन हो जाना। जिस तरह से नर और मादा संभोग के समय सब कुछ भूलकर आनंद की अवस्था में पहुंचता है। इसी तरह मानसिक रूप से ब्रह्मचर्य की अवस्था मस्तिष्क पर नियंत्रण कर लेना ही ब्रह्मचर्य की अवस्था है। बाहर की दुनिया के रिश्ते अशांति पैदा करते हैं। विभिन्न समस्याओं को सामने लाते हैं। जिसके कारण मन और मस्तिष्क की सोच बदल जाती है। मन और आत्मा पर स्वयं का नियंत्रण होने से हम बाहर की दुनिया से दूर हो जाते हैं। आंतरिक आत्मा की शक्ति से हमारा जुड़ाव बढ़ता जाता है। पांचवा सिद्धांत अपरिग्रह का दिया। इसमें आवश्यकता से अधिक चीजों को रखना अपरिग्रह माना गया है। अच्छे जीवन जीने के लिए जो जरूरी है। वह नैतिकता के आधार पर रखना, अच्छे जीवन का कारण बनता है। मानव जीवन में जब अज्ञानता से वशीभूत होकर आवश्यकता से अधिक चीजों का संग्रह करने लगते हैं, उसके कारण जीवन कठिन हो जाता है। लोभ के वशीभूत होकर दूसरों के अधिकारों पर अतिक्रमण कर छीनने की कोशिश करते हैं। इससे हिंसा बढ़ती है। इसका असर घर, परिवार, समाज और राष्ट्र के सभी लोगों पर पड़ता है। प्रकृति के सभी जीवों पर भी इसका असर पड़ता है। महावीर के इन पांच सिद्धांतों के कारण सारी दुनिया में हिंसा कम हुई। भगवान महावीर, मन की हिंसा को नियंत्रित करने पर जोर देते थे। भगवान महावीर के सिद्धांत में, जो हम सोचते हैं वही हम करते भी हैं। हमारी सोच में नैतिकता, प्रेम और वात्सल्य नहीं होगा, ऐसी स्थिति में जो भी सोच होगी, उसके अनुसार क्रिया करेंगे। कर्म फल सोच के साथ ही शुरू होते हैं। जो आपके जीवन को शांत और अशांत बना देते हैं। महावीर काल में चारों ओर हिंसा का वातावरण था। भगवान महावीर के अनेकांत सिद्धांत ने मानव जीवन को जो नया रास्ता दिखाया, उसके बाद हिंसा कम हुई, लोगों ने अहिंसा का महत्व समझा ओर अपने जीवन को सुखमय बनाया। भगवान महावीर के सिद्धांतों से जहां मानव जीवन सुखी हुआ वही प्रकृति भी संरक्षित हुई। जिसके कारण लोगों ने महावीर को भगवान महावीर के रूप में मानना शुरू कर दिया। वर्तमान स्थिति में विश्व के सभी देशों में हिंसा का वातावरण बना हुआ है।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका। जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है। मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है।अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

आखिर क्यों धधक रही है हमारी पृथ्वी?

- योगेश कुमार गोयल



न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चचाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। प्रकृति पिछले कुछ वर्षों से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत दे रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि बड़ी बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है। धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे। सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी। धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

क्या कांग्रेस घोषणापत्र मुस्लिम लीग की सोच को प्रतिबिंबित करता है?

-राम पुनियानी

गत 4 अप्रैल 2024 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 2024 के आमचुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया। पार्टी ने इसे न्याय पत्र का नाम दिया है। इसमें जाति जनगणना, आरक्षण पर 50 प्रतिशत की ऊपरी सीमा हटाने, युवाओं के लिए रोजगार, इंटर्नशिप की व्यवस्था, गरीबों के लिए आर्थिक मदद आदि का वायदा किया गया है। घोषणापत्र का फोकस महिलाओं, आदिवासियों, दलितों, ओबीसी, किसानों और युवाओं व विद्यार्थियों के लिए न्याय पर है। कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि घोषणापत्र यह वादा करता है कि भाजपा के पिछले 10 सालों के शासनकाल में समाज के विभिन्न तबकों के साथ हुए अन्याय को समाप्त किया जाएगा। नरेन्द्र मोदी ने इस घोषणापत्र की निंदा करते हुए कहा कि घोषणापत्र पर (स्वतंत्रता-पूर्व की) मुस्लिम लीग की विघटनकारी राजनीति की छाप है और यह वाम विचारधारा से प्रभावित है। यह सुनकर भारतीय राष्ट्रवादी विचारधारा के सर्जक और आरएसएस के द्वितीय सरसंघचालक एम।एस।गोलवलकर की याद आना स्वाभाविक है, जिन्होंने अपनी पुस्तक बंच ऑफ थॉट्स में बताया है कि हिन्दू राष्ट्र के लिए तीन आतंरिक खतरे हैं झ मुसलमान, ईसाई और कम्युनिस्ट। इनमें से दो की चर्चा भाजपा समय-समय पर विभिन्न स्तरों पर करती रही है और अब भी करती है। साम्प्रदायिकता भाजपा का प्रमुख हथियार है। सन 1937 के राज्य विधानमंडल चुनावों के लिए मुस्लिम लीग के घोषणापत्र और चुनाव कार्यक्रम में मुस्लिम पहचान से जुड़ी मांगें थीं और उसमें समाज के कमजोर वर्गों की भलाई के लिए सकारात्मक कदमों की कहीं चर्चा नहीं थी। भाजपा के आरोपों के जवाब में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने एकदम ठीक कहा कि भाजपा के पुरखे और मुस्लिम लीग एक दूसरे के सहयोगी थे। सच तो यह है कि धार्मिक राष्ट्रवादी समूहों - मुस्लिम लीग, हिन्दू महासभा और आरएसएस झ में अनेक समानताएं हैं। औपनिवेशिक भारत में आ रहे परिवर्तनों की प्रतिक्रिया में ये तीनों संगठन समाज के अस्त होते हुए वर्गों ने गठित किए थे। ब्रिटिश भारत में औद्योगीकरण, आधुनिक शिक्षा के प्रसार व न्यायपालिका और नई प्रशासनिक व्यवस्था की स्थापना के साथ-साथ संचार के साधनों के विकास के कारण कई नए वर्ग उभरे झ श्रमजीवी वर्ग, आधुनिक शिक्षा प्राप्त वर्ग और आधुनिक उद्योगपति। इससे पुराने शासक वर्ग के जमींदारों और राजाओं-नवाबों को खतरा महसूस होने लगा। उन्हें लगा कि उनका सामाजिक-राजनैतिक-आर्थिक वर्चस्व समाप्त हो जाएगा। उभरते हुए वर्गों के नारायण मेघाजी लोखंडे, कामरेड सिंगारवेलु और कई अन्यों ने श्रमिकों को एकजुट किया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और कई अन्य दल इन वर्गों की राजनैतिक अभिव्यक्ति के प्रतीक बन कर उभरे। स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व इन दलों के मूलभूत मूल्य थे। जमींदारों और राजाओं के अस्त होते वर्गों ने यूनाइटेड पेट्रियोटिक एसोसिएशन का गठन किया, जो अंग्रेजों के प्रति वफादार थी। ये वर्ग जातिगत और लैंगिक ऊंचनीच में पूर्ण आस्था रखते थे। समय के साथ यह संगठन बिखर गय और इसमें से 1906 में मुस्लिम लीग और 1915 में हिन्दू महासभा उभरे। सावरकर ने अपनी पुस्तक एसेंशियल्स ऑफ हिंदुत्व में यह प्रतिपादित किया कि भारत में दो राष्ट्र हैं झ हिन्दू राष्ट्र और मुस्लिम राष्ट्र। इसी से प्रेरित हो कर 1925 में गठित आरएसएस ने हिन्दू राष्ट्र का एजेंडा अपनाया तो लन्दन में पढ़ने वाले कुछ मुस्लिम लीग समर्थकों ने ह्यपकिस्तानह्न शब्द गढ़ा। इन दोनों धाराओं के पैरोकार क्रमशः हिन्दू राजाओं और मुस्लिम बादशाहों-नवाबों के शासनकाल को देश के इतिहास का सुनहरा और महान दौर मानते थे। स्वाधीनता आन्दोलन के दौरान दोनों ने अंग्रेजो का भरपूर समर्थन किया। उनकी रणनीति यह थी कि अंग्रेजों के साथ मिलकर वे अपने शत्रु (हिन्दुओं या मुसलमानों) से निपटना चाहते थे। हिन्दू राष्ट्रवाद के प्रमुख स्तंभ सावरकर ने अहमदाबाद में हिन्दू महासभा के 19वें अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा, आज के भारत को एक और एकसार राष्ट्र नहीं माना जा सकता। उलटे यहाँ दो मुख्य राष्ट्र हैं झ हिन्दू और मुसलमान। द्विराष्ट्र सिद्धांत की आधार पर ही जिन्ना ने 1940 में लाहौर में आयोजित मुस्लिम लीग के अधिवेशन में अलग मुस्लिम राष्ट्र की मांग की। आरएसएस के अनाधिकारिक मुखपत्र आगेर्नाइजर ने लिखा, ।।।। हिंदुस्तान में केवल हिन्दू ही राष्ट्र हैं और हमारा राष्ट्रीय ढांचा इसी मजबूत नींव पर रखा जाना चाहिए।।। यह राष्ट्र हिन्दुओं, हिन्दू परम्पराओं, संस्कृति, विचारों और महत्वकांक्षाओं पर आधारित होना चाहिए। मुस्लिम लीग और हिन्दू महासभा ने बंगाल, सिंध और नार्थ-वेस्ट फ्रंटियर प्रोविंस में 1939 में संयुक्त सरकारें बनाईं। सिंध में जब मुस्लिम लीग ने विधानमंडल में पाकिस्तान के गठन के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया तब हिन्दू महासभा के सदस्य चुप्पी साधे रहे। सुभाष चन्द्र बोस ने जर्मनी से प्रसारित अपने वक्तव्य में मुस्लिम लीग और हिन्दू महासभा दोनों से ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आन्दोलन में शामिल होने की अपील की। ये दोनों और आरएसएस 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन से दूर रहे। सावरकर ने द्वितीय विश्वयुद्ध में जीत हासिल करने में इंग्लैंड की मदद करने का हर संभव प्रयास किया। उन्होंने कहा, हर गाँव और हर शहर में हिन्दू महासभा की शाखाओं को सक्रिय रूप से हिन्दुओं को (अंग्रेज) थल, जल और वायु सेना और फौजी समान बनाने वाले कारखानों में भर्ती होने के लिए प्रेरित करना चाहिए। जिस वक्त सुभाष बोस की आजाद हिन्द फौज, ब्रिटिश सेना से लड़ रही थी, उस समय सावरकर ब्रिटिश सेना की मदद कर रहे थे। यह साफ है कि हिन्दू महासभा और मुस्लिम लीग दोनों अंग्रेजों के हितों की पोषक थीं।

झूठ के हलफनामे और हलफनामों का झूठ ...

-राकेश अचल

`भारत के नेता कितना झूठ बोल सकते हैं ,इसकी कल्पना दुनिया का कोई मनोवैज्ञानिक,चिकित्स्क या वैज्ञानिक नहीं कर सकता । भारत के नेताओं की पोल उस वक्त खुलती है जब देश में चुनाव होते है। देश में इस समय लोकसभा के चुनाव चल रहे है। इन चुनावों में जो प्रत्याशी हैं उनके सम्पत्ति के बाबद दिए जा रहे हलफनामें देखकर हंसी आती है। लेकिन केंचुआ के पास ऐसी कोई दूरबीन नहीं है जो इन हलफनामों की जांच कर सके। इस मामले में सभी दलों के नेता एक से बढ़कर एक हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा का नेतृत्व करने वाले देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह के हलफनामे से ही बात शुरू करते हैं। गांधीनगर से भाजपा उम्मीदवार और गृह मंत्री अमित शाह के पास 20 करोड़ की चल और 16 करोड़ की अचल संपत्ति है लेकिन शाह के पास खुद की कार नहीं है। आयोग में दाखिल चुनावी हलफनामे के अनुसार, उनके पास 72 लाख के गहने हैं। इनमें उनके खरीदे हुए सिर्फ 8.76 लाख के हैं। पत्नी के पास सोने के 1620 ग्राम और हीरे के 63 कैरेट के गहने हैं ग्रह मंत्री के पास 24,164 रुपये नकद, 42 लाख का लोन भी। शाह साहब करोड़पति होकर भी कार क्यों नहीं खरीद पाए ये एक रहस्य है। इसका उद्घाटन वे खुद कर सकते हैं या राम जी। कहते हैं कि राजनीति में आने से पहले वे मनसा में प्लास्टिक के पाइप का पारिवारिक व्यवसाय संभालते थे। वे बहुत कम उम्र में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए थे। 1982 में उनके अपने कॉलेज के दिनों में शाह की भेंट नरेंद्र मोदी से हुई। 1983 में वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े और इस तरह उनका छात्र जीवन में राजनीतिक रुझान बना ।शाह साहब 1997 सेचुनाव लड़ रहे है। पहले वे विधायक हुआ करते थे, अब देश के गृहमंत्री है। उनका खानदानी पेशा दलाली [ब्रोकरेज] का है। शाह जी ने अब तक 5 विधानसभा चुनाव लाडे और जीत। लोकसभा का पहला चुनाव उन्होंने 2019 में लड़ा और जीते,जीते ही नहीं सीधे गृहमंत्री भी बनाये गए ,लेकिन बेचारे 27 साल में एक कार नहीं खरीद पाए। अब आपको मै पूरे 543 नेताओं के हलफनामे तो दिखा नहीं सकता किन्तु जो दिलचस्प हैं उनकी बात अवश्य करता हूँ । अल्पसंख्यकों के नेता औबेसी का चुनावी हलफनामा औबेसी की सम्पत्ति का खुलासा करता है। चुनाव आयोग में भरे अपने हलफनामे में असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी संपत्ति को लेकर खुलासा किया है. इसके मुताबिक उनके पास 2.80 करोड़ रुपए की चल संपत्ति हैं. इसमें कैश, सोना, बीमा जैसे चीजें शामिल हैं। ओवैसी की पत्नी के नाम पर 15.71लाख रुपए की चल संपत्ति दर्शाई गई है , जबकि उनके पास 16.01 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति भी है। 1994 से चुनावी राजनीति में सक्रिय औबेसी ओवैसी पर 7 करोड़ रुपए का लोन भी है। उन्होंने एक घर लोन पर लिया है जिसकी कीमत 3.85 करोड़ रुपए है। सबसे दिलचस्प हलफनामा मध्यप्रदेश के 18 साल मुख्यमंत्री रहे मामा शिवराज सिंह चौहान का है विदिशा लोकसभा के बीजेपी प्रत्याशी नामांकन दाखिल करने वाले शिवराज सिंह चौहान ने चुनाव आयोग को दिए हलफनामे में बताया है कि उनके पास 1,24,85,475 रुपये की चल और 2,17,60,000 रुपये की अचल संपत्ति है. शिवराज की पत्नी साधना सिंह की संपत्ति भी 5 महीनों में 15 लाख रुपए बढ़ी है.

आज का राशिफल

मेष आज भाग्य आपका साथ देगा। आर्थिक कष्ट से मुक्ति मिलेगी और धन लाभ के योग हैं।

वृषभ आर्थिक लाभ का दिन है और आज आपके घर में शुभ मांगलिक कार्य के आयोजन पर चर्चा होगी।

मिथुन देखकर सभी हैरान होंगे और आपकी खुद की नजर भी इन उपलब्धियों को लग सकती है।

कर्क धन में वृद्धि होगी। कार्य सफल होंगे। आप हमेशा ही अपने परिवार की सलामती के लिए कटिबद्ध रहते हैं।

सिंह आज का दिन सम्मान से भरा होगा। आपको कारोबार की चिंता परेशान करेगी।

कन्या व्यस्तता में बीतेगा और आपको दूसरों के कार्य पूर्ण करने के लिए काफी भागदौड़ करनी पड़ेगी।

तुला आज आपको अकारण ही परेशान और चिंतित होना पड़ सकता है।

वृश्चिक कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में आए तनाव को आप अपने ऊपर हावी न होने दें।

धनु आज आपको किसी नए संपर्क से लाभ मिलेगा। आज आपको रुका हुआ धन कठिनाई से मिलेगा।

मकर धार्मिक कामों में भाग लेने से आपका सम्मान बढ़ेगा। ग्रह चाल शुभ होने से आपको लाभ होगा।

कुंभ आज उच्चाधिकारियों से आपको घनिष्टता प्राप्त होगी और आपके संबंध बेहतर होंगे।

मीन आज आर्थिक लाभ होगा। ज्ञान विज्ञान का भंडार है। उन्नति के क्षेत्र में कई मार्ग खोलेंगे।

विशेष

चुनाव बांड और मोदी जी के तर्क का कमाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी बांड को सरकार का सही कदम बताया है। उन्होंने कहा कि चुनावी बांड काला धन रोकने के लिए लाया गया था। राजनीतिक दलों को कितना चंदा मिला है। यह जानना चुनावी बांड के कारण संभव हुआ। यह अलग बात है कि 3 साल से कम पुरानी कंपनियों में भी करोड़ों रुपए का चंदा दिया है। कंपनी एक्ट और आयकर के नियमों का उल्लंघन हुआ है। जिन कंपनियों का मुनाफा नहीं था, उन कंपनियों ने भी करोड़ों का चंदा दिया है। 100 करोड़ के बांड किसने खरीदे हैं। इसका पता अभी तक नहीं लग पाया है।

तेजस्वी भी फेंकने के मामले में कम नहीं?

बिहार के उपमुख्यमंत्री रहे, तेजस्वी यादव ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में वादा किया है। उनकी सरकार बनी, तो गरीब बहनों को हर साल 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। उनकी इस घोषणा से भाजपा नेता हैरान और परेशान हैं। कांग्रेस के घोषणा पत्र में इसका उल्लेख है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव मे जारी किया है। इस वादे को तेजस्वी यादव ने अपनी पार्टी के घोषणा पत्र में शामिल किया है। केंद्र में गठबंधन की सरकार बनेगी। कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी होगी। कांग्रेस की घोषणा के अनुसार केंद्र सरकार उसके अनुसार निर्णय करेगी। भाजपा नेताओं ने इस घोषणा को बिहार सरकार से जोड़ दिया है। तेजस्वी यादव सबसे तेज फेंक रहे हैं।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1529: स्पेन और पुर्तगाल ने प्रशांत में अपने हितों को रक्षा के लिए एक समझौता किया. 1724: जर्मन दार्शनिक इमैनुएल कांट का जन्म हुआ. 1796: फ्रांस के नेपोलियन बोनापार्ट ने पाइमो सेना को पराजित किया. 1979: प्रथम विश्व युद्ध में जर्मन सेना ने पश्चिमी मोर्चे पर पहली बार जहरीली गैस का प्रयोग किया. 1921: नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने आईसीएस से इस्तीफा दिया. 1926: फ्रांस, तुर्की और अफगानिस्तान में आपसी सुरक्षा संधि हुई. 1931: मिस्त्र और इराक में मैत्री संधि हुई. 1946: चीन ने अपने अधीन तिब्बत को क्षेत्रीय स्वायत्तता देने के लिए दलाई लामा की अध्यक्षता में समिति गठित की. 1958: नौ सेना के प्रथम भारतीय प्रमुख आर. डी. कटारी ने पदभार संभाला. 1969: ब्रिटेन के राबिन नाक्स जान्सन ने समुद्री मार्ग से दुनिया की यात्रा अकेले पूरी की.

दैनिक पंचांग

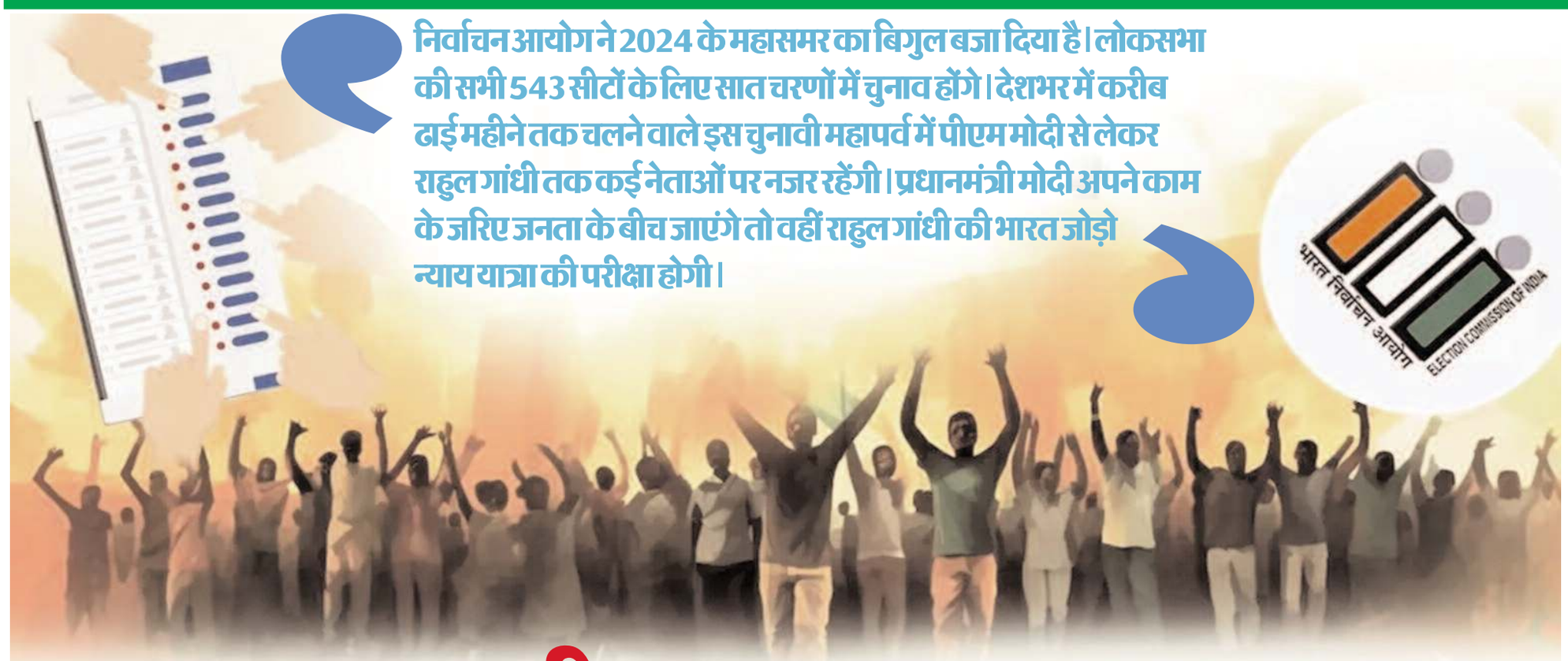
22 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.51 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	08.49 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	11.03 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.19 बजे से
गुरु	मेष में	कन्या	15.31 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.42 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	19.56 ब.से
राहु	मीन में	धनु	22.12 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	00.17 बजे से
राहुकाल		कुंभ	02.04 बजे से
7.30 से 9.00 बजे तक		मीन	03.37 बजे से
		मेष	05.07 बजे से

सोमवार 2024 वर्ष का 113 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 03.26 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 20.00 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 04.28 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 14.21 बजे तदनन्तर वणिज 03.26 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 13.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 12° 17' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871957 **जूलियन दिन** 2460422.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** सव्वाल **तारीख** 12 **विशेष** रेणुका चतुर्दशी, पृथ्वी दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक		चर	05.43 से	07.14 बजे तक	
काल	07.22 से	08.50 बजे तक		रोग	07.14 से	08.45 बजे तक	
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक		काल	08.45 से	10.17 बजे तक	
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक		लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक	
उद्वेग	11.48 से	01.17 बज



निर्वाचन आयोग ने 2024 के महासमर का बिगुल बजा दिया है। लोकसभा की सभी 543 सीटों के लिए सात चरणों में चुनाव होंगे। देशभर में करीब ढाई महीने तक चलने वाले इस चुनावी महापर्व में पीएम मोदी से लेकर राहुल गांधी तक कई नेताओं पर नजर रहेंगी। प्रधानमंत्री मोदी अपने काम के जरिए जनता के बीच जाएंगे तो वहीं राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की परीक्षा होगी।

चुनावी महासमर 2024

इन पर रहेंगी सबकी निगाहें

लोकसभा चुनाव की तारीखों का भारत निर्वाचन आयोग ने एलान कर दिया है। लोकसभा चुनाव 2024 सात चरणों में संपन्न होंगे। पहला चरण 19 अप्रैल, दूसरा चरण 26 अप्रैल, तीसरा चरण 7 मई, चौथा चरण 13 मई, पांचवां चरण 20 मई, छठा चरण 25 मई और सातवां चरण 1 जून को होगा। जबकि 4 जून को नतीजे घोषित होंगे। ऐसे में आइये डालते हैं उन नेताओं पर एक नजर, जिन पर इस बार लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा निगाहें रहेंगी।



नरेन्द्र मोदी

बस नाम,और काम ही काफी है...

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 73 वर्ष के हैं। उनके बारे में कहा जा सकता है कि बस नाम ही काफी है। और ये नाम ऐसे ही नहीं बना। इसके पीछे उनका वह काम है जो उन्होंने पिछले दो दशक से भी ज्यादा समय में गुजरात का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री रहते हुए किया है। इसी के दम पर वह देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए लगातार तीसरी जीत की तरफ बढ़ रहे हैं। नरेन्द्र मोदी का आत्मविश्वास इतना मजबूत है कि विपक्ष के बड़े नेता भी कह रहे हैं कि 2024 के चुनाव में भाजपा गठबंधन 400 से अधिक सीटें प्राप्त कर सकता है।

अमित शाह

अपने सभी वादे पर खरे उतरे

भाजपा के संगठन के रूप में पहले से ज्यादा मजबूत बनाने और चुनाव के लिए अचूक रणनीति की बात करेंगे तो एक ही नाम दिमाग में आएगा। वह है केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का। अमित शाह के गृह मंत्री रहते हुए ही जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया गया। तत्काल तीन तलाक पर प्रतिबंध लगा और हाल ही में सीएए को पूरे देश में लागू किया गया। 59 वर्षीय शाह एक बार फिर चुनावी युद्ध में अपने सैनिकों का नेतृत्व करते हुए नजर आएंगे।

● पीएम मोदी का 'काम' तो राहुल की 'यात्रा' की होगी अग्निपरीक्षा

● लोकसभा चुनाव में अस्तित्व बचाने उतरेंगे विपक्ष के कई नेता

नीतीश कुमार

एनडीए के साथ 2019 का प्रदर्शन के दोहराने की उम्मीद

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव से पहले एक बार फिर भाजपा के साथ आ गए हैं। पिछली बार 2019 में भाजपा-जदयू ने बिहार में 40 में से 39 सीट पर कब्जा किया था। ऐसे में नीतीश के फिर से साथ आने से इस बार भी वही प्रदर्शन के दोहराने की उम्मीद होगी।

ममता बनर्जी

बिखरे विपक्ष का मजबूत चेहरा

लगातार मजबूत होती भाजपा का विरोध करने के लिए कांग्रेस ने कई अन्य दलों संग मिलकर आइएनडीआइए बनाया। मगर वह तृणमूल को नहीं साध पाई। जबकि ममता बनर्जी भाजपा के विरोध में एक मजबूत और सशक्त चेहरा हैं।

मल्लिकार्जुन खरगे

बड़ी है लड़ाई,कांग्रेस के अस्तित्व को बचाने की जिम्मेदारी

अक्टूबर 2022 में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने जब पद छोड़ा तो पार्टी की बागडोर मल्लिकार्जुन खरगे ने संभाली। 81 वर्षीय खरगे ऐसे दौर में कांग्रेस का नेतृत्व कर रहे हैं, जब उनका मुकाबला दो लोकसभा चुनाव से अजेय भाजपा से है। इसके अलावा उन पर कांग्रेस के अस्तित्व को बचाने की जिम्मेदारी भी है।

राहुल गांधी

भारत जोड़ो न्याय यात्रा की होगी परीक्षा

2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। यहां तक कि वह अमेठी से स्वयं भी हार गए थे। हालांकि, वायनाड से जीतकर उन्होंने अपनी लोकसभा सदस्यता बचा ली। मगर कांग्रेस के गढ़ में उनकी हार पार्टी को हतोत्साहित करती है। ऐसे में इस बार सवाल है कि क्या वह अमेठी लौटेंगे? उन्होंने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली, लेकिन तीन तीन राज्यों में चुनावी हार इस पर सवालिया निशान लगा दिया। ऐसे में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में 53 वर्षीय राहुल गांधी कांग्रेस को कितनी सीटें जितवाते हैं यह तो समय ही बताएगा।

नितिन गडकरी

इनका तो काम ही इनकी पहचान है

नितिन गडकरी भाजपा सरकार के उन मंत्रियों में से एक हैं जो सरकार के काम को पुख्ता बनाते हैं। देशभर में तेजी से बन रहे हाईवे को देखकर अब तो जनता तक कहने लगी है कि काम हो तो नितिन गडकरी जैसा। गांव की गलियों से लेकर देश की सीमा तक सड़कों का जाल बिछ रहा है, जिससे मोदी सरकार की छवि तेजी से काम करने वाली सरकार की बनी है।

असदुद्दीन ओवैसी

किसका खेल बिगाड़ेंगे

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने जब भी तेलंगाना से बाहर निकल अन्य राज्यों के चुनाव में हिस्सा लिया। उन्होंने भाजपा के सामने खड़े दलों के लिए हालात चुनौतीपूर्ण बना दिए। ऐसे में कुछ दल और नेता उन्हें भाजपा की बी टीम भी करार देते हैं। 54 वर्षीय ओवैसी तेलंगाना के अलावा देश के विभिन्न राज्यों में अपनी पार्टी का जनाधार बढ़ाने में जुटे हुए हैं। ऐसे में देखना होगा कि इस बार वह विपक्षी दलों का गणित बिगाड़ेंगे या भाजपा का।

एमके स्टालिन

दक्षिण में आइएनडीआइए की उम्मीद

डीएमके सुप्रीमो एमके स्टालिन ने तमिलनाडु में अपना प्रभुत्व स्थापित कर दक्षिण के राज्य में भाजपा कड़ा विरोध किया है। ऐसे में उम्मीद है कि वामपंथियों और कांग्रेस को साथ लेकर स्टालिन राज्य में विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए को जरूरी चुनावी बढ़त दिला सकेंगे। 71 वर्षीय स्टालिन गांधी-नेहरू परिवार के कट्टर समर्थक हैं। हालांकि, उनके पुत्र और पार्टी के कुछ नेताओं की 'सनातन' पर विवादास्पद टिप्पणियों ने कई बार आइएनडीआइए को बैकफुट पर ला दिया है। इसका गठबंधन को उत्तर भारत में नुकसान उठाना पड़ सकता है।

प्रियंका गांधी वाड्रा

विरासत बचाने की चुनौती



सोनिया गांधी लोकसभा चुनाव लड़ने से मना कर चुकी हैं। कयास हैं कि प्रियंका रायबरेली से उम्मीदवार हो सकती हैं। ऐसे में उन्हें अपना राजनीतिक सफर शून्य से शुरू करना होगा। क्योंकि वह आजतक कोई चुनाव नहीं लड़ी हैं। वहीं, राहुल के 2019 में अमेठी से हारने के बाद अब उन पर यूपी में गांधी-नेहरू परिवार की राजनीतिक विरासत को बचाने की जिम्मेदारी भी होगी।

अखिलेश यादव

अपनी सीटें बढ़ाने की चुनौती



भाजपा को रोकने के लिए एक बार फिर अखिलेश यादव ने यूपी में गठबंधन का दांव खेला है। यूपी में उनके साथ कांग्रेस भी है। हालांकि, हाल ही में जयंत सिंह की रालोद के एनडीए में लौट जाने से झटका भी लगा है। पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा के साथ गठबंधन किया था और पांच सीटें जीती थीं। इस बार अखिलेश के सामने अपनी सीटें बढ़ाने की चुनौती है।

उद्धव ठाकरे

सरकार ही चली गई और पार्टी भी गई

महाराष्ट्र में शिवसेना का मतलब ठाकरे हुआ करता था। मगर उद्धव ठाकरे ने जैसे ही भाजपा को छोड़ कांग्रेस का दामन थामा उनकी विधायक और सरकार तो गई ही। उनकी पार्टी भी उनसे छिन गई। अब उनकी पार्टी का नाम है शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे)। ऐसे में आगामी लोकसभा चुनाव में क्या रहेगी रणनीति इस सबकी नजरें रहेंगी।

शरद पवार

क्या शरद रणनीति का पावर दिखाएंगे भतीजे को



राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुखिया शरद पवार का हाल भी उद्धव ठाकरे जैसा ही है। उनके भतीजे अजित पवार ने शिवसेना (शिंदे गुट) से हाथ मिला राज्य (कांग्रेस, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) की सरकार को गिरा दिया। अब देखना होगा शरद पवार लोकसभा चुनाव में भतीजे के खिलाफ क्या रणनीति अपनाते हैं।

योगी आदित्यनाथ

काम के दम पर लोकप्रियता कायम



यूपी में जब योगी आदित्यनाथ को सीएम बनाया गया तो बहुत सवाल उठे थे। मगर अपनी मेहनत और लगन से उन्होंने साबित किया अच्छा काम करने के लिए नीयत चाहिए, जो कि उनके पास है। यही कारण है कि कोरोना काल में उनके काम की तारीफ ऑस्ट्रेलिया के एक एमपी ने भी की थी। इसी कारण आज यूपी की छवि वैश्विक स्तर पर भी चमक रही है।

ग्वार की बुआई का समय एवं बीज की मात्रा



उपज

ग्वार शुष्क क्षेत्रों में उगाई जाने वाली दलहनी फसल है जिसे भारत में अफ्रीका से लाया गया था। ग्वार की फसल आज विभिन्न देशों में उगाई जाती है तथा वर्तमान समय में भारत ग्वार उत्पादन में अग्रणी है। सम्पूर्ण विश्व के कुल ग्वार उत्पादन का 80 प्रतिशत अकेले भारत में पैदा होता है। भारत में 2.95 मिलियन हैक्टर क्षेत्र में ग्वार की फसल उगाई जाती है जिससे 130 से 530 किलोग्राम प्रति हैक्टर ग्वार का उत्पादन होता है, जोकि 65 देशों में नियत किया जाता है। भारत से ग्वार गोंद (गम) का निर्यात 1995-1996 में 83000 टन से बढकर 2006-2007 में 205000 टन और वर्तमान वर्ष में 201000 टन ग्वार गम भारत से दूसरे देशों में निर्यात होने की उम्मीद की जा रही है।

ग्वार का उपयोग

ग्वार की फसल मुख्यत: भारत के उत्तर-पश्चिमी राज्यों (राजस्थान, हरियाणा, गुजरात एवं पंजाब) में उगाई जाती है। ग्वार एक बहुउद्देशीय फसल है जोकि बढ़ते जलवायु परिवर्तन एवं घटते संसाधनों में अहम भूमिका निभाती है। इससे प्राप्त होने वाली फलियों को सब्जी के रूप में एवं दानों को पशु आहार एवं गोंद उद्योग में प्रयोग किया जाता है। इससे प्राप्त होने वाले पौष्टिक चारे को हरे एवं शुष्क चारे के रूप में पशुओं को खिलाया जाता है।

गोंद निचोड़ने के बाद विभिन्न प्रकार के उत्पाद जैसे-ग्वार आटा, ग्वार खली, ग्वार चूरी एवं ग्वार कोरमा (अधिक प्रोटीन युक्त) पशुओं एवं सूअरों को दाने के रूप में खिलाया जाता है और ग्वार गम का प्रयोग पेपर उद्योग, कपड़ा उद्योग एवं इमारती लकड़ी फिनीशिंग के रूप में किया जाता है। ग्वार की बढ़ती मांग और उत्पादन लागत में कमी को देखते हुए किसानों में ग्वार की खेती की लोकप्रियता बढ़ी है। वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर ग्वार के बीज की मांग दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। क्योंकि ग्वार बीज का उपयोग गोंद उद्योग के साथ-साथ पेट्रोलियम उद्योग में भी किया जा रहा है।

ग्वार की फसल के लिए उपयुक्त जलवायु

ग्वार शुष्क जलवायु की कम पानी की आवश्यकता वाली फसल है। ग्वार को ग्रीष्म और वर्षा ऋतु दोनों में ही उगाया जा सकता है। इसे भारी काली मृदाओं को छोड़कर सभी प्रकार की मृदाओं में उगाया जा सकता है। अधिक ग्वार उत्पादन के लिए उचित जलनिकास वाली बलुई दोमट से दोमट मृदाएं सर्वोत्तम होती है।

ग्वार की फसल के लिए भूमि की तैयारी

रबी फसल की कटाई के बाद खाली पड़े खेतों में पहली जुताई मिट्टी पलट हल (हैरो) से करने के बाद दो जुताई कल्टीवेटर से करनी चाहिए और बाद में पाटा लगाकर खेत को समतल कर लेना चाहिए। पाटा लगाने से भूमि में नमी बनी रहती है।

ग्वार की बुआई दो समय पर की जा सकती है

1.सब्जी के लिए ग्वार को फरवरी-मार्च में आलू, सरसों, गन्ना आदि के खाली पड़े खेतों में बोया जाता है।

2. जून-जुलाई में ग्वार मुख्य रूप से चारे और दाने के लिए पैदा की जाती है। इस फसल की बुआई प्रथम मानसून के बाद जून या जुलाई में की जानी चाहिए। कुछ क्षेत्रों में ग्वार की बुआई सितम्बर से अक्तूबर में भी की जाती है। ग्वार की फसल के लिए 5-8 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर बीज की आवश्यकता पडती है। ग्वार के बीज को राईजोबियम व फॉस्फोरस सोलूबलाइजिंग बैक्टीरिया (पी.एस.बी.) कल्चर से उपचारित करना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक की मात्रा एवं प्रयोग विधि

बुआई से पहले खेत की जुताई के समय 10-12 टन प्रति हैक्टर सड़ी हुई गोबर की खाद मिलानी चाहिए। ग्वार फसल में सामान्यत: 25 कि.ग्रा. नाइट्रोजन 50 कि.ग्रा. फॉस्फोरस और 50 कि.ग्रा. पोटाश का प्रयोग करना चाहिए। जिसमें नाइट्रोजन की आधी मात्रा व फॉस्फोरस और पोटाश की पूरी मात्रा का प्रयोग बुआई के समय करना चहिए तथा शेष नाइट्रोजन बुआई से एक माह बाद छिटकवॉ विधि से प्रयोग करना चाहिए।

खरपतवार एवं सिंचाई प्रबंधन

खरपतवारों को रोकने के लिए बुआई के एक माह बाद एक निराई-गुडाई करनी चाहिए तथा बुआई के तुरन्त बाद बासालीन 800 मि.ली. प्रति एकड़ 250 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। सामान्यत: जुलाई में बोई गई फसलों में सिंचाई की आवश्यकता नहीं पड़ती है। परन्तु वर्षा न होने की दशा में एक सिंचाई फलियाँ बनते समय अवश्य करनी चाहिए।

हरे चारे के रूप में ग्वार की कटाई का समय

ग्वार के हरे चारे वाली फसल की कटाई बुआई के 50-60 दिन के बाद फूल आने की अवस्था में की जानी चाहिए। फली बनने की अवस्था में ग्वार के हरे चारे को खिलाना दुधारू पशुओं के लिए उपयोगी होता है।



औषधीय महत्व

ग्वार का सेवन करने से बीमारियों से लड़ने की क्षमता में विकास होता है।

इसका प्रयोग एनीमिया एवं हानिकारक जीवाणुओं को कम करने में भी किया जाता है।

आयुर्वेद के अनुसार मानव शरीर में बीमारी मूलत: कफ, वात एवं पित्त के संतुलन बिगड़ने से उत्पन्न होती है। ग्वार फली के सेवन से पित्त में कमी आती है वहीं कफ व वात को बढ़ा देती है।

ग्वार में ग्लाइको पोषक तत्व पाये जाने के कारण डाइबिटीज के मरीज में ग्लूकोज स्तर नियमित करता है।

ग्वार भोजन को पचाने के साथ-साथ पाचन तंत्र को भी सही करता है और आँतों में होने वाली बीमारियों को कम करता है।

ग्वार का सेवन करने से दिल मजबूत होता है क्योंकि ग्वार फॉस्फोरस और केल्शियम की उपस्थिति के

ग्वार में लौहे की उपस्थिति के कारण रक्त प्रवाह उगाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रजातियाँ है। अच्छा होता है अत: उच्च वाले व्यक्तियों के कृषि लिए लाभदायक होता है।

ग्वार में हाइपोग्लाइशिमिक तत्व की उपस्थिति के कारण बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने में भी सहायक है। जो लोग चिड़चिड़े एवं चिन्तित रहते हैं उनके लिए भी लाभदायक है।

ग्वार में विटामिन की प्रचुरता के कारण गर्भस्थ शिशु और उसे अनेक बीमारियों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है और साथ-साथ भी लाभदायक होता है। हड्डियों को सुदृढ बनाने एवं प्रौढ़ता से लड़ने में भी सहायक होता है।

ग्वार की कटाई और उपज

ग्वार की कटाई उस समय करनी चाहिए जब उसकी पतियाँ पीली पड कर झड़ जायें तथा फलियों का रंग भूसे जैसा दिखने लगे, अन्यथा कटाई में देरी करने पर फलियों के छिटकने से बीज जमीन पर गिर जाएंगे। ग्वार फसल से हरे चारे की औसत उपज 150-225 कुण्टल प्रति हैक्टर एवं हरी फलियों की उपज 40-60 कुण्टल प्रति हैक्टर और दाने की उपज 17-19 कुण्टल प्रति हैक्टर प्राप्त होती है।

उन्नतशील प्रजातियाँ

विश्वविद्यालय हिसार से निकाली गई है। दाने की उपज के लिए उत्तम प्रजातियाँ है ।

1. पूसा मौसमी-ग्वार की यह प्रजाति वर्षा ऋतु में यह खून में कोलेस्टरोल को कम करता है। उगाई जाने वाली फसल के लिए सर्वोत्तम है।

2. पूसा सदाबहार एवं पूसा ग्रीष्म ऋतु में कारण हड्डियों को मजबूत करता है।

3. एच.जी. 563,एच.जी. 870 - ये हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से निकाली गई हैं।दाने की उपज के लिए उत्तम प्रजातियाँ हैं।

4. एच.एफ.जी 156-यह एक लम्बी, शाखादार, खुरदरी पत्तियों वाली चारे की प्रजाति है, इसके हरे चारे की औसत उपज 130-140 कुण्टल प्रति एकड़ है।

मृदा स्वास्थ्य

ग्वार दलहनी फसल होने के कारण इसकी जडों में जड़ ग्रन्थियां पाई जाती है, जो वातावरणीय नाईट्रोजन का स्थिरीकरण करती है और मृदा की भौतिक दशा को सुधारने के साथ-साथ अन्य फसलों की उपज में वृद्धि करती है। ग्वार अनुपजाऊ लवणीय एवं क्षारीय मृदाओं को सुधारने का भी कार्य करती है। इसका प्रयोग हरी खाद के रूप में भी किया जाता है।

कपास की जैविक खेती



कपास की जैविक खेती का अपना महत्व है। कपास का भारत में रेशे वाली फसलों में प्रमुख स्थान है और नगदी फसल है। लोग रसायनिक खेती के दुष्परिणामों को जान चुके हैं और रसायनिक तरीके से उत्पादित उत्पादों से दूर जाने लगे हैं। लम्बे रेशा वाले कपास को सर्वोतम माना जाता है जिसकी लम्बाई 5 सेंटीमीटर, मध्य रेशा वाली कपास जिसकी लम्बाई 3.5 से 5 सेंटीमीटर होती है तीसरे प्रकार का कपास छोटे रेशे वाली जिसकी लम्बाई 3.5 सेंटीमीटर होती है। कपास जब जैविक हो उसके रेशे, बिनोले और तेल की महत्ता अपने आप बढ़ जाती है।

जलवायु : कपास के पौधे के लिए उच्च तापमान, साधारण- 20 डिग्री सेंटीग्रेट से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तक है। टिंडे खिलने के समय स्वच्छ आकाश, तेज और चमकदार धूप का होना आवश्यक है। जिससे रेशे में पर्याप्त चमक आ सके तथा टिंडे पूरी तरह खिल सकें और कपास की जैविक खेती के लिए कम से कम 60 सेंटीमीटर वर्षा का होना आवश्यक है।

उपयुक्त भूमि : कपास की जैविक खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टियों में की जा सकती है, किन्तु इसके लिए उपयुक्त भूमि में अच्छी जलधारण और जल निकास क्षमता होनी चाहिए। जिन क्षेत्रों में वर्षा कम होती है, वहां इसकी खेती अधिक जलधारण क्षमता वाली मटियार भूमि में की जाती है। इसके लिए उपयुक्त पीएच मान 5.5 से 6.0 है। हालाँकि इसकी खेती 8.5 पीएच मान तक वाली भूमि में भी की जा सकती है।

बुवाई समय : कपास की बुआई दो समय पर की जाती है प्रथम विधि में वर्षा से पूर्व सूखे खेत में बोना दूसरा एक बारिश के बाद बुआई करना। वर्षा से पूर्व बुआई को अगेती बुआई भी कहते हैं इसमें मानसून/वर्षा आने के 7-8 दिन पूर्व सूखे खेत में बुआई कर देते हैं। वर्षा के बाद जमाव को देख कर आवश्यकता अनुसार खाली जगह पर पुन- बीज वो देते हैं इस विधि में उत्पादन अधिक मिलता है एवं बीज हेतु कपास उगने के लिए यह विधि उत्तम है सामान्तया यह बुआई 10-20 जून के मध्य होती है दूसरा समय बारिश के बाद बुआई का होता है इसमें पहले खेत को पहले तैयार रखते हैं जैसे ही बारिश होती है बुआई कर देते हैं हल्की बारिश के बाद बुआई करते हैं।

बुवाई विधि : कपास की बुआई पंक्ति में की जाती है देसी कपास की बुआई 30×15 सेंटीमीटर पर करते हैं हाइब्रिड एवं अमरीकन कपास की बुआई 45×90 सेंटीमीटर अथवा 45×120 सेंटीमीटर अथवा 30×120 सेंटीमीटर दूरी पर प्रजाति की अनुसार करते हैं।

बीज की मात्रा : बीज की मात्रा बोई जाने वाली प्रजाति पर निर्भर करता है सामान्तया हाइब्रिड कपास 450-500 ग्राम बीज एक एकड़ खेत के लिये पर्याप्त है देसी कपास की बुआई के लिये 5-6 किलोग्राम बीज एक एकड़ खेत हेतु आवश्यक होता है

खेत की तैयारी : गर्मी में गहरी जुताई करें और खेत को तपने के लिए छोड़ दें, इससे फफूंद जनित रोग व इल्ली का प्रकोप होता है। कपास का खेत तैयार करते समय इस बात का ध्यान रखें कि खेत पूर्णतया समतल हो ताकि मिट्टी की जलधारण एवं जल निकास क्षमता दोनों अच्छे हों। यदि खेत समतल न हो तो जुताई ढलान के विरुद्ध दिशा में करें, ताकि सभी कतार के बीच के कूड़ खेत में पानी के बहाव में अवरोधक बनते हैं, जिससे पानी को मिट्टी द्वारा सोखने में अधिक समय मिलता है।

फसल बुवाई के लिए खेत के खरपतवारों और पूर्व की फसल अवशेषों की सफाई करें बुवाई से पहले मेड़ों को साफ करें और कीट को संरक्षण देने वाले गाडर, कासकी, अंगेड़ो, जंगली भिंडी आदि खरपतवारकों नष्ट करें।

जैविक खाद एवं जैव-उर्वरक: कपास की जैविक खेती के लिए बुवाई से 15 दिन पूर्व खेत में 30 से 40 टन प्रति हेक्टेयर अच्छी सड़ी गोबर की खाद या वर्मीकम्पोस्ट 25 से 30 टन प्रति हेक्टेयर तथा 500 किलोग्राम घनजीवामृत बिखेरने के बाद खेत की अच्छी जुताई करें एवं पाटा चलाकर खेत समतल कर लें। खाद डालने के बाद खेत को खुला नहीं छोड़ें। जैव उर्वरक राइजोबियम, पीएसबी, पोटाश एवं जिंक घोलक जीवाणु कल्चर का उपयोग बुवाई से पूर्व बीज उपचार करते समय करें। इन कल्चर की मात्रा उत्पादनकर्ता की संस्तुत के आधार पर निश्चित करें।

बीजोपचार और भूमि उपचार इस प्रकार करें

भूमि उपचार- कपास की जैविक खेती हेतु भूमि शोधन के लिए 2.5 से 3 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर ट्राइकोडर्मा विरिडी को 150 से 200 किलोग्राम वर्मीकम्पोस्ट अथवा गोबर खाद (अच्छी प्रकार सड़ी एवं छान कर) जिसमें पर्याप्त नमी हो में मिलाकर मोटी पॉलीथिन शीट से ढककर 10-12 दिन तक छाया में रखते हैं 3-4 दिन के अंतराल पर इसे पुन- आपस में मिला कर ढक दें इसके पश्चात् बुवाई से पूर्व अंतिम जुताई के समय खेत में समान रूप बिखेर कर मिला दें।



बीज उपचार: बीज जनित रोगों से बचाव के लिए 5-10 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज दर से ट्राइकोडर्मा जैविक फफूंदनाशी से बीज को उपचारित करें इससे जड़ सडन, तना सडन, डैम्पिंग आफ, उकठा, झुलसा आदि फफूंद जनित रोगों से छुटकारा मिलेगा। इसके पश्चात् बीज को एजोटोबैक्टर, पी. एस. बी. एवं पोटाश जैव-उर्वरक (एनपीके जैव-उर्वरक) से उपचारित कर छाया में सुखाकर बोना चाहिए। यदि आवश्यक हो तो जिंक के जैव उर्वरक उपब्ध हैं इनका उपयोग कर सकते हैं। जैव उर्वरक मात्रा का प्रयोग उत्पादक के अनुमोदन के अनुसार करते हैं।

सल्फर का प्रयोग : कपास की जैविक की फसल में सल्फर बहुत आवश्यक है इसके लिए फूल निकलने से पूर्व आर्गेनिक प्रमणित घुलनशील सल्फर 2 प्रतिशत का घोल फसल पर स्प्रे करते हैं, 7 दिन के अंतराल पर दो बार करते हैं।

तरल जैविक खाद : कपास एक अधिक पोषण वाला फसल है। इसको ज्यादा तत्व की जरूरत होती है। इसलिए अच्छी जैविक फसल हेतु खड़ी फसल में तरल खाद आवश्यक होता है। बुवाई के 20 दिन बाद पहली बार तरल खाद जीवामृत 100 लिटर, वेस्ट डी कंपोजर 100 लीटर का ड्रैंचिंग करते हैं ! इसके पश्चात 8-10 दिन के के अंतराल पर चार पांच बार जीवामृत 200 लीटर, वेस्ट डी कंपोजर 200 लीटर, प्रयोग करते हैं। जीवामृत 1 लीटर तथा वेस्ट डी कंपोजर 1 लीटर पानी 12 लीटर मिला कर कड़ी फसल पर स्प्रे करते हैं। मटका खाद 50 लीटर अधिक प्रयोग करते हैं। अन्य तरल खाद का प्रयोग उसकी संस्तुत के अनुसार करते हैं।



निराई-गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

फसल बढ़वार बुवाई के 25 से 25 दिन बाद पहली गुड़ाई कसोले तथा ट्रैक्टर चालित कल्टीवेटर या बैल चालित कल्टीवेटर करते से हैं। शेष निराई-गुड़ाई 2 से 3 बार फूल व टिंडे बनने के पहले ही समाप्त कर लेना आवश्यक है। इस बात का विशेष ध्यान दें कि कपास की फसल बढ़वार वाली अवस्थाओं में पूरी तरह खरपतवार रहित हो। यदि फसल में बोई किस्म के अलावा दूसरी किस्म के पौधे मिले हुए दिखाई दें तो उन्हें निराई के समय उखाड़ दीजिए क्योंकि मिश्रित कपास का मूल्य कम मिलता है।

कपास की चुनाई

कपास में टिंडे पूरे खिल जायें तब उनकी चुनाई कर लीजिये। प्रथम चुनाई 50 से 60 प्रतिशत टिण्डे खिलने पर शुरू करें और दूसरी शेष टिण्डों के खिलने पर करें।

पैदावार

उपरोक्त उन्नत विधि से खेती करने पर देशी कपास की 20 से 25, संकर कपास की 25 से 32 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पैदावार ली जा सकती है।

सिंचाई एवं जल प्रबंधन : यदि वर्षा न हो अंकुरण के बाद पहली सिंचाई 20 से 30 दिन में कीजिये। इससे पौधों की जड़े ज्यादा गहराई तक बढ़ती है। बाद की सिंचाईयां 20 से 25 दिन बाद करें। इस बात का विशेष ध्यान दें कि फूल और फल या टिंडे बनते समय पानी कि कमी न हो मध्य सितम्बर में यदि खेत में नमी न हो तो हलकी सिंचाई करनी चाहिए, ऐसा करने से टिंडे शीघ्र फटते हैं। ध्यान रखें फसल बढ़वार के समय वर्षा का पानी खेत मे न रुकने दें। सिंचाई करते समय पानी हल्का लगाये यदि पौधों के पास पानी रुक जाए, तो यथा शीघ्र निकाल दें खेत में जल निकास हेतु एक नाली रखें। कपास की जैविक फसल में टपक सिंचाई प्रभावी पाई गई है। इससे पैदावार अधिक और पानी की भी बचत होती है।

गोदरेज ग्रुप की ताले बनाने से हुई थी शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। गोदरेज ग्रुप देश के सबसे पुराने घरानों में से एक है। गोदरेज ग्रुप का बंटवारा शुरू हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, परिवार के लोगों ने एक-दूसरे की कंपनियों के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। अब आने वाले समय में जल्द ही शेयरों की अदला-बदली हो जाएगी। गोदरेज ग्रुप करीब 126 साल पुराना है। इस ग्रुप की शुरुआत 1897 में हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, नादिर और आदि गोदरेज ने बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। वहीं जमशेद गोदरेज ने गोदरेज प्रॉपर्टीज और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड के बोर्ड में अपनी सीट छोड़ दी है। अब वह जल्द ही एक-दूसरे की कंपनियों में हिस्से बेच देंगे। यह विभाजन परिवार की दो शाखाओं के बीच हो रहा है। इसमें एक तरफ आदि गोदरेज और भाई नादिर गोदरेज हैं। वहीं दूसरी तरफ उनके



चचेरे भाई जमशेद गोदरेज और उनकी बहन स्मिता गोदरेज कृष्णा हैं। गोदरेज इंडस्ट्रीज एंड एसोसिएट्स का नेतृत्व आदि गोदरेज और उनके भाई करते हैं। वहीं गोदरेज एंड बॉयस (जी एंड बी) का नेतृत्व जमशेद गोदरेज और उनकी बहन करती हैं। आदि ओर नादिर गोदरेज एंड बॉयस में अपने हिस्से को दूसरी शाखा को बेच देंगे। जमशेद गोदरेज और उनके परिवार के लोग गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (जीसीपीएल) और गोदरेज प्रॉपर्टीज में अपने चचेरे भाइयों को पारिवारिक व्यवस्था के तहत हिस्सेदारी हस्तांतरित करेंगे। ऐसा बताया जा रहा है कि यह बंटवारा सौहाद्रपूर्ण तरीके से हो रहा है।

बन गए दो ग्रुप

इस बंटवारे से पहले गोदरेज फैमिली में पहले से ही दो बिजनेस ग्रुप बन गए हैं। इनमें से एक ग्रुप गोदरेज इंडस्ट्रीज एंड एसोसिएट्स है जिसे आदि गोदरेज और उनके भाई नादिर गोदरेज संभालते हैं। वहीं दूसरी तरफ गोदरेज एंड बॉयस मैन्युफैक्चरिंग कंपनी को आदि गोदरेज के चचेरे भाई जमशेद गोदरेज और स्मिता गोदरेज संभालते हैं। इस ग्रुप की पांच कंपनियां शेयर बाजार में लिस्टेड हैं। इनमें गोदरेज इंडस्ट्रीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट, गोदरेज एग्रोवेट, एस्टेक लाइफ साइसेंस और गोदरेज प्रॉपर्टीज शामिल हैं। इनकी वैल्यूएशन करीब 2.74 लाख करोड़ रुपये है।

ऐसे हुई थी ग्रुप की शुरुआत

गोदरेज ग्रुप की शुरुआत साल 1897 में ताले बेचने से हुई थी। आज गोदरेज ग्रुप कई सेक्टरों में कारोबार करता है। इसमें इंजीनियरिंग, इक्विपमेंट, सिक्योरिटी सॉल्यूशंस, एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स, रियल एस्टेट और कंज्यूमर प्रोडक्ट्स शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन सभी सेक्टरों में फैले कारोबार का बंटवारा किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

सोलर सेल बनाने वाली कंपनी का आ रहा आईपीओ, टाटा भी है क्लाइंट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर सेल बनाने वाली कंपनी प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए पैसे जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं। हैदराबाद स्थित कंपनी आईपीओ के तहत 1,500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी। इसके अलावा प्रवर्तकों और निवेशकों की ओर से 2.82 करोड़ तक शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) होगी। यह कंपनी आईपीओ से पहले 300 करोड़ रुपये तक के शेयर बड़े निवेशकों को जारी कर सकती है। यदि ऐसा किया जाता है, तो आईपीओ का साइज कम हो जाएगा। कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, जेपी मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। इस आईपीओ से की गई कमाई का इस्तेमाल सहायक कंपनी, प्रीमियर एनर्जीज ग्लोबल एनवायरनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (पीईजीईपीएल) में निवेश के लिए किया जाएगा। हैदराबाद, तेलंगाना में 4 गीगावॉट सोलर पीवी टॉपकॉन सेल और 4 गीगावॉट सोलर पीवी टॉपकॉन मॉड्यूल विनिर्माण सुविधा की स्थापना पर भी पैसे खर्च होंगे। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी की परिचालन आय 1,428 करोड़ रुपये थी, जबकि बीते वित्त वर्ष में अप्रैल से दिसंबर, 2023 तक यह आंकड़ा 2,017 करोड़ रुपये रहा। इस साल मार्च तक कंपनी के पास 5,300 करोड़ रुपये से ज्यादा के ऑर्डर थे। प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड के ग्राहकों में टाटा की कंपनी टाटा पावर सोलर सिस्टम्स भी शामिल है। इसके अलावा एनटीपीसी, पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, कॉन्टिनम ग्रीन एनर्जी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड, फर्स्ट एनर्जी 6 प्राइवेट लिमिटेड (थर्मैक्स ग्रुप कंपनी), ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, हार्टेक सोलर प्राइवेट लिमिटेड, ग्रीन इंफ्रा विंड एनर्जी लिमिटेड भी ग्राहक हैं।

रत्न और आभूषणों का निर्यात पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 12.17 प्रतिशत घटा



नई दिल्ली, एजेंसी। रत्न और आभूषण निर्यात पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 2023-24 के दौरान 12.17 प्रतिशत घटकर 2,65,187.95 करोड़ रुपये (32,022.08 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रह गया। रत्न व आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के आंकड़ों से पता चला है कि इसका अमेरिका में उच्च ब्याज दर और चीन की इकोनॉमी में धीमी रिकवरी है। जीजेईपीसी के अध्यक्ष विपुल शाह ने पीटीआई से कहा, स्रङ्क23 में रत्न और आभूषण निर्यात 3,01,925.97 करोड़ रुपये (स्ष्ठ 37,646.17 मिलियन) था। उन्होंने कहा, पिछला वित्त वर्ष सभी उत्पाद श्रेणियों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा। यह स्थिति मुख्य रूप से उच्च ब्याज दरों के कारण अमेरिका में मंदी के कारण बनी, जो इस सेगमेंट में निर्यात के लिहाज से भारत के लिए सबसे बड़ा बाजार है। कोविड-19 के बाद चीन के बाजार में सुधार की गति धीमी है। आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष के 1,76,716.06 करोड़ रुपये (22,046.9 मिलियन अमरीकी डालर) की तुलना में वित्त वर्ष 24 के दौरान कट और पॉलिश किए गए हीरे का कुल निर्यात 25.23 प्रतिशत घटकर 1,32,128.29 करोड़ रुपये (15,966.47 मिलियन अमरीकी डालर) हो गया।

राजनीतिक दलों के मुफ्त उपहारों पर लाना चाहिए श्वेतपत्र, पूर्व आरबीआई गवर्नर की केंद्र को सलाह

हैदराबाद एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने मुफ्त उपहार को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को सलाह दी है। उनका कहना है कि सरकार को मुफ्त उपहार देने के मुद्दे पर राजनीतिक दलों के बीच सहमति बनाने के लिए श्वेत पत्र लाना चाहिए। साथ ही इस बारे में गहन बहस होनी चाहिए कि इस संबंध में राजनीतिक दलों पर कैसे अंकुश लगाया जाए।

सुब्बाराव ने यह भी सलाह दी कि आम जनता को इन मुफ्त उपहारों की लागत और लाभों के बारे में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए और यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस बारे में लोगों को कैसे शिक्षित करे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह एक राजनीतिक मुद्दा है और इस पर राजनीतिक सहमति होनी चाहिए। इसका नेतृत्व केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री को करना होता है। मेरा मानना है कि उन्हें एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए और इस पर आम सहमति बनाने का प्रयास करना चाहिए।



इस पर कैसे लगा सकते हैं रोक

आरबीआई के पूर्व गवर्नर का कहना है कि लोगों को मुफ्त उपहारों के बारे में जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि हम इस पर कैसे रोक लगा सकते हैं और हम इसे कैसे लागू कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत जैसे गरीब देश में यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सबसे कमजोर वर्गों को कुछ सुरक्षा तंत्र प्रदान करे और यह भी आत्मनिरीक्षण करे कि वित्तीय बाधाओं को देखते हुए उन्हें कितना दूर तक ले जाया जा सकता है। उन्होंने सलाह देते हुए कहा, आपको पूछना चाहिए कि क्या यह इस धन का सर्वश्रेष्ठ उपयोग है या हम कुछ बेहतर कर सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमें मुफ्त उपहारों पर अधिक जागरूक होना चाहिए। साथ ही जोरदार बहस करनी चाहिए और यह पता लगाना चाहिए कि हम राजनीतिक दलों पर कुछ संयम कैसे लगा सकते हैं।

वित्तीय अनुशासन बनाए रखना जरूरी

एफआरबीएम की सीमा का उल्लंघन करने वाले कुछ राज्यों के बारे में उन्होंने कहा कि राज्यों और केंद्र सरकार को वित्तीय अनुशासन बनाए रखना चाहिए और एफआरबीएम लक्ष्यों का पालन किया जाना चाहिए। एक सवाल पर सुब्बाराव ने कहा कि आईएमएफ के एक अध्ययन के अनुसार भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए 2047 तक लगातार 7.6 प्रतिशत की दर से वृद्धि करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, अगले 25 साल तक हर साल 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर को बनाए रखना, कुछ देशों ने ऐसा किया है, चीन ने यह किया है। लेकिन सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि जलवायु परिवर्तन, भू-राजनीतिक, वैश्वीकरण जैसी चुनौतियों के कारण क्या हम यह कर सकते हैं।

जोमैटो को भारी भरकम जीएसटी का नोटिस मिला

कंपनी को जुर्माने सहित 11.82 करोड़ रुपये टैक्स भरने को कहा गया है

जोमैटो के शेयर कल गिरावट के साथ बंद हुए थे

नई दिल्ली, एजेंसी। फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी जोमैटो को बड़ा झटका लगा है। कंपनी को भारी भरकम जीएसटी का नोटिस मिला है। ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खाना पहुंचाने वाले मंच जोमैटो को जीएसटी प्राधिकरण से 11.82 करोड़ रुपये की कर मांग और जुर्माना देने का आदेश मिला है। कंपनी के जुलाई 2017 से मार्च 2021 के बीच भारत के बाहर स्थित उसकी सहायक कंपनियों को दी गई निर्यात सेवाओं के संबंध में यह नोटिस मिला। यह आदेश अतिरिक्त आयुक्त, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर, गुरुग्राम ने जारी किया। इसमें 5,90,94,889 रुपये की जीएसटी मांग के अलावा 5,90,94,889 रुपये का ब्याज और जुर्माना शामिल है। जोमैटो ने शुक्रवार देर शाम शेयर बाजार को बताया कि कंपनी उचित प्राधिकारी के समक्ष आदेश के खिलाफ अपील दायर करेगी। इससे पहले बीते महीने मार्च में भी जोमैटो को भारी-भरकम जीएसटी नोटिस मिला था।



कंपनी को यह नोटिस कर्नाटक में कमर्शियल टैक्स (ऑडिट) के असिस्टेंट कमिश्नर से मिला था। ऑनलाइन ऑर्डर देकर खाना मंगाने की सुविधा देने वाले मंच जोमैटो को कर अधिकारियों से 23.26 करोड़ रुपये की कर मांग का नोटिस मिला था। इसमें ब्याज और जुर्माना शामिल था। कंपनी ने कहा था कि वह आदेश के खिलाफ उपयुक्त प्राधिकार के समक्ष चुनौती देगी। इस बार कंपनी को नोटिस अतिरिक्त आयुक्त, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर, गुरुग्राम ने जारी किया है।

क्या शेयर पर दिखेगा असर

जोमैटो का शेयर कल यानी कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को करीब दो फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ था। जोमैटो का शेयर अभी 188.50 रुपये पर बंद हुआ है। हालांकि पिछले 5 दिनों से जोमैटो के शेयर में गिरावट देखने को मिली है। शेयर करीब 5 फीसदी गिरा है। पिछले एक महीने में जोमैटो के शेयर ने निवेशकों को 11 फीसदी का रिटर्न दिया है। पिछले 6 महीने की बात करें तो जोमैटो का शेयर करीब 73 फीसदी तक उछला है। पिछले एक साल में जोमैटो के शेयर ने निवेशकों को 247.79 फीसदी का शानदार रिटर्न दिया है। निवेशकों को उम्मीद है कि आने वाले समय में जोमैटो के शेयर में और उछाल आ सकता है।

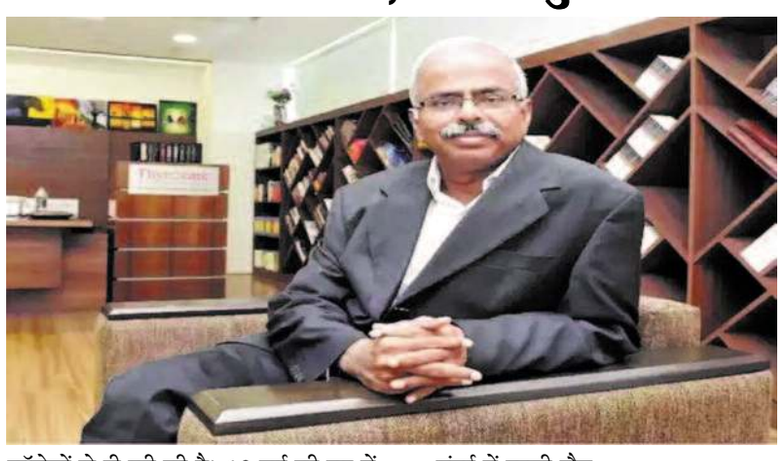
66 पर जाएगा कंस्ट्रक्शन कंपनी का यह शेयर, लगातार दे रहा मुनाफा, विजय केडिया के पास हैं 1 करोड़ शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक विजय केडिया के पोर्टफोलियो में कुछ ऐसे भी स्टॉक हैं जिनकी कीमत 60 रुपये से कम है। ऐसा ही एक स्टॉक सिविल कंस्ट्रक्शन से जुड़ी कंपनी- पटेल इंजीनियरिंग का है। बीते कुछ दिनों से सुस्त पड़े इस स्टॉक पर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। आनंद राठी की रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक इस कंपनी के स्टॉक मंदी के दौर से गुजर रहे हैं लेकिन शॉर्ट टर्म में खरीदारी बढ़ने की संभावना है। ब्रोकरेज आनंद राठी ने पटेल इंजीनियरिंग के स्टॉक को 56-58 रुपये के रेंज में खरीदारी की सलाह दी है। इसके साथ ही अनुमान लगाया है कि स्टॉक शॉर्ट टर्म में 66 रुपये के स्तर तक जा सकता है। वहीं, 53 रुपये पर स्टॉप-लॉस की सलाह दी गई है। वर्तमान में पटेल इंजीनियरिंग के शेयर की कीमत 59 रुपये है। छह फरवरी 2024 को इस शेयर की कीमत 79 रुपये तक गई।

कभी चप्पल खरीदने के लिए भी नहीं थे पैसे, आज हैं दुनिया की सबसे बड़ी थॉयरॉइड टेस्टिंग कंपनी के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। थायरोकेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड दुनिया की सबसे बड़ी थॉयरॉइड टेस्टिंग कंपनी है। इस कंपनी के 950 से अधिक ब्रांडेड और 5,000 से अधिक नॉन-ब्रांडेड आउटलेट्स हैं। कंपनी के फाउंडर, चेयरमैन और एमडी ए वेलुमणि का ताल्लुक तमिलनाडु के एक गरीब परिवार से है। उनके पिता एक गरीब किसान थे, उनकी अपनी जमीन नहीं थी। वेलुमणि का जीवन गरीबी में बीता। हालत यह थी कि उनके पास कपड़े और चप्पल खरीदने के लिए भी पैसे नहीं होते थे। लेकिन वेलुमणि ने अपनी मेहनत और लगन से बड़ा मुकाम हासिल किया। आज उनकी कंपनी का मार्केट कैप 3,300 करोड़ रुपये है। इसका कारोबार भारत ही नहीं बल्कि कई दूसरे देशों में भी फैला है।

वेलुमणि का जन्म तमिलनाडु में कोयंबटूर के करीब एक गरीब परिवार में हुआ। उनके तीन और भाई-बहन थे। परिवार का गुजारा करने के लिए मां दूध बेचने का काम करती थी। कई साल तक मां ने ही घर का खर्च चलाया। वेलुमणि ने अपनी स्कूलिंग गांव से पूरी की और फिर ग्रेजुएशन करने के लिए शहर चले गए। उन्होंने सारी पढ़ाई सरकारी स्कूल-



कॉलेजों से ही पूरी की है। 19 वर्ष की उम्र में उन्होंने बीएससी की डिग्री पूरी की और फिर कोयंबटूर में एक छोटी सी दवा कंपनी में काम करने लगे। यहां उनकी सैलरी 150 थी। सैलरी काफी कम थी लेकिन उन्होंने फिर भी वो 100 रुपये घर मां के पास भेजते थे, और किसी तरह से 50 रुपयों में खुद का खर्च चलाते थे। लेकिन कुछ समय बाद कंपनी ही बंद हो गई और वेलुमणि बेरोजगार हो गए।

मुंबई में पहली लैब

लेकिन कहते हैं कि एक रास्ता बंद होता है तो 100 रास्ते खुल जाते हैं। कंपनी बंद होने के बाद वेलुमणि ने भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर में लैब असिसटेंट की पोस्ट के लिए अप्लाई किया। इसमें उनका सेलेक्शन हो गया। इसमें काम करते हुए उन्होंने अपनी आगे की पढ़ाई पूरी की और फिर साइंटिस्ट बने। 14 साल तक भाभा में काम करने के बाद वेलुमणि ने अपनी कंपनी खोलने की बात सोची। उनकी शादी सुमति वेलुमणि से हुई थी जो एसबीआई में कर्मचारी थीं। जब 1995 में उन्होंने कंपनी खोली तो उनकी बीवी ही पहली कर्मचारी थीं। कंपनी के लिए उनकी पत्नी ने जॉब छोड़ दी थी। पहली लैब मुंबई में खोली गई। वेलुमणि ने अपने पीएफ के एक लाख रुपये से यह कंपनी खोली थी। शुरुआत में उनका फोकस केवल थॉयरॉइड के टेस्ट पर था लेकिन बाद में दूसरे टेस्ट को भी इसमें शामिल किया गया।

वेलुमणि का मकसद लोगों को सस्ते में लैब की सुविधा मुहैया कराना था। शुरुआत के दिनों में रोज के केवल दो सैंपल ही आते थे। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और रात-दिन मेहनत की। धीरे-धीरे अपने बिजनस मॉडल को भी औरों से अलग बनाया। टेस्ट की लागत कम थी और ज्यादा लोगों तक पहुंच के कारण उन्हें काफी फायदा मिला। धीरे-धीरे देश के अलग-अलग हिस्सों में सैंपल लैब खोले गए। अब उनका यह कारोबार पूरे देश में अपनी पहचान बना चुका है। 2016 में उन्होंने कंपनी को लिस्ट कराया। कंपनी का आईपीओ करीब 73 गुना सब्सक्राइब हुआ और आज इसका मार्केट कैप 3,361.70 करोड़ रुपये है।

सादगीपूर्ण जीवन

हाल में एक पॉडकास्ट में वेलुमणि ने बताया कि शुरुआती दिनों में वह सैलरी नहीं लेते थे और अपनी कमाई का एक-एक पैसा कंपनी में निवेश करते थे। उनका परिवार सादगी के साथ रहता था। कंपनी का प्रॉफिट बढ़ने के बाद भी यही स्थिति रही। वह कहते हैं, शुरुआती जीवन में मेरी सफलता की प्रेरणा मेरी मां थी और मेरी बिजनस सक्सेस की वजह मेरी पत्नी थी। लेकिन 2016 में कंपनी का आईपीओ आने से कुछ ही दिन पहले उनकी पत्नी को कैंसर डिटेक्ट हुआ। वेलुमणि ने कहा, आईपीओ से 50 दिन पहले मैंने अपनी पत्नी को खो दिया था। 12 फरवरी को उनका निधन हुआ और मई में आईपीओ आया। उनकी मौत से 50 दिन पहले हमें पता चला कि उन्हें ग्रेड फोर का पैंक्रिएटिक कैंसर है। आपकी सफलता में आपके जीवनसाथी की अहम भूमिका होती है। अगर आपका जीवनसाथी आप पर भरोसा करता है तो आपकी 10 गुना बढ़ जाती है।

2023-24 में 18 फीसदी बढ़ा प्रत्यक्ष कर संग्रह, 19.58 लाख करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 17.7 प्रतिशत बढ़कर 19.58 करोड़ रुपये हो गया। कर विभाग ने रविवार को कहा कि यह राशि संशोधित अनुमानों से काफी अधिक है।



त्यक्ष कर संग्रह में सबसे बड़ी हिस्सेदारी

आयकर और कॉरपोरेट कर संग्रह 2023-24 के दौरान बजट अनुमानों से 1.35 लाख करोड़ रुपये (7.40 प्रतिशत) और संशोधित अनुमानों से 13,000 करोड़ रुपये अधिक रहा। इनकी प्रत्यक्ष कर संग्रह में सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। वित्त वर्ष 2023-24 में सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह (अनंतिम) 18.48 प्रतिशत बढ़कर 23.37 लाख करोड़ रुपये हो गया। रिफंड के बाद शुद्ध आय 17.7 प्रतिशत बढ़कर 19.58 लाख करोड़ रुपये रही।

प्रत्यक्ष कर संग्रह के आंकड़े अर्थव्यवस्था में उछाल और व्यक्तियों तथा कॉरपोरेट की आय में वृद्धि को दर्शाते हैं। सीबीडीटी ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 3.79 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया।

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह के अनंतिम आंकड़े बताते हैं कि शुद्ध संग्रह 19.58 लाख करोड़ रुपये है। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह राशि 16.64 लाख करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में इस वर्ष के लिए संग्रह 18.23 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था, जिसे बाद में संशोधित कर 19.45 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया।

संशोधित अनुमान से 0.67 प्रतिशत अधिक

बयान में कहा गया कि अनंतिम प्रत्यक्ष कर संग्रह (रिफंड को छोड़कर) बजट अनुमान से 7.40 प्रतिशत और संशोधित अनुमान से 0.67 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान रिफंड के समायोजन से पहले प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह (अनंतिम) 23.37 लाख करोड़ रुपये रहा। यह राशि वित्त वर्ष 2022-23 के 19.72 लाख करोड़ रुपये के सकल संग्रह से 18.48 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में सकल कॉरपोरेट कर संग्रह (अनंतिम), इससे पिछले वर्ष के 10 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 13.06 प्रतिशत बढ़कर 11.32 लाख करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 में शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह (अनंतिम) 9.11 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष के 8.26 लाख करोड़ रुपये से 10.26 प्रतिशत अधिक है।

शुद्ध व्यक्तिगत आयकर संग्रह 10.44 लाख करोड़ रुपये

समीक्षाधीन अवधि में प्रतिभूति लेनदेन कर (अनंतिम) सहित सकल व्यक्तिगत आयकर संग्रह 12.01 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष के 9.67 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से 24.26 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान एसटीटी (अनंतिम) सहित शुद्ध व्यक्तिगत आयकर संग्रह 10.44 लाख करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 8.33 लाख करोड़ रुपये से 25.23 प्रतिशत अधिक है। बयान में कहा गया कि वित्त वर्ष 2023-24 में 3.79 लाख करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए, जो वित्त वर्ष 2022-23 में जारी किए गए 3.09 लाख करोड़ रुपये के रिफंड से 22.74 प्रतिशत अधिक है।

बच्चों का सामान बनाने वाली कंपनी पर लगा करोड़ों का जुर्माना, कैंसर होने से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। अदालत ने जे एंड जे और केन्व्यू पर 45 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है। एक महिला के मुकदमा दायर करने के बाद चली लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने माना कि कंपनी के बेचे गए टेल्कम बेबी पाउडर में एस्बेस्टर था। जो कि महिला के कैंसर और मौत का कारण बना था।

जॉनसन एंड जॉनसन और केन्व्यू कंपनी जो बच्चों से जुड़े प्रोडक्ट बनाने के लिए चर्चित है। अमूमन हर किसी के घर में जे एंड जे कंपनी के प्रोडक्ट मिल देखने मिलेंगे। लेकिन एक महिला ने अदालत में केस दायर किया है कि इस प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने से उनके परिवार के सदस्य को कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी हुई, जिससे उनकी मौत हो गई थी। कंपनी के बेचे गए टेल्कम पाउडर में एस्बेस्टस था। वहीं एस्बेस्टस जो कि मेसोथेलियोमा के पैदा होने का कारण है।



परिवार ने आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था कि थेरेसा गार्सिया की मौत का जिम्मेदार दोनों कंपनियों को ठहराया था। गार्सिया की बेटी स्टेफ़नी साल्सेडो ने अपने परिवार की ओर से मामला दायर किया। परिवारजनों का मानना है कि 2020 में महिला की मौत कैंसर के कारण हुई। लेकिन कैंसर एस्बेस्टस के कारण हुआ। परिवारजन का आरोप था कि कंपनी ने यह जानकर भी टेल्कम पाउडर बेच दिया, जब उनको पता था कि टेल्कम पाउडर में एस्बेस्टस था। वहीं जे एंड जे का कहना है कि उसके टैल्क-आधारित उत्पादों से कैंसर नहीं होता है।

मामले की सुनवाई शुक्रवार देर रात शिकागो में हुई थी। इसमें ज्यूरी सदस्यों ने कंपनी को 45 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया, जो कि पीडिता के परिवार को दिया जाना है। परिवार की वकील जेसिका डीन ने कहा कि परिवार आभारी है कि जूरी सदस्यों ने जे एंड जे और केनव्यू द्वारा दिए गए धोखे को देखा। और माना कि टेल्कम पाउडर कैंसर का कारण बन सकता है।



विनेश फोगाट ने जीता ओलंपिक कोटा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की विनेश फोगाट ने शनिवार को एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में महिलाओं के 50 किग्रा सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की लॉरा गनिक्यज़ी को 10-0 से हराकर पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल किया। एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल चैंपियन फोगाट ने लॉरा गनिक्यजी के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 4 मिनट 18 सेकंड में मुकाबला जीत लिया।

अभिषेक शर्मा ने बताया अपनी सफलता का राज

गेम प्लान से मचा रहे तबाही

नईदिल्ली, एजेंसी। पंजाब से आने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक ओपनर अभिषेक शर्मा का बल्ला आईपीएल 2024 में जमकर बोल रहा है। वहीं उन्होंने अब अपनी इस आपार सफलता का राज भी बताया है।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 12 गेंद में 46 रन की विस्फोटक पारी खेल सनराइजर्स हैदराबाद की बड़ी जीत की नींव रखने वाले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि आईपीएल में प्रतिद्वंद्वी टीम के मुख्य गेंदबाजों को ध्यान में रख कर तैयारी करने का उन्हें काफी फायदा मिला है। अभिषेक ने शनिवार को यहां ट्रेविस हेड (32 गेंद में 89 रन) के साथ महज 38 गेंद में 131 रन की साझेदारी के दौरान पावरप्ले में 125 रन बनाने का रिकॉर्ड भी कायम किया।

अभिषेक ने बताया अपना गेम प्लान

इस शानदार शुरुआत से सनराइजर्स हैदराबाद ने सात विकेट पर 266 रन बनाने के बाद दिल्ली की पारी को 19.1 ओवर में 199 रन पर समेट कर 67 रन से बड़ी जीत दर्ज की। उन्होंने अपनी पारी में 6 छक्के लगाये जिसमें 4 छक्के कुलदीप की गेंद पर आये। उन्होंने कहा कुलदीप की गेंदबाजी का वीडियो देखने से उन्हें फायदा हुआ। अभिषेक ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं व्यक्तिगत तौर पर स्पिनरों और विरोधी टीम के मुख्य गेंदबाजों के मुताबिक तैयारी करता हूं। इस साल भी मैंने कुलदीप के खिलाफ खेलने की तैयारी की थी क्योंकि वे उनके मुख्य गेंदबाज है। मैं उनका वीडियो देखता हूं। मैं अभ्यास सत्र में विरोधी टीम के गेंदबाजों की तरह गेंद डालने वाले किसी गेंदबाज के खिलाफ अभ्यास करने पर ध्यान देता हू। इससे काफी फायदा होता है।'



किस्मत अच्छी है कि हेड हमारी टीम में है

अपनी पारी में छह छक्के जड़ने वाले इस वामहस्त बल्लेबाज ने कहा कि उनकी मौजूदा लय उस कड़ी मेहनत का नतीजा है जो उन्होंने पिछले कुछ महीनों में की है। उन्होंने कहा, 'आईपीएल से पहले मैंने कड़ी मेहनत की थी। सैयद मुश्ताक ट्रॉफी (घरेलू टी20 टूर्नामेंट) में भी मैंने काफी मेहनत की थी इससे मुझे काफी फायदा हो रहा है।' अभिषेक ने कहा कि वह काफी समय से हेड के प्रशंसक रहे है और उनके साथ बल्लेबाजी करने का अनुभव शानदार रहता है। हेड ने अपनी 32 गेंद की पारी में 11 चौके और छह छक्के लगाये। अभिषेक ने कहा, 'ट्रेविस को बल्लेबाजी करते देखना काफी मनोरंजक होता है। हम मैदान के बाहर भी आपस में काफी बातें करते है। वह ऐसे खिलाड़ी है जिसका मैं अनुसरण करना चाहता हूं। पंजाब (राज्य क्रिकेट टीम) के मेरे साथी जानते है कि मैं तीनों प्रारूप में हेड की बल्लेबाजी का सम्मान करता हूं।

टी20 वर्ल्ड कप को लेकर भी बोले अभिषेक

अभिषेक बल्लेबाजी के साथ कामचलाऊ खब्बू गेंदबाज भी है। आईपीएल के मौजूदा और पिछले सत्र में हालांकि उन्हें गेंदबाजी का ज्यादा मौका नहीं मिला है। उन्होंने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, 'मुझे लगता है कि सब को पता है कि मैं गेंदबाजी कर सकता हूं लेकिन 'इंपैक्ट प्लेयर' नियम के कारण टीम में एक अतिरिक्त गेंदबाज या बल्लेबाज होता है। हर हरफनमौला के साथ ऐसा हो रहा है यह पिछले साल भी था। मैं मानता हूं कि मुझे जब भी गेंदबाजी का मौका मिलेगा मुझे उसके लिए तैयार रहना चाहिये।' अभिषेक लगातार अच्छी बल्लेबाजी कर राष्ट्रीय टीम का दरवाजा खटखटा रहे है। उनसे जब पूछा गया कि क्या उनके दिमाग में आगामी टी20 विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की बातें चल रही है तो उन्होंने कहा, ' इस तरह के मुद्दों पर मैंने हेड से बात की है जिसके बाद मेरी सोच बिलकुल स्पष्ट है। मुझे ज्यादा दूर की चीजों के बारे में सोचे बिना जो भी मौका मिलेगा उसका फायदा उठाने पर ध्यान देना है।'

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में ट्रैविस हेड का तूफान, तोड़े कई रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच टूर्नामेंट का 35वां मैच दिल्ली में खेला गया। हालांकि, मैदान का वेन्यू जरूर बदला है लेकिन हैदराबाद की बल्लेबाजी का अंदाज नहीं। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2024 में बल्लेबाजी के नए रिकॉर्ड स्थापित करने की आदत बना ली है और यह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी जारी रहा। पहले



बल्लेबाजी करने उतरी एसआरएच की ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की ओपनिंग जोड़ी ने पावरप्ले में ही बोर्ड पर 100 से अधिक रन जोड़ लिए। खासतौर पर हेड ने दिल्ली के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दी। हेड 32 गेंदों पर 89 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 278.11 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जिसमें 11 चौके और 6 छक्के शामिल थे। वहीं अभिषेक शर्मा ने 12 गेंदों पर 46 रन ठोक डाले जिसमें दो चौके और 6 छक्के शामिल थे। अभिषेक ने 383.33 के स्ट्राइक रेट से रन जोड़े। हैदराबाद ने तोड़े ये रिकॉर्ड्स-टी20 में सबसे तेज 100 रन जो सिर्फ सिर्फ पांच ओवर में आए। किसी भी टी20 में पावरप्ले में सर्वाधिक स्कोर। इस जोड़ी ने पहले 6 ओवर में 125 रन का विशाल स्कोर बनाया।

भारतीय निशानेबाजों की नजर पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने पर

नईदिल्ली, एजेंसी। पृथ्वीराज टोंडिमन, जोरावर संधू और विवान कपूर पुरुषों के ट्रैप में शेष उपलब्ध कोटा स्थान जीतने की कोशिश करेंगे, जबकि श्रेयसी सिंह, मनीषा कीर और नीरू महिलाओं की संबंधित स्पर्धा में भारत के पेरिस स्थानों को अधिकतम करने की कोशिश करेंगी। निशानेबाजी में रिकॉर्ड 20 ओलंपिक कोटा स्थान पहले ही हासिल कर चुका भारत रविवार से दोहा में आईएसएसएफ फाइनल ओलंपिक क्वालीफिकेशन चैम्पियनशिप (शॉटगन) शुरू होने पर 2024 पेरिस स्थानों के लिए अपने अभियान की शुरआत करेगा। पृथ्वीराज टोंडिमन, जोरावर संधू और विवान कपूर पुरुषों के ट्रैप में शेष



उपलब्ध कोटा स्थान जीतने की कोशिश करेंगे, जबकि श्रेयसी सिंह, मनीषा कीर और नीरू महिलाओं की संबंधित स्पर्धा में भारत के पेरिस स्थानों को अधिकतम करने की कोशिश करेंगी। भवनीश मेंदीरत्ता और राजेश्वरी कुमारी ने पिछली प्रतियोगिताओं में भारत के लिए पुरुष और महिला ट्रैप में एक-एक कोटा स्थान हासिल किया था। क्वालीफिकेशन तीन दिनों तक चलेगा और 23 अप्रैल को दोनों स्पर्धाओं के फाइनल के साथ समाप्त होगा। ट्रैप प्रतियोगिता के बाद पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए स्कीट स्पर्धा होगी, जहां भारत दो और कोटा स्थान जीत सकता है। भारत ने अब तक निशानेबाजी में 20 पेरिस कोटा स्थान जीते हैं, जिनमें राइफल और पिस्टल विषयों में अधिकतम आठ-आठ और शॉटगन में चार स्थान शामिल हैं।

युवराज सिंह मुझसे खफा होंगे क्योंकि...

● अभिषेक शर्मा 12 गेंदों में 46 रन बनाने के बावजूद किस बात से घबराए

नईदिल्ली, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा आईपीएल 2024 में अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से जमकर सुर्खिया बटोर रहे हैं। उन्होंने अब तक सात मैचों में 215.96 के स्ट्राइक रेट से 257 रन बनाए हैं। उन्होंने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी कमाल की पारी खेली। उन्होंने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में 12 गेंदों में 46 रन बनाए, जिसमें दो चौके और 6 सिक्स शामिल हैं। अभिषेक ने ट्रैविस हेड (32 गेंदों में 89, 11 चौके, 6 छक्के) के साथ पहले विकेट के लिए 131 रन की साझेदारी की। हालांकि, तूफानी पारी खेलने के बावजूद अभिषेक एक बात को लेकर घबराए हुए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह दिल्ली के विरुद्ध उनके आउट होने के तरीक से खफा होंगे। अभिषेक को स्पिनर कुलदीप यादव ने सातवें ओवर की दूसरी गेंद पर पवेलियन की राह दिखाई थी। कुलदीप ने फुलर गेंद डाली, जिसके बाद अभिषेक ने ड्राइव किया लेकिन कवर पर अक्षर पटेल को कैच थमा बैठे। अक्षर ने आगे की ओर डाइव लगाकर कैच लिया।



अभिषेक शर्मा ने मैच के बाद कहा, जिस तरह से मैं आउट हुआ, उससे युवराज सिंह मुझसे खफा होंगे लेकिन कुल मिलाकर वह मेरी प्रोग्रेस से खुश होंगे। उन्होंने कड़ी मेहनत की है। बता दें कि युवराज 23 वर्षीय ऑलराउंड अभिषेक के मेंटॉर हैं। अभिषेक घरेलू क्रिकेट में पंजाब की ओर से खेलते हैं। युवराज भी पंजाब टीम से खेलते थे। अभिषेक ने युवराज के साथ ट्रेनिंग की है, जिससे उन्हें आईपीएल में दमदार प्रदर्शन करने में मदद मिल रही है। अभिषेक और हेड ने शुरुआती 6 ओवर में 125 रन जोड़े, जो टी20 क्रिकेट का पावरप्ले में सबसे बड़ा स्कोर है। हैदराबाद ने 266/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया। नितीश रेड्डी ने 37 रन का योगदान दिया। शाहबाज अहमद ने नाबाद 59 रन की पारी खेली। जवाब में दिल्ली की टीम 199 रन पर ऑलरआउट हो गई। एसआरएच ने 67 रन से विजयी परचम फहराया। दिल्ली के लिए जेक फ्रेजर-मैकगर्क (65) ने सबसे ज्यादा रन बनाए। अभिषेक पोरेल ने 42 और कप्तान ऋषभ पंत ने 44 रन जुटाए।

टेनिस स्टार गार्बाइन मुगुरुजा ने संन्यास का ऐलान किया

● दो ग्रैंड स्लैम जीते, जनवरी 2023 के बाद से टेनिस कोर्ट में नहीं उतरी ● साल 2016 में फ्रेंच ओपन जीता।

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व वर्ल्ड नंबर एक खिलाड़ी गार्बाइन मुगुरुजा ने 30 साल की उम्र में ही पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। उन्होंने ये फैसला लंबे समय से टेनिस से दूर रहने की वजह से किया है। मुगुरुजा 2023 जनवरी से टेनिस नहीं खेली हैं। उन्होंने शनिवार को मैड्रिड में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मुझे लगता है कि अब संन्यास लेने और अपनी जिंदगी में एक नया अध्याय खोलने का समय आ गया है।

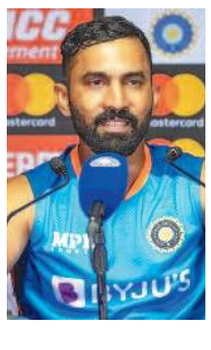


विलियम्स बहनों को ग्रैंड स्लैम फाइनल में हरा चुकी हैं

मुगुरुजा विलियम्स बहनों को ग्रैंड स्लैम फाइनल में हराने वाली इकलौती खिलाड़ी हैं।

उन्होंने साल 2016 में फ्रेंच ओपन के फाइनल में सेरेना विलियम्स को और 2017 में विम्बलडन फाइनल में वीनस विलियम्स को हराया था। वहीं स्पेनिश खिलाड़ी मुगुरुजा के नाम 10 करियर खिताब है। वह 2015 विम्बलडन तथा 2020 आस्ट्रेलियाई ओपन में उप विजेता रही थीं गार्बाइन मुगुरुजा ने 2017 में विम्बलडन फाइनल में वीनस विलियम्स को हराया कर खिताब अपने नाम किया था।

1998 के बाद फ्रेंच ओपन जीतने वाली पहली स्पेनिश खिलाड़ी- मुगुरुजा के पिता स्पेनिश हैं। जबकि मां वेनेजुएला की हैं। मुगुरुजा ने टेनिस का प्रशिक्षण लेने के लिए बार्सिलोना चली गईं। उन्होंने 2016 में फ्रेंच ओपन जीता। वह 1998 फ्रेंच ओपन में अरांत्सा सांचेज़ विकारियो के बाद ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी जीतने वाली पहली स्पेनिश महिला बनीं।



टी-20 वर्ल्ड कप में खेलने को तैयार दिनेश कार्तिक

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में खेलने के लिए तैयार हैं। इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना कोलकाता नाइटराइडर्स के से होगा। इस मैच से पहले आरसीबी के विकेटकीपर कार्तिक ने कहा, मेरे जीवन के इस पड़ाव पर, भारत का प्रतिनिधित्व करना सबसे बड़ी खुशी होगी। मैं इसके लिए 100त तैयार हूं। मैं टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में शामिल होने के लिए हर संभव कोशिश करूंगा। कार्तिक ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में खेला था। तब से उन्होंने भारत के लिए कोई भी मैच नहीं खेला। इस दौरान वे कमेंट्री करते नजर आए।

आईपीएल के इस सीजन में 7 मैचों में दो अर्धशतक लगाए- 38 साल के दिनेश कार्तिक आईपीएल के इस सीजन में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने 7 मैचों में 205.45 के स्ट्राइक रेट से 226 रन बनाए हैं। इसमें दो हाफ सेंचुरी शामिल है।

मेरे लिए धोनी मतलब क्रिकेट और क्रिकेट

मतलब धोनी... शिवम दुबे की वाइफ ने माही के लिए दिल खोलकर रख दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्ट्रेस और क्रिकेटर शिवम दुबे की पत्नी अंजुम खान ने शनिवार को भारत के महान कप्तान एमएस धोनी के लिए सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। अंजुम खान ने धोनी के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है और उनके लिए लंबा कैप्शन भी लिखा। वह धोनी को कितना मानती हैं और उनका कितना सम्मान करती हैं। यह सब उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा।



शिवम दुबे की वाइफ ने धोनी के लिए शेयर किया खास पोस्ट

अंजुम खान ने सोशल मीडिया के सबसे चर्चित प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर धोनी के साथ अपनी मुलाकात की फोटो शेयर की। उसकी कैप्शन में उन्होंने लिखा, अल्हम्दुलिल्लाह धोनी यह नाम मैंने सुना था एक न्यूज चैनल पर...जब उनको कप्तान बनाया गया था भारतीय टीम का... और उसके पहले क्रिकेट पसंद था मुझे पर इतना नहीं कि मैं देखती रहूं... और मैं वो न्यूज चैनल पर रुक गई पता नहीं क्यों मैंने पूरा इंटरव्यू देख लिया।



जैक फ्रेजर ने लगाया आईपीएल 2024 का सबसे तेज अर्धशतक, एक साथ तोड़ा ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 के 35वें लीग मैच में दिल्ली कैपिटल्स को अपने घरेलू मैदान पर बेशक हार मिली, लेकिन इस मैच में इस टीम के बल्लेबाज जैक फ्रेजर ने कमाल की बल्लेबाजी की और आईपीएल 2024 का सबसे तेज अर्धशतक लगा दिया। इस मुकाबले में हैदराबाद की टीम ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 266 रन का विशाल स्कोर बनाया और इसके जवाब में दिल्ली की टीम लड़खड़ा गई और 19.1 ओवर में 199 रन बनाकर आउट हो गई और उसे 67 रन से हार मिली।

जैक फ्रेजर ने तोड़ा हेड और अभिषेक का रिकॉर्ड- जैक ने इस मैच में 15 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और आईपीएल 2024 में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस सीजन में इससे पहले ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा ने 16-16 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था।



कम उम्र के हीरो के साथ

रोमांस करना चाहती हैं मानुषी

मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद मानुषी छिल्लर धीरे-धीरे बॉलीवुड में अपने पैर जमा रही हैं। उन्होंने फिल्म सम्राट पृथ्वीराज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। मानुषी इन दिनों अपनी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर चर्चा में चल रही हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री ने अपने से बड़े अक्षय कुमार के साथ रोमांस फरमाया है। हालांकि, इसके लिए अभिनेत्री को ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा है। अब हाल ही में, मानुषी ने इस पर चुप्पी तोड़ी है। बड़े मियां छोटे मियां में मानुषी अभिनेता अक्षय कुमार के साथ दिखाई दी हैं। एक तरफ जहां सोशल मीडिया उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री की सराहना की गई है। वहीं, दूसरी तरफ उनके बीच उम्र के महत्वपूर्ण अंतर ने इंटरनेट पर बहस छेड़ दी। हाल ही में, मानुषी ने इस मामले पर अपने विचार साझा किए। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

बातचीत के दौरान जब मानुषी छिल्लर और अक्षय कुमार के बीच उम्र के अंतर का विषय उठाया गया, तो अभिनेत्री ने एक सुपरस्टार के रूप में उनकी प्रशंसा की और उनकी उम्र की परवाह किए बिना उनके साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने बताया कि अक्षय के साथ काम करके उनका समय बहुत अच्छा गुजरा। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वह कास्टिंग संबंधी निर्णय नहीं लेती हैं और कास्टिंग निर्देशकों द्वारा चुने गए विकल्पों का सम्मान करती हैं। वह उन्हें दी गई भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करती हैं और एक सुपरस्टार के साथ काम करने के अवसर को महत्व देती हैं, क्योंकि इससे प्रोजेक्ट पर महत्व बना रहता है।

मानुषी ने कहा, सुपरस्टार के साथ काम करना अच्छा है। आपको अच्छा खासा स्क्रीन स्पेस मिलता है। अगर मैं अपनी पहली फिल्म के बारे में बात करूं तो उम्र का अंतर था, लेकिन हमने भूमिकाएं अच्छे से निभाई। हमने मार्केटिंग के लिए गाने बनाए, इसलिए उन्हें गाने के लिए दो लोगों को एक साथ रखना पड़ा, लेकिन यह ठीक है। मैं इसे कुछ ऐसा नहीं मानती, जो नहीं होना चाहिए था। मानुषी ने यह भी उम्मीद जताई कि उन्हें भविष्य में कम उम्र के हीरो के साथ रोमांस करने का मौका मिलेगा। सम्राट पृथ्वीराज के साथ अपनी शुरुआत करने के बाद, अभिनेत्री ने विक्की कौशल के साथ द ग्रेट इंडियन फैमिली में अभिनय किया। वह ऑपरेशन वैलेंटाइन में भी नजर आई थीं।



तलाक के 9 महीने बाद कुशा कपिला को मिला नया प्यार

सोशल मीडिया सेंसेशन कुशा कपिला एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। खबर है कि पति जोरावर अहलूवालिया से तलाक लेने के बाद कुशा कपिला की लाइफ में नए प्यार की एंट्री हो गई है। कुशा कपिला का ये नया प्यार कोई और नहीं बल्कि मशहूर कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी हैं। जी हां चर्चा बटोर रही हैं। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि दोनों को गोवा में एक साथ देखा गया था, जिससे उनके रिश्ते की स्थिति के बारे में अटकलें तेज हो गईं। सोशल मीडिया सेंसेशन कुशा कपिला एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। खबर है कि पति जोरावर अहलूवालिया से तलाक लेने के बाद कुशा कपिला की लाइफ में नए प्यार की एंट्री हो गई है। कुशा कपिला का ये नया प्यार कोई और नहीं बल्कि मशहूर कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी हैं। जी हां चर्चा बटोर रही हैं। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि दोनों को गोवा में एक साथ देखा गया था, जिससे उनके रिश्ते की स्थिति के बारे में अटकलें तेज हो गईं। एक वायरल रेडिट पोस्ट में उनके कथित रिश्ते के बारे में पता चला, जिसमें गोवा में छुट्टियों के दौरान उन्हें साथ देखा गया था। हालांकि, इस डेटिंग को लेकर दोनों में से किसी ने भी अब तक रिएक्ट नहीं किया है। पहली शादी जोरावर अहलूवालिया से हुई थी, जिनसे उन्होंने 2017 में शादी की थी। हालांकि, उन्होंने जून 2023 में तलाक ले लिया, दोनों ने दुनिया के सामने अलग होने की घोषणा की थी।



डीपफेक वीडियो से परेशान हुए रणवीर

टेक्नॉलजी में तरक्की ने जहां लोगों की कई समस्याओं को सुलझाया है, तो वहीं इसने कई ऐसी नई समस्याओं को जन्म भी दिया है। आए दिन कोई न कोई इसका शिकार बनता है। कुछ समय पहले पुष्पा फेम अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था, जिसे लेकर काफी हल्ला भी मचा था।

अब बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह इसके शिकार बने हैं। अभिनेता का एक डीपफेक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह राजनीतिक पार्टी को प्रमोट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। रणवीर सिंह इस फर्जी वीडियो में एक राजनीतिक पार्टी का प्रचार करते हुए दिखाई दे रहे हैं। बीते कुछ दिनों में यह वीडियो काफी तेजी से फैल रही थी। इसे लेक आज 19 अप्रैल को रणवीर सिंह का रिएक्शन सामने आया है। इस वीडियो को लेकर रणवीर सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकांउट पर प्रतिक्रिया देते हुए लोगों से डीपफेक से बचने की चेतावनी दी है।

अभिनेता ने इस तरह के वीडियो से लोगों को बचने की सलाह देते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर लिखा, डीपफेक से बचो दोस्तों। रणवीर सिंह से पहले आलिया भट्ट, कटरीना कैफ, काजोल, रश्मिका मंधाना, नोरा फतेही समेत कई अन्य सितारे भी इस डीपफेक ट्रेंड का शिकार बन चुके हैं। तेजी से वायरल हो रही रणवीर सिंह की इस वीडियो को एडिट कर के आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स के माध्यम से बनाया गया है।



डीप नेक लेदर आउटफिट में दिखे शहनाज के...

शहनाज गिल रियालिटी शो बिग बॉस 13 की मोस्ट एंटरटेनर कंटेस्टेंट थी। शो से निकलने के बाद शहनाज ने अपना इतना जबरदस्त ट्रांस्फॉर्मेशन दिखाया। शहनाज ने जिस तरह कुछ ही समय में फैट टू फिट हुई वह काबिले तारीफ है। वह अक्सर बोल्ड तस्वीरें शेयर कर फैंस के दिलों पर छुरियां चलाती हैं। जैस-जैसे शहनाज करियर आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे उनका अंदाज भी बोल्ड होता जा रहा है। हाल ही मेंशहनाज ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है जिसने आपकी नजरें नहीं हटेंगी। शहनाज गिल रियालिटी शो बिग बॉस 13 की मोस्ट एंटरटेनर कंटेस्टेंट थी। शो से निकलने के बाद शहनाज ने अपना इतना जबरदस्त ट्रांस्फॉर्मेशन दिखाया। शहनाज ने जिस तरह कुछ ही समय में फैट टू फिट हुई वह काबिले तारीफ है। वह अक्सर बोल्ड तस्वीरें शेयर कर फैंस के दिलों पर छुरियां चलाती हैं। जैस-जैसे शहनाज करियर आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे उनका अंदाज भी बोल्ड होता जा रहा है। हाल ही मेंशहनाज ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है जिसने आपकी नजरें नहीं हटेंगी। इन तस्वीरों में शहनाज का अब तक का सबसे ज्यादा बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है। तस्वीरों में शहनाज गिल हद ज्यादा हॉट आउटफीट में दिखाई दे रही हैं। लुक की बात करें तो शहनाज ने ब्लैक कलर का डीपनेक लैदर जैकेट और मैचिंग शॉर्ट्स में बोल्ड दिख रही हैं। इस डीपनेक लैदर जैकेट में उनके क्लीवेज साफ दिख रहे हैं। हसीना ने सिल्वर ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी से अपने लुक को पूरा किया। मिनिमल मेकअप, स्ट्रेट हेयर शहनाज के लुक को परफेक्ट बना रहे हैं।





इटली के मिलान में सुहाना ले रही हैं छुट्टियों का आनंद

बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान इटली में अपनी छुट्टियों का आनंद ले रही हैं। सुहाना ने स्ट्रीमिंग फिल्म द आर्चीज से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर इटली में अपनी छुट्टियों की कई तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में, उन्हें इटली की गलियों में घूमते, स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेते, मिलान की सुंदरता को देखते और नए फैशन आउटफिट आज़माते हुए देखा जा सकता है।

सनी लियोनी ने शुरू की अपने अगले मलयालम प्रोजेक्ट की शूटिंग

एक्ट्रेस सनी लियोनी एक नए प्रोजेक्ट के साथ मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक्ट्रेस-एंटरप्रेन्योर ने पहले ही अनाम मलयालम प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। एक वीडियो, जिसमें सनी को टीम के साथ मुहूर्त पूजा करते हुए दिखाया गया है, ऑनलाइन सामने आया है और इसने फैंस को उत्साहित कर दिया है। कुछ सबसे बड़ी फिल्मों का हिस्सा बनने के बाद, एक्ट्रेस-एंटरप्रेन्योर की इस आगामी फिल्म ने उनकी शानदार फिल्मोग्राफी में एक सुनहरा पंख जोड़ दिया है। कैनेडी एक्ट्रेस के इस दिलचस्प प्रोजेक्ट ने दर्शकों को यह जानने के लिए उत्सुकता से इंतजार करवा दिया है कि सनी अपने सशक्त स्क्रीन प्रेजेंस और अभिनय कौशल के साथ दर्शकों को कैसे करेंगी एंटरटेन। सनी लियोनी ने इससे पहले ममूटी की मधुराजा में गेस्ट अपीयरेंस किया था। उन्होंने पहले दो मलयालम फिल्मों की घोषणा की थी, जिनका नाम रंगीला और शेरो है, जो अभी रिलीज़ नहीं हुई हैं। इस बीच, सनी लियोनी फिलहाल स्प्लिट्सविला ङ्क5 की लेटेस्ट सीरीज़ को होस्ट कर रही हैं।

शादी के 17 साल

ऐश्वर्या ने लुटाया अभिषेक पर प्यार, फैमिली तस्वीर में आराध्या ने लूट ली लाइमलाइट



बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन के रिश्तों के बारे में चाहे दुनिया में कितनी भी बातें क्यों ना हो लेकिन ये कपल हमेशा ही वह सभी को नजरअंदाज कर देते हैं। बीते कई महीनों से दोनों के बीच अनबन की कई खबरें आईं। इतना ही नहीं बच्चन बहू के घर छोड़ने की खबर ने भी खूब चर्चा बटोरी पर बिना कुछ कहे इस कपल को लोगों के मुंह पर भी ताला लगाना भी उन्हें बखूबी आता हैं। अब 20 अप्रैल को इनके शादी की सालगिरह थी। इस खास दिन पर कपल की एक झलक पाने के लिए आतुर थे। पूरी दिन बीत गया। बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन के रिश्तों के बारे में चाहे दुनिया में कितनी भी बातें क्यों ना हो लेकिन ये कपल हमेशा ही वह सभी को नजरअंदाज कर देते हैं। बीते कई महीनों से दोनों के बीच अनबन की कई खबरें आईं। इतना ही नहीं बच्चन बहू के घर छोड़ने की खबर ने भी खूब चर्चा बटोरी पर बिना कुछ कहे इस कपल को लोगों के मुंह पर भी ताला लगाना भी उन्हें बखूबी आता हैं। अब 20 अप्रैल को इनके शादी की सालगिरह थी। इस खास दिन पर कपल की एक झलक पाने के लिए आतुर थे। पूरी दिन बीत गया। मगर कोई पोस्ट नहीं किया गया मगर रात में ऐश्वर्या राय और अभिषेक दोनों ने एक-एक फोटो शेयर की जिसको देखने के बाद फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

करण जौहर का घर किराए पर लेने को इमरान खान ने बताया अफवाह!



बॉलीवुड एक्टर इमरान खान कई सालों से लाइमलाइट से दूर हैं। उन्होंने हाल ही में बताया कि शोबिज से दूर जाने के बाद वह साधारण जीवन जी रहे हैं। अपना पाली स्थित आलीशान बंगला छोड़ वह खाली अपार्टमेंट में शिफ्ट हो गए। अपनी पत्नी अवंतिका से अलग होने के बाद उनके जीवन में कई बदलाव आए हैं।

इसके साथ ही उन्होंने करण जौहर का घर किराए पर लेने की खबर पर भी चुप्पी तोड़ी है। फिल्म कंपैनियन को दिए इंटरव्यू में इमरान ने कहा कि पांच साल पहले ही वह अपने पाली वाले बंगले को छोड़ चुके हैं। ये उस वक्त की बात है जब उनका अवंतिका के साथ सेपरेशन हुआ था। इमरान ने कहा, मैंने एक खाली जगह पर बसने से शुरुआत की। मैंने अपनी जरूरतों के हिसाब से सामान लाना शुरू किया।

मेरे पास एक टीवी था क्योंकि मुझे फिल्में देखना पसंद था और एक सोफा। इसके बाद धीरे-धीरे मैंने सामान लाना शुरू किया जिसकी मुझे वास्तव में जरूरत थी। मेरे पास कोई लिव-इन स्टाफ नहीं था, मेरे पास एक इंसान था जो भारी सफाई करने के लिए हर दूसरे दिन आता था, लेकिन मैंने अपने लिए एक डायसन वैक्यूम क्लीनर खरीदा था और कहा कि मैं खुद सफाई करूंगा। अगर मेरे पास तीन प्लेट हैं, एक-एक हर मील के लिए है। एक नाश्ते की, एक लंच की और एक डिनर की तो धोने के लिए बस तीन प्लेट होती थी, तो कितनी ही गंदगी होती। एक्टर ने बताया कि उनका खाना उनकी मां के घर से आता था। लंबे समय से उन्हें लेकर खबर आ रही है कि उन्होंने और उनकी गर्लफ्रेंड लेखा वाशिंगटन ने करण जौहर का घर किराये पर लिया। इस खबर पर इमरान खान ने कहा, फिर से, यह उन चीजों में से एक है जिसे मैं कभी भी पूरी तरह से समझ नहीं पाया हूं।

- साभार एजेंसी